रांची

हिन्दी दैनिक

वनांचल आई

www.vananchaleye@gmail.com

हर खबर पर पहली नजर

₹5

PRGI. NO,JHAHIN/2023/88773 | वर्ष:01 | अंक:77 | रविवार,23 नवम्बर

ब्रीफ न्यूज

अगले सीजेआई सूर्यकांत का शपथग्रहण, इन 6 देशों के चीफ जस्टिस, जज शामिल होंगे

एजंसी

नई दिल्ली। सोमवार (24 नवंबर, 2025) को जस्टिस सूर्यकांत भारत के नए और 53वें चीफ जस्टिस (उखक) के तौर पर शपथ लेने वाले हैं। रविवार को मौजूदा सीजेआई बीआर गवई का कार्यकाल खत्म होने वाला है। लेकिन, पहली बार ऐसा हो रहा कि राष्ट्रपति भवन में नए चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया के शपथग्रहण के दौरान 6 देशों के चीफ जस्टिस, जज और उनके परिजन उपस्थित रहेंगे। जस्टिस सूर्यकांत को नए सीजेआई के तौर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू पद और गोपनीयता की शपथ दिलवाएंगी।

दिल्ली ब्लास्टः आतंकी जसीर बिलाल वानी को मिली राहत, कोर्ट ने अर्जी की मंजूर

एजंसी

नई दिल्ली। दिल्ली में लाल किले के बाहर ब्लास्ट मामले में आतंकी जसीर बिलाल वानी उर्फ दानिश को पटियाला हाउस कोर्ट से राहत मिली है. जसीर बिलाल वानी को एनआईए हिरासत के दौरान अपने वकील से मिलने की इजाजत मिल गई है. कोर्ट के आदेश के मुताबिक, राष्ट्रीय जांच एजेंसी (ठक्अ) कस्टडी के दौरान हर दूसरे दिन शाम 5 से 6 के बीच 20 मिनट तक आतंकी अपने वकील से मुलाकात कर सकता है. बता दें कि संदिग्ध आतंकी जसीर बिलाल वानी ने हिरासत के दौरान ठक्अ हेडक्वार्टर में अपने वकील से मिलने की इजाजत कोर्ट से मांगी थी. उसने कोर्ट में इसके लिए अर्जी दायर की थी.

कई जिलों में आज से छाए रहेंगे आंशिक बादल

रविवार से झारखंड के कई जिलों में आंशिक बादल छाने की संभावना है। यह स्थिति झारखंड के क्षोभ मंडल के (ट्रोपोस्फेयर) के निचले हिस्से में उत्तर पश्चिम से पश्चिम की ओर से चलनेवाली हवाओं से बनेगी। वहीं, झारखंड के विभिन्न जिलों में न्यूनतम तापमान बढ़कर 16 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया है। राज्य के चाईबासा, गोड्डा, सरायकेला और जमशेदपुर सहित कई जिलों में न्यूनतम तापमान 15 डिग्री के पाररिकॉर्ड किया गया।

झारखंड विधानसभा का धूमधाम से मना स्थापना दिवस, रजत जयंती समारोह का राज्यपाल, मुख्यमंत्री और विधानसभा अध्यक्ष ने किया शुभारम्भ

झारखंड का सपना तभी पूरा होगा, जब हर चेहरे पर होगी मुस्कान : हेमंत

संवाददाता

रांची : झारखंड विधानसभा का शानिवार को 25वां स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गया। झारखंड विधानसभा की रजत जयंती पर राज्य के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार और और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सभी अधिकारियों, कर्मचारियों के साथ सदन के वर्तमान और पूर्व सदस्यों को दी। राजधानी रांची स्थित विधानसभा भवन में आयोजित इस बड़े समारोह का शुभारंभ राज्य के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और विधानसभा अध्यक्ष रबींद्रनाथ महतो ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इसके बाद अध्यक्ष ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने विशेष समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि बदलाव कोई जादुई छड़ी नहीं है। राज्य की नीतियों और

कानून को आमजनों तक पहुंचाने का प्रयास कर रहे हैं। सेवा का अधिकार कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इसमें कई बिंदु जोड़े गए हैं। समय सीमा के अंदर काम को पूरा करना होगा। समय सीमा के अंदर अगर पदाधिकारी काम नहीं करते हैं, तो दंड का भी प्रावधान है। इसका असर मील का पत्थर साबित होगा। म्यूटेशन, जमीन की मापी, चरित्र, जाति, मृत्यु और आय प्रमाण पत्र के लिए आज लोग

दिशोम गुरु के नेतृत्व में राज्य के निर्माण में हुआ लंबा संघर्ष : सीएम

लंबा संघर्ष हुआ। आज आशीर्वाद देने के लिए कई ऐसे वीर हमलोगों के बीच नहीं है। पूर्वजों के अथक प्रयास से राज्य की परिकल्पना तो पूरी हुई, लेकिन मूल विषय में सबसे निचले पायदान में खड़े हैं। गरीबी, पिछड़ापन, शिक्षा सामाजिक न्याय से महरूम हैं। आज के दिन देश के किसी भी राज्य से झारखंड को आर्थिक रूप से मजबूत होने का दावा करें, तो सही नहीं होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि आर्थिक, सामाजिक और बौद्धिक रूप से अगर मजबूत नहीं हैं, तो ये संघर्ष लंबा हो सकता है। गाड़ी में पेट्रोल नहीं भरेंगे, तो एक कदम भी आगे नहीं चल सकती है। उसी तरह से राज्य को आगे ले जाने में हम सभी का दायित्व बनता है। उन्होंने कहा कि पहले चरण में आधी आबादी को मजबूत करने का संकल्प है। उत्कृष्ट विद्यालय खोला गया है। सेवा का अधिकार कार्यक्रम चलाया जा रहा है। कई सारे लोग ऐसे हैं,

धक्के खाते हैं। अब इसे समय सीमा के अंदर पूरा करना होगा। बदलाव कोई जादुई छड़ी नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड को सोने की चिड़िया कहा जाता है, लेकिन यह साकार रुप में तभी दिखेगा, जब सवा तीन करोड़ झारखंडवासियों के चेहरे पर मुस्कान दिखेगा।

जी-20 में भारत की दमदार दस्तक पीएम मोदी का ड्रग्स-आतंकवाद के गठजोड़ पर कड़ा प्रहार, स्वास्थ्य को भी दी प्राथमिकता

संवाददाता

पीएम मोदी ने विकास मानदंडों पर पुनर्विचार का किया आह्वान

नई दिल्ली। जी-20 शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी ने वैश्विक विकास पर पुनर्विचार करते हुए भारत के सभ्यतागत मूल्यों, विशेषकर एकात्म मानववाद, पर आधारित समावेशी और सतत विकास पर जोर दिया। उन्होंने पारंपरिक ज्ञान भंडार, स्वास्थ्य सेवा प्रतिक्रिया दल और ड्रग- आतंकवाद गठजोड़ से निपटने जैसी महत्वपूर्ण पहलों का प्रस्ताव रखा, जो अफ्रीका की प्रगति को वैश्विक विकास से जोड़ने पर केंद्रित हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में जी-20 शिखर सम्मेलन में भारत के सभ्यतागत मूल्यों के अनुरूप वैश्विक विकास को नया रूप देने के उद्देश्य से कई पहलों का प्रस्ताव रखा। समावेशी और सतत आर्थिक विकास, जिसमें कोई पीछे न छूटे विषय पर आयोजित सत्र को संबोधित करते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने वैश्विक विकास मानदंडों पर गहन पुनर्विचार का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जी-20 ने लंबे समय से वैश्विक वित्त और विकास को आकार दिया है, लेकिन प्रचलित मॉडलों ने बड़ी आबादी को संसाधनों से वंचित किया है और प्रकृति के अति-दोहन को बढ़ावा दिया है। ये चुनौतियाँ अफ्रीका में तीव्र रूप से महसूस की जा रही हैं। मोदी ने कहा कि अफ्रीका द्वारा पहली बार जी-20 शिखर सम्मेलन की मेजबानी के साथ, अब हमारे लिए अपने विकास मानदंडों पर पुनर्विचार करने और समावेशी एवं सतत विकास पर ध्यान केंद्रित करने का सही समय है। भारत के सभ्यतागत मूल्य, विशेष रूप से एकात्म मानववाद का सिद्धांत, आगे बढ़ने का मार्ग प्रशस्त करता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट किया, ₹दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में जी- 20 शिखर सम्मेलन के पहले सत्र को संबोधित किया, जिसमें समावेशी और सतत विकास पर ध्यान केंद्रित किया गया। अफ्रीका द्वारा पहली बार जी-20 शिखर सम्मेलन की मेजबानी के साथ, अब हमारे लिए अपने विकास मानदंडों पर पुनर्विचार करने और समावेशी एवं सतत विकास पर ध्यान केंद्रित करने का सही समय है। भारत के सभ्यतागत मूल्य

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप नहीं ले रहे भाग

प्रधानमंत्री ने कहा कि मादक पदार्थों की तस्करी, विशेषकर फेंटानिल जैसे अत्यंत खतरनाक पदार्थों के प्रसार की चुनौती से निपटने के लिए भारत ने मादक पदार्थ-आतंकवाद गठजोड़ का मुकाबला करने के लिए जी-20 पहल का प्रस्ताव रखा है। उन्होंने कहा, आइए मिलकर इस भयावह नशा- आतंक गठजोड़ को कमजोर करें। सम्मेलन में पीएम मोदी ने समिट में इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी और दुनियाभर के नेताओं से मुलाकात की। इस दौरान ब्राजीली राष्ट्रपति लूला डि-सिल्वा को उन्होंने गले लगा लिया। इसके बाद सत्र को संबोधित किया।

धनबाद विधायक राज सिन्हा को किया गया सम्मानित

संवाददाता

रांची : विधानसभा रजत जयंती कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण में धनबाद से भाजपा के विधायक राज सिन्हा रहे, जिन्हें वर्ष 2025 का 'उत्कृष्ट विधायक पुरस्कार' प्रदान किया गया। राज्यपाल संतोष गंगवार, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और विधानसभा अध्यक्ष रबींद्रनाथ महतो ने उन्हें एक प्रशस्ति पत्र, एक शॉल और एक स्मृति चिह्न भेट कर सम्मानित किया। इसके अलावा छह विधानसभा के कर्मचारियों संतोष कुमार, नीलम कुजूर, राकेश कुमार सिंह, मन्नू राम, रवींद्र पाल और मोहम्मद शाहिद हैदर को भी उत्कृष्ट विधानसभा कर्मी के रूप में सम्मानित किया गया।संस्कृति को आगे बढ़ाएंगे। राज्यपाल ने कहा कि जब जनप्रतिनिधि अपनी जिम्मेदारियों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करते हैं, तब जनता का विश्वास सुदृढ़ होता है और राज्य के विकास की गति भी तेज होती है। जनता ने जिन अपेक्षाओं और विश्वास के साथ अपने प्रतिनिधियों को चुना है, उसका सम्मान करते हुए शालीन व्यवहार, विकास कार्यों की निगरानी और जनसरोकार के साथ कार्य करने के लिए सक्रिय रहना चाहिए।

राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन की कार्यशाला में बोलीं मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की

बेहतर काम करने वाले क्लस्टर को मिलेगा एक लाख रुपये का इनाम

एजेंसी

रांची : झारखंड में प्राकृतिक खेती को एक आंदोलन के रूप में अपनाने की जरूरत है, ताकि रासायनिक खादों पर निर्भरता कम हो और लोगों को जहरीले भोजन से बचाया जा सके। राज्य की कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने शनिवार के ये बातें कही। वे रांची स्थित पशुपालन निदेशालय सभागार में आयोजित राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन की कार्यशाला में बोल रही थीं। कार्यशाला में राज्य के 12 जिलों के 88 क्लस्टर से आए किसान व कृषि

सखियों ने अपने अनुभव साझा किए। इस अवसर पर कृषि मंत्री ने बताया कि झारखंड में 4,000 हेक्टेयर भूमि पर प्राकृतिक खेती का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिसे आगे और बढ़ाया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह खेती कम लागत में अधिक उत्पादन और मुनाफा देती है तथा मिट्टी की उर्वरता को सुरक्षित रखती है। मंत्री ने किसानों को जैविक और प्राकृतिक खेती के अंतर को समझते हुए आगे बढ़ने की सलाह भी दी। कृषि मंत्री ने अधिकारियों को प्राकृतिक खेती की नियमित निगरानी और वार्षिक रिपोर्ट तैयार करने का निर्देश भी दिया।

ईडी रेड में मेरे घर से कोई जब्ती नहीं : एलबी सिंह

दूसरे दिन भी ईडी ने कोयला कारोबारी पर कसा शिकंजा

एजेंसी

शनिवार को लाल बाबू सिंह (एलबी सिंह) गरीबों में साड़ी बांटने निकले। इस दौरान उन्होंने ईडी रेड से जुड़े सवालों का जवाब देते हुए कहा कि वर्ष 2017 में कोल स्टॉक से जुड़े मामले में ईडी उनसे पूछताछ करने पहुंची थी। उन्होंने बताया कि हमारे द्वारा कोई भी गड़बड़ी नही की गई है। वर्ष 2017 में कोल स्टॉक से जुड़े मामले में ईडी उनसे पूछताछ करने पहुंची थी, जिसमे हमारे द्वारा पूरा सहयोग किया गया। उन्होंने कहा कि जो भी चीजें ईडी की ओर से उनके घर से जब्त किया गया

है उसका पंचनामा उन्हें दिया गया है। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर कुछ अफवाहें चलाई जा रही है, लेकिन मैं स्पष्ट कर दूं कि ईडी की ओर से मेरे घर से कोई भी चीज जब्त नहीं की गई है। इससे पहले भी एलबी सिंह के घर पर सीबीआई की रेड पड़ चुकी है, इस सवाल के जवाब में उन्होंने कहा- 'उस वक्त हमारा बचपना था, हो गया, लेकिन उस मामले में हमे क्लीनचिट मिल चुकी है, अब हमारे ऊपर कोई भी जांच बाकी नही है।'

स्थापना दिवस | राज्यपाल ने झारखंड को आत्मनिर्भर बनाने का किया आह्वान

अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे योजना का लाभ

संवाददाता

राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने अपने संबोधन में कहा कि लोकतंत्र में जनता की ओर से चुने गए विधायक न केवल राज्य में कानून-निर्माण प्रक्रिया के महत्वपूर्ण अंग होते हैं, बल्कि वेजनता और सरकार के बीच एक सशक्त सेतु की भूमिका भी निभाते हैं। यह पावन स्थल राज्य के विकास की दिशा निर्धारित करता है, जनता की आकांक्षाओं को स्वर देता है और लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति को प्रकट करता है। उन्होंने कहा कि विधानसभा का सत्र केवल बहस का मंच नहीं होता, यह नीति-निर्धारण का मुख्य केंद्र है तथा जनता की अपेक्षाओं, विश्वास और आशाओं का सजीव प्रतिबिंब भी है। राज्यपाल ने कहा कि विधायक और जन-प्रतिनिधि का सबसे बड़ा दायित्व जनता के विश्वास को बनाए रखना है। जनता की ओर

से दिया गया अधिकार सेवा का अवसर है, सत्ता का साधन नहीं। विधायकों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि सरकारी योजनाओं का लाभ राज्य के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। विधानसभा की गरिमा बनाए रखना, स्वस्थ और सार्थक बहस करना तथा संविधान की मयार्दाओं का पालन करना प्रत्येक जनप्रतिनिधि का पवित्र कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र स्वस्थ चर्चा से मजबूत होता है, टकराव से नहीं। सत्ता पक्ष और विपक्ष, दोनों का उद्देश्य जन-कल्याण और राज्य का विकास होना चाहिए। अपेक्षा है कि विधायक स्वस्थ, तथ्यपूर्ण, शालीन और रचनात्मक संवाद की संस्कृति को आगे बढ़ाएंगे। राज्यपाल ने कहा कि जब जनप्रतिनिधि अपनी जिम्मेदारियों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करते हैं, तब जनता का विश्वास सुदृढ़ होता है और राज्य के विकास की गति भी तेज होती है। जनता ने जिन अपेक्षाओं और विश्वास के साथ अपने प्रतिनिधियों को चुना है, उसका सम्मान करते हुए शालीन व्यवहार, विकास कार्यों की निगरानी और जनसरोकार के साथ कार्य करने के लिए सक्रिय रहना चाहिए। ऐसा होने पर विधानसभा एक आदर्श लोकतांत्रिक संस्थान के रूप में निरंतर सशक्त होती राज्यपाल ने कहा कि आज राज्य में शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, कृषि, उद्योग, आधारभूत संरचना और सामाजिक कल्याण जैसे क्षेत्रों में अनेक चुनौतियां एवं अवसर भी मौजूद हैं। इन सभी क्षेत्रों में प्रगति सुनिश्चित करने में झारखंड विधानसभा की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण और निर्णायक है। आने वाले समय में विधानसभा और अधिक पारदर्शी, संवादपरक और जनता की आकांक्षाओं को पूर्ण करने में प्रभावी भूमिका निभाएगी। उन्होंने सभी से झारखंड को राजनीतिक रूप से सशक्त, आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर और सामाजिक रूप से समरस बनाने की दिशा में एकजुट होकर कार्य करने का आह्वान भी किया। विधानसभा लोकतंत्र का केंद्र बिंदू है।

ट्रांसजेंडर समुदाय के लिए शुरू होगी विशेष ओपीडी सेवा : मंत्री

संवाददाता

रांची : राज्य में पहली बार ट्रांसजेंडर समुदाय के लिए विशेष ओपीडी सेवा शुरू की जाएगी। स्वास्थ्य विभाग की ओर से बकायदा सभी मेडिकल कॉलेज अस्पतालों के प्राचार्यों और अस्पताल प्रबंधकों को ओपीडी सहित सेवा शुरू करने का आदेश स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने शनिवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए दिया है। विज्ञप्ति में मंत्री ने कहा कि राज्य के सभी सरकारी मेडिकल कॉलेज, जिला अस्पताल और स्वास्थ्य संस्थानों में ट्रांसजेंडर्स के लिए विशेष ओपीडी सेवाएं शुरू की जाएंगी, जहां उन्हें बिना किसी भेदभाव के जांच, परामर्श और इलाज मिल सकेगा। इसके साथ ही स्वास्थ्य विभाग सम्मान स्वास्थ्य सेवा व्यवस्था लागू की जा रही है। इसके तहत ट्रांसजेंडर्स के लिए मनोवैज्ञानिक सहायता भी उपलब्ध

मंत्री ने कहा कि सरकार ने निर्देश जारी किया है कि यह व्यवस्था जल्द प्रभाव से लागू हो। डॉ अंसारी ने कहा, हर व्यक्ति सम्मान का हकदार है। ट्रांसजेंडर समुदाय को मुख्यधारा में समान स्थान मिले, यह सरकार का दायित्व है। इसी सोच के तहत ट्रांसजेंडर समुदाय के हित में फैसला लिया गया है।

कराई जाएगी। मंत्री ने कहा कि सभी अस्पतालों के डॉक्टर, नर्स और स्टाफ को ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के प्रति संवेदनशीलता और पेशेवर व्यवहार के लिए विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। ताकि उनकी गरिमा और अधिकार सुरक्षित रहे। मंत्री ने कहा कि सरकार ने निर्देश जारी किया है कि यह व्यवस्था जल्द प्रभाव से लागू हो। डॉ अंसारी ने कहा, हर व्यक्ति सम्मान का हकदार है। ट्रांसजेंडर समुदाय को मुख्यधारा में समान स्थान मिले, यह सरकार का दायित्व है।

मंत्री ने कहा कि सरकार ने निर्देश जारी किया है कि यह व्यवस्था जल्द प्रभाव से लागू हो। डॉ अंसारी ने कहा, हर व्यक्ति सम्मान का हकदार है। ट्रांसजेंडर समुदाय को मुख्यधारा में समान स्थान मिले, यह सरकार का दायित्व है। इसी सोच के तहत ट्रांसजेंडर समुदाय के हित में फैसला लिया गया है।

विधायक सुनिश्चित करें कि योजना का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे : राज्यपाल

विधायकों का दायित्व है कि जनता का विश्वास बनाए रखे, सत्ता साधन नहीं है

लोकतंत्र स्वस्थ चर्चा से मजबूत होता है, टकराव से नहीं

रांची, संवाददाता ।

विधानसभा के 25वें स्थापना दिवस समारोह में राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने कहा कि विधायकों को यह सुनिश्चित करना होगा कि योजना का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे. विधायकों का दायित्व है कि जनता का विश्वास बनाए रखे. सत्ता साधन नहीं है. लोकतंत्र स्वस्थ चर्चा से मजबूत होता है, टकराव से नहीं. बरेली से आठ बार मैं भी सांसद रहा. मुझे किसने वोट दिया, किसने नहीं यह सब नहीं देखा. मैं सबका बनकर रहा. विधानसभा में रचनात्मक संवाद हो. जनता ने जिन अपेक्षाओं के साथ चुना है, उसपर खरे उतरें. जनसरोकार के साथ काम करना ही विधायक की पहचान है.

जनप्रतिनिधि के कार्यों का आकलन रोज के हिसाब से होता है

राज्यपाल ने कहा कि जनप्रतिनिधि के कार्यों का आकलन रोज के हिसाब से होता है. शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, उद्योग, सहित सामाजिक क्षेत्रों में चुनौतियां भी हैं और अवसर भी. विधानसभा को और अधिक पारदर्शी होना होगा. उम्मीद है कि विधानसभा प्रभावी भूमिका निभाएगी. विधानसभा का सत्र बहस का मंच नहीं है. नीति निर्धारण का केंद्र भी है. पहले विधानसभा एचइसी के भवन में था. आज विधानसभा का अपना भवन है. पीएम मोदी ने इसका उद्घाटन किया था.

पूर्व पीएम अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में झारखंड का निर्माण हुआ

राज्यपाल ने कहा कि पूर्व पीएम अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में झारखंड का निर्माण हुआ. उस समय जन आकांक्षाओं को ध्यान में रखकर झारखंड राज्य के निर्माण का निर्णय लिया गया. मैं भी उस समय लोकसभा का सदस्य था. राज्य गठन के पक्ष में मतदान किया. आज भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है. वैशाली को पहला गणतांत्रिक राज्य माना जाता है. विधानसभा लोकतंत्र का केंद्र बिंदु है. जनता और सरकार के बीच सशक्त सेतू की भूमिका निभाता है.

विधानसभा से पारित विधेयक को लटका कर रखना संसदीय प्रथा के प्रतिकूल है : राधाकृष्ण

रांची, संवाददाता ।

विधानसभा के 25वें स्थापना दिवस समारोह में संसदीय कार्यमंत्री राधाकृष्ण किशोर ने कहा कि विधानसभा से पारित विधेयक को राजभवन लटका कर रखता है या विलंब करता है तो यह संसदीय प्रथा के प्रतिकूल है. फिर कहा कि विधेयक विधानसभा से पारित होकर राज्यपाल या राष्ट्रपति के पास पहुंचते हैं, तो उन पर समयबद्ध निर्णय आवश्यक है, क्योंकि अनावश्यक विलंब संसदीय परंपरा के अनुरूप नहीं है. राज्यपाल के आदेश से ही सत्र आहुत होता है. राज्यपाल के आदेश से ही धन विधेयक और विधानसभा का गठन होता है. झारखंड की विधायिका दूसरे राज्यों से अलग है. 12 महीने झारखंड विधानसभा की विधायी प्रक्रिया चलती रहती है.

बजट सत्र में 1000 सवाल आए, जवाब मिला सिर्फ 125 का

संसदीय कार्य मंत्री ने कहा कि बजट सत्र के दौरान लगभग 1000 सवाल आए, लेकिन जवाब सिर्फ 125 प्रश्नों का ही मिला. अगर सत्र शांतिपूर्ण ढंग से चला होता तो राज्य की जनता को बेहतर परिणाम दे सकते थे. 50 से 60 दिनों का सत्र होना चाहिए, लेकिन 34 दिन से अधिक का सत्र नहीं होता है. समय का सदुपयोग होना चाहिए. विधायी संस्था कमजोर होगी तो लोकतंत्र कमजोर होगा. राधाकृष्ण किशोर ने कहा कि 25 वर्ष बाद यह आत्ममंथन का समय है कि झारखंड की संसदीय प्रणाली कितनी मजबूत हुई है. विधायिका की मजबूती के पीछे कार्यपालिका का दायित्व भी अहम है. यदि पॉलिटिकल गवर्नेंस में ब्यूरोक्रेसी का सहयोग न हो तो संसदीय प्रणाली कमजोर होती है. स्पीकर में भी ललक है कि वे विधानसभा से सार्थक परिणाम निकालना चाहते हैं. वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने उत्कृष्ट विधायक के चयन पर कहा कि 81 विधायकों में कई नाम दावेदार थे, लेकिन चयनकताओं ने राज सिन्हा को उपयुक्त पाया. उन्होंने बताया कि 2014 और 2019 के कार्यकाल में राज सिन्हा की कार्यशैली और जिज्ञासा ने उन्हें प्रभावित किया था.

प्रदेश में जिस तरह की स्वास्थ्य व्यवस्था होनी चाहिए वह दिखती नहीं : बाबूलाल

नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि प्रदेश में जिस तरह की स्वास्थ्य व्यवस्था होनी चाहिए, वह दिखती नहीं है. इस पर पूरी ताकत लगाने की जरूरत है. कानून व्यवस्था ठीक होनी चाहिए. अगर ठीक नहीं होगी तो लोग भयभीत रहेंगे. पूंजी निवेश नहीं होगा. कानून व्यवस्था के लिए जीरो टॉलरेंस पर काम करना होगा. झारखंड में जो क्षमता है यह अगले 25 साल के पहले ही विकसित राज्यों की कतार में आ जाएगा. बुनियादी चीजों की सरकार जनता का भी सहयोग ले. उन्होंने कहा कि बच्चों के क्वालिटी एजुकेशन पर चिंता करना चाहिए. गरीब से गरीब को शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिलना चाहिए. तभी झारखंड की नींव मजबूत होगी.

यह सम्मान धनबाद की जनता को समर्पित: राज सिन्हा

उत्कृष्ट विधायक के रूप में सम्मानित किए गए राज सिन्हा ने कहा कि यह सम्मान धनबाद की जनता को समर्पित है. उन्होंने कहा कि सदन में रहे पीएन सिंह को उत्कृष्ट विधायक का दर्जा मिलने के बाद उनके मन में भी यह तमन्ना जागी थी कि वे एक दिन उत्कृष्ट विधायक के रूप में चुने जाएं. उन्होंने कहा कि जनता का निरंतर प्रेम और विश्वास बढ़ता दायित्व भी लेकर आता है. राज सिन्हा ने कहा कि वे जनसम्मान की मयार्दा को कभी कलंकित नहीं होने देंगे. मुझे उत्कृष्ट सेवक बनने की अभिलाषा है. मेरे अंदर जो खामियां रही होंगी उसे नजर अंदाज किया गया होगा. थोड़ी बहुत जो अच्छाई लगी होगी, उसे प्राथमिकता दी गई होगी. उन्होंने कहा कि खुद 12 बजे रात में गाड़ी चलाकर अपने क्षेत्र में घूमता हूं. जब लाखों हाथ हमारी सुरक्षा में है तो सुरक्षा की क्या जरूरत है.

पारस हॉस्पिटल एचईसी में नवजात शिशु में दुर्लभ बीमारी का सफल इलाज

रांची, संवाददाता ।

पारस हॉस्पिटल एचईसी में एक नवजात शिशु को बचाने में डॉक्टरों की टीम ने सफलता हासिल की है। यह बच्चा बहुत कम कैल्शियम के कारण गंभीर स्थिति में अस्पताल लाया गया था। सामान्य इलाज से सुधार नहीं हो रहा था और शिशु को शॉक आने लगा। ऐसे में उसे वेंटिलेटर और जीवनरक्षक दवाओं की जरूरत पड़ी। इस पूरे उपचार में पारस हॉस्पिटल एचईसी के नियोनेटोलॉजिस्ट डॉ. निशांत पाठक और उनकी टीम ने तुरंत और सटीक निर्णय लेते हुए बच्चा का सही इलाज किया। जांच में पता चला कि बच्चे में कैल्शियम की कमी सामान्य कारणों से नहीं, बल्कि एक दुर्लभ बीमारी प्सूडोहाइपोपराथायरॉयडिज्म के कारण हो रही थी। इस बीमारी में शरीर एक खास हार्मोन (पीटीएच) को पहचान नहीं पाता, जिससे कैल्शियम का संतुलन बिगड़ जाता है। बच्चे को कैल्सिट्रिऑल नामक विशेष दवा और संतुलित कैल्शियम उपचार दिया गया, जिसके बाद उसकी हालत बेहतर होने लगी और अब बच्चा सुरक्षित रूप से घर भेज दिया गया है। डॉ निशांत पाठक ने कहा कि अगर किसी नवजात में बार-बार या लगातार कैल्शियम की कमी हो और सामान्य इलाज के बाद भी सुधार नहीं हो, तो डॉक्टरों को इस खास बीमारी की जांच जरूर करनी चाहिए। पारस हॉस्पिटल एचईसी के फैसिलिटी डायरेक्टर डॉ नीतेश कुमार ने कहा कि पारस हॉस्पिटल में उच्च स्तरीय नवजात चिकित्सा सुविधाओं, आधुनिक तकनीक और अनुभवी डॉक्टरों की टीम के साथ, गंभीर स्थिति वाले नवजातों का सफल इलाज लगातार हो रहा है।

जेल में इलीगल वर्क पर नजर, डीवीआर चेक को बनाया जा रहा हथियार

रांची, संवाददाता ।

झारखंड के कई जेलें कैदियों को मिल रहे वीआईपी ट्रीटमेंट के साथ-साथ मोबाइल सहित अन्य संसाधनों को लेकर अक्सर चर्चित रहते हैं. रांची जेल के एक वायरल वीडियो ने तो हाल में ही भूचाल ला दिया था. इस मामले में जेल प्रशासन की जबरदस्त फजीहत हुई थी. ऐसे में अब जेल प्रशासन के द्वारा जेल की निगरानी के लिए एक अलग रणनीति बनाई गई है. जिसमें डीवीआर चेक से लेकर कैदियों पर गुप्त नजर रखने की योजना पर काम हो रहा है.

वीडियो हुआ था वायरल

पिछले सप्ताह रांची स्थित बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार के अंदर दो कैदियों के डांस का वीडियो वायरल हुआ था. तहकीकात में वीडियो ऑरिजिनल निकला, जिसके बाद जेल प्रशासन की बड़ी फजीहत हुई. वीडियो में शराब घोटाले के आरोपी विधु गुप्ता और जीएसटी घोटाले के आरोपी विक्की भालोठिया जेल में

ही एक गाने पर जमकर नाचते दिखाई दिए. वीडियो में केवल नाच गाने का ही दृश्य नहीं था बल्कि आसपास शराब की बोतलें भी देखी गई. मामला संज्ञान में आने के बाद जेल आईजी ने कार्रवाई करते हुए जेलर देवनाथ राम और हेड कांस्टेबल विनोद कुमार को लापरवाही का दोषी मानते हुए निलंबित कर दिया. लेकिन इस घटना ने झारखंड हाई कोर्ट का ध्यान भी जेल की खराब व्यवस्था की तरफ ला दिया. नतीजा जेल प्रशासन के द्वारा रांची सहित तमाम जेलों की मॉनिटरिंग सिस्टम को मजबूत करने की शुरूआत कर दी गई है.

सीसीटीवी का डीवीआर हर दूसरे दिन होगा चेक

रांची जेल में चल रही अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए जेल आईजी ने कई नए प्रयास शुरू कर दिए हैं, जिस पर अमल भी हो रहा है. झारखंड के जेल आईजी सुदर्शन मंडल ने बताया कि पूर्व की घटनाओं की पुनरावृत्ति ना हो इसके लिए सीसीटीवी कवरेज को पूरे जेल में बढ़ाया जा रहा है. जेल के दो सीनियर अधिकारियों को हर दूसरे दिन उऊळश कैमरे की जांच करने का निर्देश दिया गया है. निर्देश दिया गया है कि बकायदा इसके लिए एक रजिस्टर बनाएं और अगर उन्हें सीसीटीवी फुटेज देखने के दौरान कोई भी संदिग्ध गतिविधि नजर आती है तो तुरंत कैदी हो या फिर कर्मचारी उसके खिलाफ रिपोर्ट करें. मामले पर जेल आईजी ने कहा कि अगर डीवीआर की मॉनिटरिंग हो रही होती तो ना वीडियो बनता और ना ही सामने आ पाता और ना ही इस तरह की शिकायत आती.

डीवीआर क्यों है महत्वपूर्ण?

दरअसल, रांची जेल शुरू से कैदियों के वीआईपी सुविधा के लिए बदनाम रहा है. हाई प्रोफाइल कैदियों के जेल में आने की वजह से ऐसी सुविधा और बढ़ जाती हैं. लेकिन चुंकी पूरा जेल परिसर सीसीटीवी कैमरों की जद में है, ऐसे में बिना जेल कर्मियों की मिलीभगत के कोई भी गैर कानूनी गतिविधियों में भाग नहीं ले सकता. सीसीटीवी फुटेज को सुरक्षित रखने में डीवीआर अति महत्वपूर्ण है. यही वजह है कि रांची जेल आईजी के द्वारा दो वरीय अधिकारियों को हर दूसरे दिन पूरे डीवीआर की मॉनिटरिंग करने का निर्देश जारी किया गया है.

रांची की सड़कों पर टोटो से हर दिन बढ़ रहा जाम, उठ रहे व्यवस्था पर सवाल

रांची, संवाददाता ।

रांची की सड़कों पर बेलगाम दौड़ रहे टोटो (ई-रिक्शा) अब शहर की यातायात व्यवस्था के लिए बड़ी समस्या बन गए हैं. मुख्य चौक-चौराहों पर इनकी भरमार से रोज जाम लगता है. दोपहिया, चारपहिया वाहन चालकों से लेकर पैदल यात्रियों तक सबको परेशानी उठानी पड़ रही है.कई टोटो चालक अचानक वाहन मोड़ देते हैं या बीच सड़क रोक देते हैं, जिससे आए दिन जाम और दुर्घटना की नौबत बनती है. बावजूद इसके ट्रैफिक पुलिस की कार्रवाई बेहद कम दिखती है. कुछ साल पहले नगर निगम ने 1800 टोटो को रूट पास जारी किए थे, लेकिन प्रशासनिक बदलाव के बाद यह व्यवस्था बंद हो गई. इसके बाद बिना रूट पास, बिना लाइसेंस और बिना दस्तावेज वाले टोटो धड़ल्ले से सड़क पर उतर आए. कई जगह नाबालिग टोटो चलाते भी देखे जाते हैं. कांटाटोली, डंगराटोली, किशोरी यादव चौक, कोकर, रिम्स रोड– लगभग हर मुख्य मार्ग पर टोटो का दबदबा है. फ्लाइओवर बनने के बाद कांटाटोली क्षेत्र में ऑटो और टोटो की संख्या और तेजी से बढ़ी है. नतीजा–ट्रैफिक पुलिस की मौजूदगी के बावजूद एंबुलेंस तक जाम में फंस जाती है.

रांची की सिटी बस सेवा बदहाल, रंग बदला, लेकिन अंदर की हालत अब भी जर्जर

रांची, संवाददाता ।

रांची की सिटी बस सेवा लगातार अव्यवस्था की ओर बढ़ रही है. 2011 में शुरू हुई इस सेवा को 14 साल हो गए हैं. ऐसे में बीतें सालों में बसों का सिर्फ रंग ही बदला जाता है,अभी इसे ब्लू किया गया है, लेकिन बसों की वास्तविक स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ. अधिकांश बसें बदहाल हैं, सीटें टूटी हुई हैं, कई बसों से काला धुआं निकलता है और ओवरलोडिंग आम बात बन गई है. शहर में कुल 96 सिटी बसें रजिस्टर्ड हैं, लेकिन वर्तमान में केवल 26 बसें सड़क पर चल रही हैं. इनमें से भी कई बसें अनफिट स्थिति में हैं. शुरूआत में 70 बसें खरीदी गई थीं और 2017 में 26 और बसें जोड़ी गईं, लेकिन अब सक्रिय बसों की संख्या घटकर आधी से भी कम रह गई है.

बसों की कमी के कारण ओवरलोडिंग बढ़ गई है, यात्री बस के गेट पर लटककर सफर करने को मजबूर हैं, जो गंभीर हादसों की आशंका बढ़ाता है. बस स्टाफ का कहना है कि एक बस रोजाना करीब 3200 रुपये की कमाई करती है, जिससे ऑपरेटरों को अच्छा लाभ मिलता है, लेकिन नियमित मेंटेनेंस पर ध्यान नहीं दिया जाता. उनका कहना है कि बसों को केवल सड़क पर दौड़ाना ही पर्याप्त नहीं है सुरक्षा और रखरखाव पर भी ध्यान देना जरूरी है. इधर लोगों का कहना है की रांची जैसे बढ़ते शहर में पब्लिक ट्रांसपोर्ट व्यवस्था कमजोर पड़ने से आने वाले वर्षों में ट्रैफिक सिस्टम पर इसका गंभीर प्रभाव पड़ सकता है. यदि बसों की संख्या और स्थिति में सुधार नहीं किया गया तो आने वाले समय में शहर में ट्रैफिक जाम 40-50% तक बढ़ सकता है और यात्रा समय लगभग दोगुना हो सकता है. इससे ये साफ पता चलता है कि बसों की कमी का सीधा असर आम जनता पर पड़ रहा है. लोगों को मजबूरन महंगे ऑटो और टोटो जैसे विकल्पों पर निर्भर होना पड़ रहा है. लगातार बिगड़ती व्यवस्था से शहर की यातायात व्यवस्था और यात्रियों की सुरक्षा दोनों पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं.

जेएसएससी पेपर लीक का मास्टर माइंड विनय शाह कोर्ट में पेश, सीआईडी को दे रहा था चकमा

रांची, संवाददाता ।

झारखंड कर्मचारी चयन आयोग पेपर लीक मामले में केंद्रीय जांच एजेंसी को बड़ी सफलता मिली है. इस मामले के मुख्य आरोपी और मास्टरमाइंड विनय शाह को उत्तर प्रदेश से गिरफ्तार कर रांची लाया गया है. आरोपी को आज सीआईडी की विशेष अदालत (स्पेशल कोर्ट) में पेश किया गया. जिसके बाद उसे कोर्ट ने न्यायिक हिरासत में भेज दिया है. विनय शाह रेलवे में सेक्शन इंजीनियर के पद पर कार्यरत है. वह मूल रूप से झारखंड की राजधानी रांची का निवासी है. गिरफ्तारी से बचने के लिए वह उत्तर प्रदेश के शाहपुर की हनुमंत नगर कॉलोनी में अपनी पहचान छिपाकर रह रहा था.

जांच में खुलासा हुआ है कि वह सुरक्षा एजेंसियों को चकमा देने के लिए नेपाली सिम कार्ड का इस्तेमाल कर रहा था. जांच में यह बात सामने आई है कि विनय शाह ने रांची के जेड स्क्वायर होटल में अपने कुछ सहयोगियों के साथ मिलकर पूरे पेपर लीक की योजना को अंतिम रूप दिया था. विनय शाह ने अपने साझेदारों मनोज कुमार, शशिभूषण दीक्षित और संदीप त्रिपाठी के साथ मिलकर पेपर लीक की पूरी साजिश रची थी. इस मामले में पहले ही आईआरबी के लगभग एक दर्जन जवानों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है. विनय शाह की गिरफ्तारी इस बड़े आपराधिक नेटवर्क की जड़ों तक पहुंचने में एक महत्वपूर्ण कदम है.

डीएसपीएमयू में फीस वृद्धि के खिलाफ तीसरे दिन भी आंदोलन जारी, छात्रों ने किया तालाबंदी-प्रदर्शन

रांची, संवाददाता ।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय में फीस वृद्धि के विरोध में तीसरे दिन भी आंदोलन जारी है. अंडर ग्रेजुएट और पोस्ट ग्रेजुएट के छात्र शनिवार सुबह 8 बजे से विश्वविद्यालय परिसर में तालाबंदी कर धरना-प्रदर्शन कर रहे हैं. आंदोलन के कारण पूरे कैंपस में पढ़ाई ठप है और छात्र प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी कर रहे हैं. छात्रों का आरोप है कि वे कई महीनों से बढ़ी हुई फीस में कटौती और विभाग में बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग कर रहे हैं. लेकिन विश्वविद्यालय प्रशासन उनकी समस्याओं को गंभीरता से नहीं ले रहा. वे बताते हैं कि 21 नवंबर को कुलसचिव और डीएसडब्ल्यू ने छात्रों से वार्ताकर तालाबंदी खत्म करने का प्रयास किया. लेकिन छात्रों ने केवल आश्वासनों के आधार पर आंदोलन वापस लेने से साफ इनकार कर दिया. कुलसचिव के अनुसार, फीस वृद्धि की जांच के लिए एक कमेटी गठित की गई है और उसकी रिपोर्ट आने के बाद निर्णय लिया जाएगा. हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि समिति की रिपोर्ट पर कार्रवाई तभी संभव है, जब छात्र तालाबंदी समाप्त करें. लेकिन छात्र अपनी मांगों पर अड़े हुए हैं.

उनका कहना है कि जब तक फीस में कटौती नहीं की जाती या ठोस कदम नहीं उठाए जाते, तब तक तालाबंदी जारी रहेगी. छात्रों ने यह भी मांग रखी है कि कुलपति स्वयं परिसर आकर उनसे बातचीत करें और फीस में कमी से जुड़ा निर्णय लें, तभी आंदोलन पर पुनर्विचार किया जाएगा. उधर, छात्रों का आरोप है कि कुलपति तीसरे दिन भी उनसे मिलने नहीं पहुंचे. उनका कहना है कि बीती शाम कुलपति कैंपस आए थे, लेकिन छात्रों से बिना संवाद किए ही लौट गए, जिससे छात्रों में और नाराजगी बढ़ गई है. फिलहाल, विश्वविद्यालय में स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है और छात्रों ने साफ कहा है कि उनकी मांगें पूरी होने तक आंदोलन जारी रहेगा.

कोयला तस्करी के सिंडिकेट पर कसता शिकंजा, झारखंड के कई ठिकानों पर कार्रवाई!

रांची, संवाददाता ।

शुक्रवार को झारखंड में कोयला तस्करों के बीच हड़कंप मच गया. जब जांच एजेंसी ईडी ने झारखंड और बंगाल में चल रहे कोयला तस्करी के सिंडिकेट पर बड़ी कार्रवाई की. ईडी की रांची और कोलकाता जोनल ऑफिस के द्वारा की गई संयुक्त कार्रवाई के तहत झारखंड में 18 और पश्चिम बंगाल में 24 ठिकानों पर कार्रवाई की गई. इस टीम ने धनबाद में बड़े कोयला कारोबारी, बीसीसीएल के आटसोर्सिंग के संचालक और उनके भाई, साथ में एक अन्य कारोबारी और दुमका में एक शख्स के यहां कार्रवाई हुई. जिसमें झारखंड और बंगाल से करोड़ों रुपये नकद के साथ-साथ कई डिजिटल एविडेन्स और करोड़ों के गहने बरामद किए गए हैं.

चार ईसीआईआर दर्ज कर शुरू हुई कार्रवाई

जांच एजेंसी ने कोयला और बालू तस्करी के अलग-अलग मामले में दर्ज पूर्व के कांडों को जोड़कर चार ईसीआईआर दर्ज किए गए हैं. इन चार ईसीआईआर में अलग-अलग आरोपी हैं. ईडी से मिली जानकारी के अनुसार कार्रवाई के दौरान एक व्यक्ति के घर से 80 लाख और दूसरे व्यक्ति के घर से 80 लाख से अधिक नकदी मिली है. रांची की जांच टीम ने कुल 2.20 करोड़ नकदी बरामद की है. सभी कोयला कारोबारियों के अकाउंटेंट व कर्मियों के घरों में भी छानबीन की जा रही है. झारखंड के अलावा बंगाल के दुगार्पुर, हावड़ा, कोलकाता और पुरुलिया में भी अलग-अलग कारोबारियों के घरों और दफ्तरों में जांच की जा रही है. झारखंड के चिरकुंडा थाना क्षेत्र में एक कोयला कारोबारी के घर से 21.5 लाख रुपये जब्त किए गए हैं. उसके घर से जमीन के 14 डीड भी मिले हैं. जांच टीम ने निरसा में कोयला कारोबारी रमेश गोप के घर भी कार्रवाई की. हालांकि घर पर रमेश गोप नहीं मिला.

पुलिस व सरकारी अफसरों के साथ चैट

इस कार्रवाई के दौरान जांच एजेंसी को झारखंड राज्य पुलिस के अफसरों और सरकारी पदाधिकारियों के साथ कोयला तस्करी के लिंक मिले हैं. सूचना के मुताबिक कई डिजिटल साक्ष्य भी मिले हैं, जिससे बड़े पैमानें पर रोजाना हो रही कोयला तस्करी के साक्ष्य हैं, आने वाले दिनों में चैट से बड़ा खुलासा हो सकता है. जांच में यह बात भी सामने आयी है कि अमर मंडल के द्वारा जामताड़ा और दुमका में बालू सिंडिकेट के नाम पर वसूली की जाती थी, सिर्फ नाला इलाके से प्रतिदिन 200 ट्रकों से वसूली की बात सामने आयी है. अमर मंडल के करीबी प्रसेनजीत के यहां भी कार्रवाई हुई है.

एलबी सिंह के घर घुसने में करनी पड़ी मशक्कत

जांच टीम को सरायढेला राधा स्वामी मार्केट स्थित एलबी सिंह के घर में घुसने में काफी मशक्कत करनी पड़ी. मुख्य गेट पर ड्यूटी कर रहे सुरक्षा गार्ड ने जांच टीम को घर में प्रवेश करने से रोक दिया. जिसके बाद सरायढेला थाना से पुलिस बुलाई गयी. पुलिस के पहुंचने के बाद एलबी सिंह के घर व ऑफिस में पड़ताल शुरू हुई. जांच टीम ने आउटसोर्सिंग कंपनी देव प्रभा के निदेशक एलबी सिंह के सरायढेला राधा स्वामी मार्केट के पीछे देव विला स्थित घर और दफ्तर में तलाशी ली.

विधायक सुनिश्चित करें कि योजना का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे : राज्यपाल

भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र

संवाददाता । रांची

विधानसभा के 25वें स्थापना दिवस समारोह में राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने कहा कि विधायकों को यह सुनिश्चित करना होगा कि योजना का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। विधायकों का दायित्व है कि जनता का विश्वास बनाए रखे। सत्ता साधन नहीं है। लोकतंत्र स्वस्थ चर्चा से मजबूत होता है, टकराव से नहीं। बरेली से आठ बार मैं भी सांसद रहा। मुझे किसने वोट दिया, किसने नहीं यह सब नहीं देखा। मैं सबका बनकर रहा। विधानसभा में रचनात्मक संवाद हो। जनता ने जिन अपेक्षाओं के साथ चुना है, उसपर खरे उतरें। जनसरोकार के साथ काम करना ही विधायक की पहचान है। राज्यपाल ने कहा कि जनप्रतिनिधि के कार्यों का आकलन रोज के हिसाब से होता है। शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, उद्योग, सहित सामाजिक क्षेत्रों में चुनौतियां भी हैं और अवसर भी। विधानसभा को और अधिक पारदर्शी होना होगा। उम्मीद है कि विधानसभा प्रभावी भूमिका निभाएगी। विधानसभा का सत्र बहस का मंच नहीं है। नीति निर्धारण का केंद्र भी है। पहले विधानसभा एचईसी के भवन में था। आज विधानसभा का अपना भवन है। पीएम मोदी ने इसका उद्घाटन किया था ।समारोह को संबोधित करते हुए नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर गहरी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि झारखंड जैसे राज्य का विकास तभी संभव है, जब यहां की स्वास्थ्य व्यवस्था में व्यापक सुधार हो। नेता प्रतिपक्ष ने स्पष्ट कहा कि झारखंड का विकास तभी आगे बढ़ सकता है, जब लोगों को अच्छी स्वास्थ्य सुविधाएं और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराई जा सके। बाबूलाल मरांडी ने कहा कि हम तभी विकसित राज्य बन सकते हैं, जब स्वास्थ्य और शिक्षा के साथ-साथ कानून-व्यवस्था भी मजबूत हो। यह हम सबकी साझा जिम्मेदारी है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि कानून-व्यवस्था ठीक नहीं रही, तो लोग भय के साए में जीएंगे और कोई भी व्यापारी राज्य में पूंजी निवेश करने से हिचकिचाएगा। झारखंड स्थापना दिवस के ही दिन मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के उस बयान का जिक्र करते हुए, जिसमें उन्होंने वर्ष 2050 तक विकसित झारखंड का लक्ष्य रखा है, नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि यह लक्ष्य तभी हासिल होगा, जब राज्य में कानून-व्यवस्था को पूरी तरह दुरुस्त किया जाए। इसके लिए सरकार को जीरो टॉलरेंस नीति अपनानी होगी और किसी भी प्रकार का भेदभाव या पक्षपात बिल्कुल नहीं होना चाहिए। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि विकसित झारखंड बनाने के लिए बुनियादी सुविधाओं पर विशेष ध्यान देना होगा। सरकार के साथसाथ। जनता का सक्रिय सहयोग भी उतना ही आवश्यक है। यदि सरकार स्वास्थ्य, शिक्षा, पेयजल और सड़क जैसी मूलभूत सुविधाओं को समयबद्ध तरीके से पूरा कर ले, तो 2050 से बहुत पहले ही झारखंड विकसित राज्य बन सकता है। उन्होंने विश्वास जताया कि झारखंड में वह सारी क्षमता मौजूद है, जिससे इस लक्ष्य को आसानी से हासिल किया जा सकता है ।राज्यपाल ने कहा कि पूर्व पीएम अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में झारखंड का निर्माण हुआ। उस समय जन आकांक्षाओं को ध्यान में रखकर झारखंड राज्य के निर्माण का निर्णय लिया गया। मैं भी उस समय लोकसभा का सदस्य था। राज्य गठन के पक्ष में मतदान किया। आज भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। वैशाली को पहला गणतांत्रिक राज्य माना जाता है। विधानसभा लोकतंत्र का केंद्र बिंदू है। जनता और सरकार के बीचसशक्त सेतू की भूमिका निभाता है।

नगर निगम ने की पहल, नहीं कर सकेंगे गंदगी की शिकायत

राजधानी में सिक्का डालने के बाद ही खुलेगा पब्लिक टॉयलेट का दरवाजा

संवाददाता । रांची

राजधानी रांची में पब्लिक टॉयलेट में गंदगी की शिकायतों पर रांची नगर निगम गंभीर है। अब नगर निगम ने शहर को हाईजीनिक और आधुनिक सुविधाओं से लैस टॉयलेट की दिशा में एक नई पहल की है। इसके तहत पे-एंड-यूज स्मार्ट टॉयलेट मॉडल की शुरूआत की जाएगी। इसमें सिक्का डालते ही दरवाजा खुल जाएगा। इतना ही नहीं हर यूज के बाद ऑटो फ्लश सिस्टम टॉयलेट को साफ कर दोबारा इस्तेमाल के लायक बना देगा। पायलट प्रोजेक्ट के रूप में इसकी शुरूआत राजधानी में की जा रही है। इसके तहत एक स्मार्ट टॉयलेट का निर्माण कराया जाएगा। वहीं इसकी सफलता के बाद पूरे शहर में इस तरह के टॉयलेट बनाए जाएंगे। हालांकि ये तय नहीं है कि मशीन में कितने रुपये का सिक्का डालना होगा। नगर निगम के अधिकारियों का कहना है कि शहर में प्रतिदिन हजारों लोगों की आवाजाही होती है। ऐसे में साफ-सुथरे और सुविधाजनक पब्लिक टॉयलेट की जरूरत है। अक्सर देखा जाता है कि पब्लिक टॉयलेट की स्थिति खराब रहती है। उनमे पानी की कमी, टूटी फिटिंग, दुर्गंध और नियमित सफाई न होने जैसी समस्याएं हो जाती हैं। इन्हीं समस्याओं का समाधान करने के लिए निगम ने स्मार्टप्लान बनाया है ।निगम द्वारा लगाए जा रहे इस टॉयलेट में आधुनिक तकनीक का उपयोग किया गया है। बाहर लगी विशेष मशीन में सिक्का डालते ही दरवाजा अपने-आप अनलॉक हो जाएगा। यह सिस्टम टॉयलेट के यूज को नियंत्रित करता है, जिससे अनावश्यक भीड़ और गलत उपयोग रोका जा सके। इसके अंदर ऑटो फ्लश तकनीक लगाई गई है,

यह दिन एक विकसित और प्रगतिशील झारखंड के निर्माण का संकल्प दिलाता है: हिदायतुल्लाह खान

संवाददाता । रांची

रांची, झारखंड विधानसभा स्थापना दिवस के अवसर पर आज विभिन्न कार्यक्रम का आयोजन किया गया। राज्य के गठन और लोकतांत्रिक परंपराओं की निरंतरता को समर्पित यह दिवस हर वर्ष 22 नवंबर को पूरे उत्साह के साथ मनाया जाता है। झारखंड राज्य अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष हिदायतुल्लाह खान ने इस अवसर पर राज्यवासियों को हार्दिक शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि विधानसभा का यह स्थापना दिवस हमें लोकतंत्र के मूल्यों, सामाजिक न्याय और भाईचारे को मजबूत करने का अवसर देता है। उन्होंने कहा कि झारखंड की विविधता ही इसकी शक्ति है। अल्पसंख्यक समाज के अधिकारों और सम्मान की रक्षा हमारे लोकतांत्रिक ढाँचे की मूल भावना है, और आयोग इसी दिशा में लगातार कार्यरत है। उन्होंने आगे कहा कि राज्य के सर्वांगीण विकास में अल्पसंख्यक समुदायों की निर्णायक भूमिका है, और आगामी समय में आयोग उनकी शिक्षा, रोजगार और सामाजिक सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर और अधिक प्रभावी कदम उठाएगा। झारखंड विधानसभा स्थापना दिवस राज्य के नागरिकों को न केवल अपने इतिहास पर गर्व का भाव देता है, बल्कि एक विकसित, समावेशी और प्रगतिशील झारखंड के निर्माण का संकल्प भी दिलाता है ।झारखंड राज्य अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष हिदायतुल्लाह खान ने इस अवसर पर राज्यवासियों को हार्दिक शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि विधानसभा का यह स्थापना दिवस हमें लोकतंत्र के मूल्यों, सामाजिक न्याय और भाईचारे को मजबूत करने का अवसर देता है।

मुस्लिम समुदाय के न्याय अधिकार के मसले हल हो: बंधु तिर्की

संवाददाता । रांची

रांची। आज दिनांक 22 नवम्बर 2025 को झारखंड सरकार समन्वय समिति के सदस्य सह पूर्व शिक्षा मंत्री बंधु तिर्की की अध्यक्षता में उनके मोरहाबादी स्थित आवास पर वक्फ सम्पत्तियों को उम्मीद पोर्टल-2025 में अपलोड करने, एसआईआर, मदरसा आलिम- फाजिल डिग्री और मुस्लिम समुदाय के न्याय-अधिकार से जुड़े मुद्दों पर परिचर्चा का आयोजन किया गया जिसमें रांची शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के उलेमा, अधिवक्ता, दानिश्वर, सोशल वर्कर एवं अंजुमन और समाजिक संगठन के लोगों ने विभिन्न मुद्दों को रखा। संचालन कर रहे आमया संगठन के अध्यक्ष एस अली ने कहा कि बिहार पुनर्गठन अधिनियम 2000 के तहत प्राप्त अधिकारों को सरकार के अधिकारियों के द्वारा छीना जा रहा, जैक द्वारा 2003 से 2023 तक दी गई मदरसा आलिम-फाजिल डिग्री की मान्यता समाप्त करने का प्रयास किया जा रहा, उसके पूर्व उर्दू सहायक शिक्षक के रिक्त 3712 पदो पर बहाली के बजाए पद सरेंडर कर दिया गया, उर्दू स्कूलों का स्टेटस छीनकर सामान्य विद्यालय बना दिया गया, 10 जून 2022 गोलीकांड घटना पर पीड़ितों को न्याय नही मिला और ना ही मॉबलीचिंग रोकथाम कानून लागू हुई, उत्तर प्रदेश एवं
अन्य राज्यों में भैंस वंसीय पशुओं का स्लॉटर होता है लेकिन झारखंड में उसपर लगातार कार्रवाई हो रही है, वही अन्य वक्तओं ने कहा राज्य में स्थापित वक्फ सम्पत्ति जो वक्फ बाय यूजर के तहत आता है उसका मलाकिना हक के सरकार द्वारा निर्धारित करना है जिसपर कोई पहल नही हो रही है, एसआईआर में 2003 के मतदाता सूची में बहुत सारे परिजनों के नाम और टाइटिल में त्रुटि हैजिसमें सुधार की आवश्यकता है।

चान्हो में सेवा का अधिकार सप्ताह की व्यापक शुरूआत

संवाददाता । रांची

रांची। झारखंड राज्य स्थापना के रजत जयंती वर्ष और ह्लसेवा का अधिकार सप्ताहह्व (21झ28 नवंबर 2025) का दुसरे दिन रांची जिला के चान्हो में बेहद प्रभावशाली तरीके से दुसरे दिन तीनों पंचायत में हुआ। कार्यक्रम के दुसरे दिन प्रखण्ड के तीन अलग-अलग स्थानों पर विशाल जनसेवा शिविर लगाए गए, जिनमें सुबह से ही ग्रामीणों और पंचायत वासियों की भारी भीड़ देखने को मिली। ह्लआपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वारह्व पहल के तहत आयोजित इन शिविरों ने एक बार फिर यह संदेश दिया कि सरकारी सेवाएं अब जनता तक पहुंचाने का मॉडल सिर्फ कागज पर नहीं,जमीन पर भी उतनी ही मजबूती से लागू है। एक ही छत के नीचे 20 से अधिक सरकारी सेवाएं उपलब्ध : इन शिविरों में लोगों को एक ही जगह पर पेंशन, प्रमाणपत्र, राजस्व सेवाएं, खाद्य सुरक्षा, सामाजिक सुरक्षा, आवास, कल्याणकारी योजनाओं और परिसंपत्ति वितरण जैसी सुविधाएं दी गईं। कई मामलों में लाभुक वर्षों से लंबित कार्यों को लेकर आए थे, जिनका समाधान मौके पर ही किया गया। मुख्य सुविधाएं इस प्रकार रहीं-.. वृद्धावस्था, दिव्यांगता और विधवा पेंशन के नए एवं लंबित स्वीकृति पत्र.. सोना-सोबरन धोती-साड़ी-लुंगी योजना के तहत वस्त्र वितरण समेत विभिन्न परिसंपत्तियों का वितरण :..जाति, आय, आवासीय, आधार कार्ड जैसी पहचान संबंधी सेवाओं का त्वरित निष्पादन..दाखिल-खारिज, शुद्धि पत्र और अन्य राजस्व दस्तावेजों का ऑन-द-स्पॉट वितरण.. विभिन्न योजनाओं के आवेदन और जानकारी प्राप्त करने की सुविधा..सैकड़ों लाभुकों ने मौके पर ही लंबित प्रमाणपत्र प्राप्त कर राहत की सांस ली। तीन स्थानों पर शिविर, अधिकारियों की सक्रिय भागीदारी प्रखण्ड के पंचायत सचिवालय बलसोकरा ,सोंस पतरातु तीनों स्थानों पर बीडीओ, सीओ,

मुफ़्ती मोहम्मद किफायतुल्लाह देहलवी पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार सम्पन्न

विभाजन के खिलाफ जमीअत के अकाबिर का निर्णय बिल्कुल सही था, उनकी सलाह मानी जाती तो आज हालात बेहतर होते: मौलाना महमूद मदनी

- मुफ्ती किफायत जैसी हस्ती एक सदी में पैदा होती है : मौलाना मुफ़्ती अबुलकासिम नुमानी
- पचास से अधिक शोधपत्र पेश, देश-विदेश की कई महत्वपूर्ण हस्तियों की शिरकत

संवाददाती

नई दिल्ली, 22 नवम्बर 2025: मुफ्ती-ए-आजम हिंद मुफ़्ती मोहम्मद किफायतुल्लाह देहलवी? पर आधारित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार की अंतिम महत्वपूर्ण बैठक आज दिल्ली के कोंस्टीटूशनल क्लब के मौलानकर हॉल में आयोजित हुई। अंतिम दो सत्रों की अध्यक्षता क्रमशः जमीयत उलेमा-ए-हिंद के उपाध्यक्ष मौलाना मोहम्मद सलमान बिजनोरी और दारुल उलूम देवबंद के नायब मोहतमिम मौलाना मुफ़्ती मोहम्मद राशिद आजमी ने की। संचालन के दायित्व महासचिव जमीयत उलेमा-ए-हिंद मौलाना हकीमुद्दीन कासमी और मुफ़्ती मोहम्मद अफ़्फान मंसूरपुरी ने निभाए ।पिछली रात दारुल उलूम देवबंद के कुलपति मौलाना मुफ़्ती अबुलकासिम नुमानी ने अपने प्रभावी खिताब में मुफ़्ती-ए-आजम? की जीवन-यात्रा, उनके चरित्र, विनम्रता, सेवा, त्याग और देश-समाज के प्रति उनकी दूरगामी सेवाओं पर विस्तृत प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि मुफ़्ती साहब की ज़िंदगी पिछले सौ वर्षों के हिंदुस्तान और उसमें उलमा के निर्णायक किरदार की जीवंत झलक है। आज की बैठक में जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना महमूद मदनी ने कहा कि देश के विभाजन के खिलाफ हमारे अकाबिर पूर्णतः एकमत थे। उन्होंने कोई बात बिना प्रमाण के नहीं कही। आज कुछ युवा मौजूदा हालात देखकर यह समझ बैठे हैं कि शायद बड़ों का निर्णय सही नहीं था, लेकिन हम स्पष्ट रूप से मानते हैं कि उनका फैसला बिल्कुल दुरुस्त था। अफसोस यह है कि उनकी सलाह और प्रस्तावों पर पूरी तरह अमल नहीं किया गया। यदि उस समय सभी मुसलमान, उलमा और ज़िम्मेदार और पूरा देश एक मत हो जाते तो देश के हालात बिल्कुल अलग होते ।मरकजी जमीयत अहले हदीस हिंद के अमीर मौलाना असगर अली इमाम महदी सलफी ने कहा कि फिक़्ह, फतवा और तकवा–तीनों का बेहतरीन संगम उनकी शख्सियत में दिखाई देता है। जमीयत उलेमा नेपाल के अध्यक्ष मौलाना खालिद सिद्दीकी ने कहा कि मुफ़्ती साहब राजनीति और फि क़्ह दोनों क्षेत्रों में समान रूप से सक्रिय और प्रभावशाली थे ।जमीयत उलेमा-ए-हिंद की मजलिसे काएमा के अध्यक्ष मौलाना रहमतुल्लाह मीर कश्मीरी ने कहा कि मुफ़्ती किफायतुल्लाह?

ब्रीफ न्यूज

पारस हॉस्पिटल एचईसी में नवजात शिशु में दुर्लभ बीमारी का सफल इलाज

संवाददाता ।

रांचीः पारस हॉस्पिटल एचईसी में एक नवजात शिशु को बचाने में डॉक्टरों की टीम ने सफलता हासिल की है। यह बच्चा बहुत कम कैल्शियम के कारण गंभीर स्थिति में अस्पताल लाया गया था। सामान्य इलाज से सुधार नहीं हो रहा था और शिशु को शॉक आने लगा। ऐसे में उसे वेंटिलेटर और जीवनरक्षक दवाओं की जरूरत पड़ी। इस पूरे उपचार में पारस हॉस्पिटल एचईसी के नियोनेटोलॉजिस्ट डॉ. निशांत पाठक और उनकी टीम ने तुरंत और सटीक निर्णय लेते हुए बच्चा का सही इलाज किया। जांच में पता चला कि बच्चे में कैल्शियम की कमी सामान्य कारणों से नहीं, बल्कि एक दुर्लभ बीमारी प्सूडोहाइपोपराथायरॉयडिज्म के कारण हो रही थी। इस बीमारी में शरीर एक खास हार्मोन (पीटीएच) को पहचान नहीं पाता, जिससे कैल्शियम का संतुलन बिगड़ जाता है। बच्चे को कैल्सिट्रिऑल नामक विशेष दवा और संतुलित कैल्शियम उपचार दिया गया, जिसके बाद उसकी हालत बेहतर होने लगी और अब बच्चा सुरक्षित रूप से घर भेज दिया गया है। डॉ निशांत पाठक ने कहा कि अगर किसी नवजात में बार-बार या लगातार कैल्शियम की कमी हो और सामान्य इलाज के बाद भी सुधार नहीं हो, तो डॉक्टरों को इस खास बीमारी की जांच जरूर करनी चाहिए।पारस हॉस्पिटल एचईसी के फैसिलिटी डायरेक्टर डॉ नीतेश कुमार ने कहा कि पारस हॉस्पिटल में उच्च स्तरीय नवजात चिकित्सा सुविधाओं, आधुनिक तकनीक और अनुभवी डॉक्टरों की टीम के साथ, गंभीर स्थिति वाले नवजातों का सफल इलाज लगातार हो रहा है।

श्रमिकों को गुलाम बनाने का कानून है मोदी सरकार द्वारा घोषित लेबर कोड झ भाकपा माले

संवाददाता ।

रांचीः22 नवंबर 2025. रांची. भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी-लेनिनवादी) लिबरेशन की झारखंड राज्य कमिटी ने मोदी सरकार द्वारा थोपे गये श्रम संहिताओं (लेबर कोड) के खिलाफ तीखा प्रतिवाद दर्ज किया है और इसे मजदूरों को कॉरपोरेट गुलाम बनाने की संहिता कहा है. भाकपा-माले का स्पष्ट मत है कि यह चारों लेबर कोड मजदूर वर्ग पर कॉरपोरेट मालिकों की मनमानी थोपने की साज़िश है. घोषित श्रम संहिताओं का उद्देश्य मजदूरों द्वारा वीरतापूर्ण संघर्षों, आंदोलन और कुर्बानियों से हासिल किए गए ऐतिहासिक अधिकारों को छीनना है। पार्टी राज्य सचिव मनोज भक्त ने कहा कि भाकपा माले ने इसके खिलाफ 22 नवंबर से 28 नवंबर तक प्रतिवाद सप्ताह की घोषणा की हैभाकपा-माले का मानना है कि सामाजिक सुरक्षा और कार्य-सुरक्षा के संदर्भ में यह मजदूरों को समझौता करने के लिए विवश करेगा और उन्हें असुरक्षा में धकेलने की कोशिश है। ये संहिताएँ एक ओर मजदूरों के अधिकारों को कमजोर करती हैं तो दूसरी ओर कॉरपोरेट घरानों, पूंजी मालिकों और नौकरशाही के हाथों में निरंकुश अधिकार सौंपती है। लेबर कोड के जरिए महिला एवं अन्य सभी असुरक्षित श्रमिकों के श्रम के खुले शोषण का रास्ता तैयार किया जा रहा है और मजदूरों के संगठित होने और शोषण-दमन के खिलाफ प्रतिवाद–विशेषकर हड़ताल के अधिकार हमला किया जा रहा है।भाकपा-माले मोदी सरकार से मांग करती है कि वह तत्काल इन जन-विरोधी श्रम संहिताओं को वापस ले। झारखंड राज्य कमिटी राज्य के सभी श्रमिक संगठनों, प्रगतिशील ताकतों, लोकप्रिय जनसंगठनों और समाज के सभी न्यायप्रिय नागरिकों से अपील करती है कि वे श्रम संहिताओं के खिलाफ शुरू किए जा रहे प्रतिवाद में अधिकतम संख्या में शामिल हों और मजदूरों के अधिकारों की रक्षा के इस संघर्ष को मजबूत करें। भाकपा माले को विश्वास है कि भारत का मजदूर वर्ग मोदी सरकार को किसान आंदोलन की तरह श्रम कोड वापस लेने पर बाध्य करेगा।

बेहतर काम करने वाले क्लस्टर को मिलेगा इनाम : नेहा तिर्की

संवाददाता ।

रांची:झारखंड में प्राकृतिक खेती को एक आंदोलन के रूप में अपनाने की जरूरत है, ताकि रासायनिक खादों पर निर्भरता कम हो और लोगों को जहरीले भोजन से बचाया जा सके। राज्य की कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने शनिवार के ये बातें कही। वे रांची स्थित पशुपालन निदेशालय सभागार में आयोजित राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन की कार्यशाला में बोल रही थीं। कार्यशाला में राज्य के 12 जिलों के 88 क्लस्टर से आए किसान व कृषि सखियों ने अपने अनुभव साझा किए।इस अवसर पर कृषि मंत्री ने बताया कि झारखंड में 4,000 हेक्टेयर भूमि पर प्राकृतिक खेती का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिसे आगे और बढ़ाया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह खेती कम लागत में अधिक उत्पादन और मुनाफा देती है तथा मिट्टी की उर्वरता को सुरक्षित रखती है। मंत्री ने किसानों को जैविक और प्राकृतिक खेती के अंतर को समझते हुए आगे बढ़ने की सलाह भी दी। कृषि मंत्री ने अधिकारियों को प्राकृतिक खेती की नियमित निगरानी और वार्षिक रिपोर्ट तैयार करने का निर्देश भी दिया। साथ ही घोषणा की कि प्राकृतिक खेती में सर्वश्रेष्ठ काम करने वाले क्लस्टर को एक लाख रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा।

सदर अस्पताल में मरीज की मौत पर बवाल, बाबूलाल ने उठाए गंभीर सवाल

संवाददाता ।

रांची:राजधानी रांची के सदर अस्पताल में डॉक्टर की अनुपस्थिति के दौरान लगाए गए इंजेक्शन के बाद एक मरीज की मौत का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। इस घटना ने सरकारी अस्पतालों की व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने इस घटना पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है और रांची के सिविल सर्जन से तुरंत जांच कराने की मांग की है। मरांडी ने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि झारखंड के सरकारी अस्पतालों में लापरवाही चिंता का विषय बन चुकी है। उन्होंने कहा कि जब राज्य की राजधानी के सबसे बड़े अस्पताल में ही डॉक्टर मौजूद नहीं रहते, तो दूरदराज के ग्रामीण और आदिवासी इलाकों की स्थिति का अंदाजा लगाया जा सकता है। उन्होंने सिविल सर्जन से पूछा कि डॉक्टर की गैरमौजूदगी में कौन मरीज को इंजेक्शन लगाने का आदेश दे रहा था? और मरीज की हालत बिगड़ने पर इमरजेंसी में कोई डॉक्टर मौजूद क्यों नहीं था? मरांडी ने स्वास्थ्य विभाग के डॉक्टरों और कर्मचारियों से अपने कर्तव्यों के प्रति सजग रहने की अपील करते हुए आरोप लगाया कि 'नकारे और निकम्मे स्वास्थ्य मंत्री' के कारण लोग अपनी जिम्मेदारियों से दूर न हों, क्योंकि उनकी तत्परता कई जिंदगियों को बचा सकती है। चाईबासा में थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों को एचआईवी संक्रमित रक्त चढ़ाए जाने की घटना को लेकर भी उन्होंने राज्य सरकार पर निशाना साधा और कहा कि झारखंड में 'गूंगी-बहरी, भ्रष्ट और बेशर्म सरकार' सत्ता में है। मुख्यमंत्री से लेकर मंत्री तक जनता के पैसे रील और होर्डिंग्स पर खर्च कर रहे हैं,

टाटानगर स्टेशन के पास धू-धूकर जली यात्री की कार

जमशेदपुर : बागबेड़ा थाना अंतर्गत टाटानगर रेलवे स्टेशन के आउट गेट के पास शनिवार की सुबह एक यात्री की हुंडई कार में अचानक आग लग गई। वहीं कड़ी मशक्कत के बाद दमकल विभाग ने आग पर काबू पाया। जबकि कार में किसी के मौजूद न होने से एक बड़ा हादसा टल गया। मामले में बताया जा रहा है कि गम्हरिया निवासी श्रीनिवास नायक अपनी पत्नी और बेटे को दुरंतो एक्सप्रेस ट्रेन में बैठाने के लिए टाटानगर स्टेशन पहुंचे। इस दौरान उन्होंने टाटानगर आउट गेट के पास अपनी हुंडई कार खड़ी कर सभी स्टेशन के अंदर चले गए। इसी बीच उनकी कार में आग लग गई और देखते ही देखते कार पूरी तरह से जलकर खाक हो गई। वहीं स्थानीय लोगों ने पहले आग बुझाने का प्रयास किया। मगर आग ने अपना विकराल रूप धारण कर लिया। जिसकी वजह से पूरे क्षेत्र में अफरा तफरी का माहौल उत्पन्न हो गया। वहीं घटना की जानकारी पाकर अग्निशमन विभाग की एक गाड़ी घटनास्थल पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। मौके पर श्रीनिवास नायक ने बताया कि वह और उनकी पत्नी अपने बेटे को दूरंतो ट्रेन में बैठाने के लिए टाटानगर स्टेशन पहुंचे ही थे कि अचानक कार में आग लगने की सूचना उनको मिली। जिसके बाद जाकर देखा तो पाया कि कार पूरी तरह से जलकर खाक हो गई है उन्होंने बताया कि आग लगने के पीछे शॉर्ट सर्किट का कारण हो सकता है।

पेयजल एवं स्वच्छता विभाग तथा मानगो नगर निगम से जल्द मिले स्वीकृति

स्वीकृति मिलने तक एनएचएआइ द्वारा निर्माण कार्य रहेगा स्थगित : सरयू राय

जमशेदपुर, संवाददाता

निमार्णाधीन एनएच 33 ऊपरी पथ के नीचे पारडीह से डिमना चौक की ओर एनएचएआइ द्वारा सड़क किनारे गड्ढा खोदकर बनाए जा रहे ह्यूमपाइप ढांचा का निर्माण कार्य तब तक स्थगित रहेगा, जब तक पेय जल एवं स्वच्छता विभाग तथा मानगो नगर निगम द्वारा इसकी स्वीकृति नहीं मिल जाती है। उल्लेखनीय है कि शुक्रवार ह्युमपाइप ढांचा के लिए खुदाई करते समय सड़क के नीचे पेयजल एवं स्वच्छता विभाग द्वारा बिछाए गए पेयजल आपूर्ति पाइप क्षतिग्रस्त हो गया। नतीजतन मानगो के कुमरुम बस्ती पानी टंकी से पेयजल आपूर्ति बंद हो गई। ऐसा इसलिए हुआ, क्योंकि एनएचएआई ह्यूमपाइप ढांचा का निर्माण पेयजल आपूर्ति पाइप के ठीक ऊपर हो रहा है। इसकी सूचना मिलने पर मैंने पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के कार्यपालक अभियंता और मानगो नगर निगम के उप नगर आयुक्त से पूछा कि क्या आपलोगों ने एनएचएआई को इस निर्माण की अनुमति दी है तो उन्होंने बताया कि एनएचएआई ने इस बारे में हमलोगों से कोई अनुमति नहीं लिया है। जिसके बाद मैंने एनएचएआई के क्षेत्रीय पदाधिकारी से रांची में बात कर उन्हें बताया कि बिना सक्षम प्राधिकार से अनुमति लिए ऐसा निर्माण करना अनुचित है। इसके अतिरिक्त यह निर्माण पेयजल आपूर्ति पाइपलाइन के ठीक उपर किया जा रहा है। भविष्य में पेयजल आपूर्ति पाइपलाइन में कभी मरम्मत की जरूरत पड़ी तो ऐसा करना संभव नहीं होगा। वहीं एनएचएआई के क्षेत्रीय पदाधिकारी ने बताया कि निर्माण कार्य बिना वैधानिक अनुमति लिए नही होगा। उन्होंने कहा कि मैं एनएचएआई के परियोजना निदेशक को इस बारे में निर्देश दे देता हूं। मैंने पेयजल स्वच्छता विभाग के कार्यपालक अभियंता और मानगो नगर निगम के उप नगर आयुक्त से भी पूछा कि इस निर्माण के विषय में एनएचएआई ने अनुमति के लिए आपके पास विधिवत आवेदन किया है या नहीं और आपने इस बारे में क्या कारवाई की। मैंने स्पष्ट किया है कि मानगो में पेयजलापूर्ति के बारे में कोई भी लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस मामले को एनएचएआई, पेयजल स्वच्छता विभाग और मानगो नगर निगम के अधिकारी गंभीरता से लें और विधिवत अनुमति के बाद ही काम हो।

साकची में वन विभाग ने चार तस्करों को किया गिरफ्तार

8 लाख का सफेद मूंगा बरामद

जमशेदपुर, संवाददाता

वन विभाग की टीम ने शनिवार साकची स्थित एक होटल में छापेमारी कर चार तस्करों को गिरफ्तार किया। बताया जा रहा है कि ये तस्कर दुर्लभ सफेद मूंगा की तस्करी कर रहे थे। इस दौरान टीम ने इनके पास से सफेद मूंगा भी बरामद किया है और जिसकी कीमत आठ लाख रुपये बताई जा रही है। गिरफ्तार आरोपियों में चाईबासा निवासी हरिजन गोप, रांची निवासी दीपक कुमार महतो, प्रमोद केवटाई और अभय कुमार शामिल हैं। मामले में डीएफओ सबा आलम अंसारी ने बताया कि टीम को गुप्त सूचना मिली थी कि कुछ लोग सफेद मूंगा की तस्करी करने के लिए शहर के एक होटल में रुके हुए हैं। जिसपर टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए छापेमारी कर आरोपियों को गिरफ्तार किया। साथ ही आरोपियों के खिलाफ भारतीय वन्य प्राणी संरक्षण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

समाजसेवी सोहन तिवारी का हुआ देहावसान, सर्वत्र शोक की लहर

रामगढ़, संवाददाता

चौक बाजार गोला निवासी सोहन तिवारी का 67 वर्ष के उम्र में शनिवार को निधन हो गया। दिवंगत सोहन तिवारी गोला मेन रोड स्थित आशा स्टूडियो के संचालक संजू तिवारी और राजेश तिवारी के पिता थे। वे पिछले कुछ दिनों से बीमार चल रहे थे। शनिवार की अहले सुबह अपने आवास में उनकी तबियत ज्यादा बिगड़ गईं थी परिणामस्वरूप उनका निधन हो गया। उनका पटासुर नदी के मुक्तिधाम में अंतिम संस्कार किया गया। शव यात्रा और अंतिम संस्कार में गोला क्षेत्र के विभिन्न सामाजिक संगठन, राजनीति दल के नेताओं और कार्यकताओं, व्यावसायिक संगठन के लोगों ने शामिल होकर गहरा शोक संवेदना व्यक्त की एवं भावभीनी श्रद्धांजलि दी। शोक व्यक्त करने वालों में समाजसेवी ओमप्रकाश बुधिया, कुंवर कुमार बक्शी, जनार्दन पाठक, संजय बक्सी, सुशील कुमार बुधिया, प्रमोद अग्रवाल, मनोज मिश्र, सुजीत सिन्हा, विजय ओझा, प्रदीप सिन्हा, सोनू बक्सी, सुखदेव पोद्दार, दिनेश पोद्दार, लालटू पोद्दार, मदन दास, मनीष कुमार, सोनू बुधिया, चिंटू अग्रवाल, शंकर अग्रवाल, कुंदन सिन्हा, संजू पाण्डेय, मोनू बुधिया, शिवप्रकाश, निहार रंजन, नरेंद्र चौधरी, तापस गुप्ता सहित कई शामिल हैं।

केंद्रीय आदिवासि कुड़िम समाज ने राजयपाल से मुलाकात किया 6 सूत्री मांग पत्र सौंपा

रामगढ़, संवाददाता

केंद्रीय आदिबासि कुड़मि समाज केंद्रीय अध्यक्ष मनोज कुमार महतो के नेतृत्व में महामहिम राज्यपाल झारखंड को समाज के द्वारा 6 सूत्री का मांग पत्र सौंपा गया जिसमें विशेषकर कुड़मि समाज द्वारा विभिन्न संवैधानिक मुद्दों-अनुसूचित जनजाति में सूचीबद्ध करने, कुड़माली भाषा को आठवीं अनुसूची में शामिल करने एंव सारना धर्म कोड की मान्यता आदि की मांगों को लेकर शांतिपूर्ण ढंग से आंदोलन किया जा रहा है। ऐसे में अनुसूचित जनजाति के एक विशेष वर्ग द्वारा आये दिन सभा, रैली एवं सोशल मीडिया में कुड़मि समुदाय के प्रति अभद्र टिप्पणी, गाली-गलौज, एवं भड़काऊ भाषण देते हुए माननीयों को धमकी दी जा रही है।अतः आदिबासि कुड़मि समाज की मांग है कि 1. राज्य एवं केंद्र स्तर पर आदेश जारी कर यह सुनिश्चित किया जाए किकिसी भी समाज, जनजाति, भाषा, संस्कृति या समुदाय के विरुद्ध अभद्र भाषा, अपमानजनक टिप्पणी या गाली-गलौज करने वालों पर तत्काल रोक लगे। 2. सोशल मीडिया (यूट्यूब, फेसबुक, इंस्टाग्राम, व्हाट्सऐप) पर किसी भी समुदाय के विरुद्ध नफरत फैलाने, उकसाने या झूठे प्रचार से संबंधित वीडियो/पोस्ट डालने वालों की पहचान कर आईटी एक्ट, आईपीसी एवं संबंधित धाराओं के तहत कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए।3. मंच, सभा, रैली, राजनैतिक या सामाजिक कार्यक्रमों में समुदाय विशेष को नीचा दिखाने या अपमानित करने वाले वक्ताओं पर तत्काल प्रतिबंध/एफआईआर दर्ज की जाए।4. सभी जिलों के उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षकों को सामुदायिक तनाव से संबंधित प्रत्येक घटना पर तत्काल संज्ञान लेने एवं आवश्यक कदम उठाने हेतु निर्देशित किया जाए।5. कुड़मी समाज सहित सभी आदिवासी एवं मूलवासी समुदायों के ऐतिहासिक शहीदों, आंदोलनकारियों और सामाजिक नायकों का अपमान करने वालों की पहचान कर उनके खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।6. दोनों समाजों के बीच भाईचारा, संवाद एवं शांति स्थापित करने के लिए राज्य स्तर पर सौहार्द समिति का गठन किया जाए, ताकि किसी भी प्रकार की अफवाह या उत्तेजक गतिविधि को समय रहते रोका जा सके। प्रतिनिधि मंडल में मुख्य रूप से केंद्रीय उपाध्यक्ष निरंजन महतो प्रदेश उपाध्यक्ष सुधांशु कुमार महतो केंद्रीय कार्यकारिणी सदस्य संदीप कुमार महतो रामगढ़ जिला कोषाध्यक्ष सत्यनारायण महतो शामिल हुए।

आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का गिद्दी जे पंचायत में किया गया आयोजन

रामगढ़, संवाददाता

आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का गिद्दी ख पंचायत सचिवालय में आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कुल 189 आवेदन प्राप्त किए गए। जबकि 100 आवेदन को निष्पादित किया गया।धोती साड़ी, जन्म, मृत्यु पेंशन, आयु आभा प्रमाण पत्र आदि का लाभुकों के बीच वितरण भी किया गया। इस अवसर पर डाड़ी बीडीओ श्रीमती अनु प्रिया,सीओ सह सीडीपीओ कमलकांत वर्मा, प्रमुख दीपा देवी, गिद्दी ख पंचायत की मुखिया श्रीमती उषा देवी, उप मुखिया सरिता देवी सहित सभी विभाग के पदाधिकारी व कर्मी उपस्थित थे।शिविर का उद्घाटन कार्यपालक दंडाधिकारी हजारीबाग प्रेम कुमार, सीओ व जनप्रतिनिधियो ने दीप जलाकर शिविर में लगभग 189 आवेदन आए, जिनमें करीब 100 निष्पादित किए गए, इसमें पेंशन के साथ राशन कार्ड जाति राशन कार्ड स्थानीय 30 ग्रीन राशन 7, साड़ी धोती 22, जन्म प्रमाण 6, मृत्यु प्रमाण 2, वृद्धा पेंशन 3, आयुष्मान कार्ड 6, भाव कार्ड 6 मैया सम्मान फार्म जमा 148 हुए है इस दौरान डाड़ी बीडीओ अनु प्रिया,सीओ कमलकांत वर्मा ने कहा कि सरकार के अधिक से अधिक योजनाओं का लाभ लाभुकों मिल पाए, इसका प्रयास किया जा रहा है। वही दूसरी ओर होन्हेमोढ़ा पंचायत में भी आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर 20 सूत्री प्रखंड अध्यक्ष लखन लाल महतो, पंचायत सचिव लाल बहादुर महथा, स्वास्थ्य विभाग के डॉक्टर तस्लीम अंसारी, आईटी परवेज आलम एएनएम रानी कुमारी, विनीता कुमारी, एमपीडब्ल्यू रामेश्वर महतो, रवि कुमार, रामानंद कुमार, पायल शर्मा, साहिल लीला देवी, संगीता देवी, महादेव महली आदि लोग मौजूद थे।

तपोवन पब्लिक स्कूल के अयान ने जीता कांस्य पदक, हर्ष

बोकारो : रायपुर के आग्रासा दाम में पिछले दिनों आयोजित कराटे के राष्ट्रीय प्रतियोगिता में प्रेमनगर स्थित तपोवन पब्लिक स्कूल के बच्चों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर स्कूल का नाम रोशन किया। इस चैम्पियनशिप में देश के 12 राज्यों से लगभग सात सौ खिलाड़ियों ने भाग लिया था। इसमें झारखंड के 15 प्रतिभावान खिलाड़ी शामिल थे। झारखंड की टीम ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए सात पदक अपने नाम कर लिया। जिसमें तपोवन स्कूल के विराट कुमार, अयान रजा व शुभम सोनी ने इस खेल में भाग लिया था, जिसमें कक्षा चार के छात्र अयान रजा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक अपने नाम कर लिया। वही इस अवसर पर विद्यालय परिवार ने हर्ष व्यक्त करते हुए अयान सहित खेल में भाग लेने वाले बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना किया।

रामगढ़ जिले की 61 सदस्यीय स्काउट-गाइड टीम राष्ट्रीय जम्बूरी, लखनऊ के लिए रवाना

रामगढ़, संवाददाता

भारत स्काउट एवं गाइड के तत्वावधान में उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय जम्बूरी में भाग लेने के लिए रामगढ़ जिले के विभिन्न विद्यालयों के 61 छात्र-छात्राओं तथा शिक्षकों/शिकाओ की टीम गुरुवार देर रात बरकाकाना रेलवे स्टेशन से उत्साहपूर्ण माहौल में रवाना हुई। यह टीम जिले का प्रतिनिधित्व करते हुए आगामी दिनों तक होने वाले विविध राष्ट्रीय कार्यक्रमों में प्रतिभा का प्रदर्शन करेगी।मुख्य आयुक्त ने किया उत्साहवर्धन रामगढ़ जिला भारत स्काउट एवं गाइड के जिला मुख्य आयुक्त श्री राजीव जायसवाल स्वयं देर रात स्टेशन पहुँचे और पूरे दल को लखनऊ के लिए विदाई दी। बच्चों और शिक्षकों से संवाद करते हुए उन्होंने कहाः राष्ट्रीय जम्बूरी में भाग लेना किसी भी विद्यार्थी के लिए जीवन का महत्वपूर्ण अनुभव होता है। मुझे विश्वास है कि रामगढ़ के बच्चे न केवल अनुशासन, नेतृत्व और राष्ट्रीय मूल्यों की सीख लेकर लौटेंगे, बल्कि जिले का नाम भी उज्ज्वल करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि इस प्रकार के राष्ट्रीय आयोजन छात्रों में आत्मविश्वास और राष्ट्रप्रेम की भावना को और अधिक मजबूत करते हैं।

देश के शीर्ष नेतृत्व की उपस्थिति बनेगी गौरव का विषय

उल्लेखनीय है कि इस बार की राष्ट्रीय जम्बूरी विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि इसमें देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी तथा भारत की माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु जी भी शामिल होने वाली हैं। यह अवसर प्रतिभागियों को देश के सर्वोच्च नेतृत्व से प्रेरणा प्राप्त करने का अद्वितीय मौका प्रदान करेगा। जम्बूरी में दिखेगी रामगढ़ की प्रतिभाउरामगढ़ जिले के छात्र-छात्राएँ राष्ट्रीय जम्बूरी मेंउकैंप क्राफ्ट साहसिक गतिविधियाँ, राष्ट्रीय एकता कार्यक्रम , सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ सामाजिक उत्तरदायित्व से जुड़े कार्य जैसी विविध गतिविधियों में भाग लेंगे। इन गतिविधियों से बच्चों को टीमवर्क, नेतृत्व, अनुशासन, सेवा भावना और आत्मनिर्भरता जैसे मूल गुणों को विकसित करने का अवसर मिलेगा। अधिकारी एवं पदाधिकारी रहे उपस्थित दल को विदा करने के कार्यक्रम में जिला संगठन आयुक्त श्री सूरज कुमार, DAV बरकाकाना के पीटीआई श्री देव कुमार, जिला संगठन के अन्य अधिकारी और अभिभावक उपस्थित थे। सभी ने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य और सफल सहभागिता की कामना की।

डीएवी इस्पात विद्यालय में स्वच्छता और जल संरक्षण पर बीएसएल ने चलाया जागरूकता अभियान

बोकारो। बीएसएल के पब्लिक हेल्थ एवं वाटर सप्लाई विभाग द्वारा स्वच्छता एवं जल संरक्षण को बढ़ावा देने हेतु चलाए जा रहे आईईसी कार्यक्रम के तहत आज सेक्टर 8इ और 9ए स्थित डीएवी इस्पात विद्यालय में विशेष जागरूकता गतिविधियाँ आयोजित की गईं। छात्रों ने स्वच्छता, कचरा प्रबंधन, दो डस्टबिन उपयोग, कम्पोस्टिंग और जल संरक्षण पर संवाद, प्रश्नोत्तरी और नारे प्रस्तुत किए। बच्चों को घर एवं आसपास की सफाई, गीले-सूखे कचरे को अलग रखने, सफाई मित्रों को पृथक कचरा देने तथा सार्वजनिक कूड़ेदानों के उपयोग का महत्व बताया गया। वाटर सप्लाई विभाग ने वर्षा जल संचयन, रिसावयुक्त नलों की मरम्मत, बकेट उपयोग और अनावश्यक जल बहाव रोकने जैसे उपायों पर विस्तृत जानकारी दी। छात्रों ने शपथ ली कि वे स्वच्छता और जल संरक्षण को जीवनशैली का हिस्सा बनाएंगे तथा बोकारो को सबसे स्वच्छ टाउनशिप बनाने में योगदान देंगे। कार्यक्रम को विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों से सराहनीय समर्थन मिला।

झारखंड विधानसभा दिवस पर पूर्व विधायक डॉ. लंबोदर महतो की पुस्तक 'सदन संवाद' का विमोचन

बोकारो, संवाददाता

झारखंड विधानसभा स्थापना दिवस के अवसर पर शनिवार को गोमिया के पूर्व विधायक डॉ. लंबोदर महतो की पुस्तक ह्यसदन संवादह्ल का औपचारिक विमोचन किया गया। कार्यक्रम में कई जनप्रतिनिधि, बुद्धिजीवी और सामाजिक कार्यकर्ता मौजूद रहे। पुस्तक विमोचन के दौरान विधानसभा अध्यक्ष रविंद्र नाथ महतो ने सदन संवाद की सराहना करते हुए कहा कि यह कृति लोकतांत्रिक व्यवस्था को सरल भाषा में समझाने वाला महत्वपूर्ण दस्तावेज है। उन्होंने कहा कि पुस्तक नई पीढ़ी को सदन की कार्यप्रणाली, जनअपेक्षाओं और राजनीतिक मूल्यों की गहराई को समझने में मदद करेगी। समारोह में झारखंड सरकार के मंत्री हेमंत सोरेन ने भी डॉ. महतो को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि पुस्तक में सदन की कार्यशैली और लोकतांत्रिक मयार्दाओं को सरल एवं स्पष्ट रूप में प्रस्तुत किया गया है, जो जनप्रतिनिधियों, छात्रों और आम पाठकों के लिए उपयोगी सिद्ध होगी। डॉ. लंबोदर महतो ने भावुक होते हुए कहा कि इस पुस्तक को लिखना एक जिम्मेदारीपूर्ण अनुभव रहा। उनका उद्देश्य था कि सदन की प्रक्रिया, लोकतांत्रिक मूल्यों और जनता की अपेक्षाओं को सरल और सहज भाषा में समाज तक पहुँचाया जाए। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

सोनपुरा पंचायत के मवन में सरकार आपके द्वार शिविर, ग्रामीणों को बड़ी सुविधा

बोकारो, संवाददाता

कसमार प्रखंड के सोनपुरा पंचायत अंतर्गत मवन में शनिवार को सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के तहत बहुउद्देशीय शिविर का आयोजन किया गया। बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने पहुँचकर जॉब कार्ड, राशन कार्ड, पेंशन, भूमि संबंधी मामलों, मनरेगा कार्य और अन्य योजनाओं से जुड़े आवेदन जमा किए। कई लाभुकों को मौके पर जॉब कार्ड भी दिए गए। कसमार प्रमुख नियोती कुमारी, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी द्वारिका प्रसाद, ज़िला परिषद सदस्य अमरदीप महाराज, विधायक प्रतिनिधि मोहम्मद शेरे आलम, बीडीओ नम्रता जोशी और सीओ नरेंद्र कुमार सिंह ने कार्यक्रम की सराहना की। अधिकारियों ने भरोसा दिया कि सभी आवेदनों का समयबद्ध निस्तारण किया जाएगा। स्थानीय मुखिया चंद्रशेखर हेंब्रम ने कहा कि ऐसे शिविर ग्रामीणों में जागरूकता बढ़ाते हैं और प्रशासन पर विश्वास मजबूत करते हैं। शिविर में कई लोगों को तत्काल सेवाएँ मिलीं। मौके पर पंचायत प्रतिनिधि और ग्रामीण बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

दो दिनों में पांच पंचायतों में सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का किया गया आयोजन

शनिवार की कार्यक्रम का मुखिया ने संभला बगडोर

बोकारो, संवाददाता

नावाडीह प्रखंड के दो दिनों में भलमारा, बरई, अहारडिह, पलामु और गोनियाटो पंचायत सचिवलय में आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अनुमंडल पदाधिकारी मुकेश मछुवा, प्रमुख पूनम देवी, बीडीओ प्रशांत कुमार हेंब्रम, बीस सूत्री अध्यक्ष बृजलाल हंसदा, पंचायत के संबधित मुखिया द्वारा द्वीप प्रज्वलित कर किया। एसडीएम मुकेश मछुवा ने कहा कि सरकार के विकासात्मक योजनाओं से ग्रामीणों को जोड़ना ही सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का मूल उद्देश्य है। इसके तहत सरकार गांव एवं पंचायत में शिविर आयोजित कर ग्रामीणों के साथ सीधा संवाद कर लोक कल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित करना है। ग्रामीण जन कल्याणकारी योजनाओ का लाभ उठाए। बीडीओ प्रशांत कुमार हेंब्रम ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए शिविर में पहुंचे अधिकारियों से मिलकर अपनी समस्याओं के निराकरण कराने की बात कही। कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे, यही सरकार की सोच है। शिविर में विभिन्न योजनाओं से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए। शिविर मे स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग, पेयजल विभाग, पेंशन विभाग, मईया समाज योजना सहित विभिन्न योजनाओं का स्टॉल लगाया गया था। इसमें सैकडो की संख्या में ग्रामीण उपस्थित होकर योजनाओं का लाभ लिये।

तेनुघाट में सरकार की योजनाओं को ग्रामीणों तक पहुंचाने हेतु शिविर आयोजित

बोकारो, संवाददाता

पेटरवार प्रखंड के तेनुघाट पंचायत में आपके अधिकार-आपकी सरकार-आपके द्वार कार्यक्रम के तहत पंचायत स्तरीय परिसंपत्ति वितरण शिविर आयोजित किया गया। प्रखंड विकास पदाधिकारी संतोष कुमार महतो ने कहा कि सरकार का उद्देश्य गांवों को मजबूत करना और सभी वर्गों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। उन्होंने बताया कि दूरदराज के लोगों को प्रमाण पत्रों और सरकारी सेवाओं के लिए मुख्यालय नहीं आना पड़े, इसी लक्ष्य से यह अभियान चलाया जा रहा है। अंचल अधिकारी अशोक राम ने कहा कि विभिन्न कल्याणकारी योजनाएं ग्रामीणों को सम्मानजनक जीवन और रोजगार का अवसर प्रदान कर रही हैं। शिविर में जाति, आय, आवासीय प्रमाण पत्र, नया राशन कार्ड, जमीन से जुड़े मामलों, जॉब कार्ड तथा सामाजिक सुरक्षा पेंशन आदि से संबंधित आवेदनों का त्वरित निपटारा किया गया। पंचायत मुखिया नीलम श्रीवास्तव के अनुसार शिविर में करीब 85 आवेदन प्राप्त हुए। कार्यक्रम में कई स्थानीय प्रतिनिधि और ग्रामीण उपस्थित रहे।

53 साल बाद गृह विभाग CM के पास नहीं

नीतीश के पास सिर्फ सामान्य प्रशासन, BJP के हाथ से फाइनेंस फिसला; JDU के मंत्री कम-बजट ज्यादा

पटना। बिहार की नई नीतीश सरकार में विभागों का बंटवारा हो गया है। शुक्रवार देर शाम को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 26 मंत्रियों के बीच विभाग बांट दिए। बिहार में नवंबर 2005 से चल रही एनडीए सरकार में पहली बार गृह विभाग भाजपा कोटे में गया है। प्रदेश में 53 साल बाद पहली बार मुख्यमंत्री ने गृह विभाग किसी मंत्री को सौंपा है। जबकि 20 साल के शासन के बाद नीतीश ने गृह मंत्रालय अपने पास नहीं रखा। डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी को गृह विभाग मिला है। पिछली सरकार में वो वित्त और वाणिज्य कर मंत्री थे। गृह विभाग देकर नीतीश ने उनका कद बढ़ाया है। गृह के बदले जदयू ने भाजपा से वित्त और वाणिज्य कर लिया है। बिजेंद्र यादव ऊर्जा के साथ वित्त विभाग का जिम्मा भी संभालेंगे। इसके साथ ही मंगल पांडे को फिर से स्वास्थ्य विभाग का जिम्मा सौंपा गया है। पहली बार मंत्री बनीं नेशनल शूटर श्रेयसी सिंह को खेल विभाग दिया गया है। HAM के राष्ट्रीय अध्यक्ष संतोष सुमन का विभाग नहीं बदला गया। ये फिर से लघु जल संसाधन विभाग के मंत्री होंगे। डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा के पास भूमि एवं राजस्व विभाग के अलावा खान एवं भू-तत्व विभाग मिला है। हालांकि इनसे कृषि विभाग लेकर बीजेपी कोटे से मंत्री बने रामकृपाल यादव को दिया गया है। दिलीप जायसवाल उद्योग मंत्री बनाए गए हैं। नितिन नवीन को पथ निर्माण विभाग के साथ-साथ नगर विकास एवं आवास विभाग की जिम्मेदारी सौंपी गई है।नई सरकार के गठन के बाद नीतीश कैबिनेट की पहली बैठक 25 नवंबर को होगी, जिसमें सभी मंत्री मौजूद रहेंगे। 20 नवंबर को नीतीश कुमार के साथ सभी मंत्रियों ने शपथ ली थी। शपथ लेने 24 घंटे बाद विभागों का बंटवारा हुआ है।कानून-व्यवस्था की पूरी कमानः पूरा पुलिस विभाग (DGP, ADG, IG, SP, DSP) सीधे गृह मंत्रालय को रिपोर्ट करेंगे। हिंसा, दंगे, बड़े अपराध, भीड़ नियंत्रण, महत्वपूर्ण गिरफ्तारियों में अंतिम निर्णय उन्हीं का होगा। नक्सल, ऑर्गनाइज्ड क्राइम और गैंगस्टर पर कार्रवाई का संचालनः नक्सल प्रभावित जिलों की नीति, ऑपरेशन ग्रीन हंट/सर्च ऑपरेशन जैसी गतिविधियां गृह मंत्री की मंजूरी से चलती हैं। बड़े गैंग्स पर CIDD, STF या SOG लगाने का फैसला भी गृह मंत्री करता है। नई सरकार में जदयू के पास भाजपा से 5 मंत्री कम हैं। इसके बावजूद जदयू के मंत्रियों के विभागों का बजट 129934.67 करोड़ रुपए अधिक है। जदयू के मंत्रियों के विभागों का बजट 219227.73 करोड़ रुपए है। भाजपा के मंत्रियों को मिले विभागों का बजट 89293.06 करोड़ रुपए है। जदयू कोटे से बने सभी 8 मंत्रियों को पुराने विभाग ही मिले हैं। पिछली बार जदयू के 12 मंत्री थे। हटाए गए चार मंत्रियों के विभाग विजय चौधरी, बिजेन्द्र यादव, श्रवण कुमार व सुनील कुमार को मिले हैं। दो गैर कांग्रेसी सरकार में CM के पास नहीं रहा गृह विभाग सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) और गृह विभाग सामान्यतया मुख्यमंत्री के पास ही रहते आए हैं। अब तक सिर्फ दो गैर-कांग्रेसी सरकारों में ऐसा हुआ था। 1967 में महामाया प्रसाद सिन्हा की सरकार में और 1972 में कपूरी ठकुर की सरकार में रामानंद तिवारी अलग गृह मंत्री थे। उसके बाद किसी भी मुख्यमंत्री ने गृह विभाग अपने अधीन के मंत्री को नहीं दिया था।शुक्रवार की सुबह बीजेपी के मंत्रियों के विभागों की लिस्ट लेकर सम्राट चौधरी उट हाउस पहुंचे। दोनों नेताओं के बीच करीब 50 मिनट तक बात हुई। इसके बाद जदयू की ओर से किन मंत्रियों को कौन-कौन से विभाग मिलने हैं, इस पर नीतीश कुमार के साथ सभी बड़े नेताओं की अहम बैठक हुई। सीएम नीतीश कुमार करीब डेढ़ घंटे बैठक की और बीजेपी की ओर से मांगी गई विभागों पर चर्चा की। बैठक में ललन सिंह, संजय झा और विजय कुमार चौधरी मौजूद थे। शाम करीब 5 बजे नीतीश कुमार और सम्राट चौधरी लिस्ट लेकर राजभवन पहुंचे। 5.15 बजे लिस्ट जारी कर दी गई।

237 लीटर देसी-2 लीटर विदेशी शराब बरामद

गयाजी। पुलिस ने अवैध शराब तस्करों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया। शुक्रवार को हुई छापेमारी में 237 लीटर देसी और 2 लीटर विदेशी शराब जब्त की गई। इस दौरान तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया और लगभग 10,000 लीटर जावा महुआ मौके पर नष्ट किया गया। एसएसपी आनंद कुमार ने प्रेस वार्ता में यह जानकारी दी।एसएसपी आनंद कुमार ने बताया कि जिले में अवैध शराब निर्माण और बिक्री की लगातार शिकायतें मिल रही थीं। इन शिकायतों के मद्देनजर एक विशेष टीम का गठन किया गया। टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर विभिन्न थाना क्षेत्रों में छापेमारी की बड़े पैमाने पर हो रही थी शराब की तस्करी छापेमारी के दौरान बड़ी मात्रा में अवैध रूप से तैयार की जा रही देसी महुआ शराब, जावा महुआ और अन्य उपकरण बरामद हुए। एसएसपी ने कहा कि जावा महुआ की इतनी बड़ी मात्रा का नष्ट होना यह दर्शाता है कि आरोपी बड़े पैमाने पर शराब निर्माण की तैयारी कर रहे थे। गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ जारी है। पुलिस इस अवैध कारोबार से जुड़े अन्य लोगों का पता लगाने का प्रयास कर रही है। एसएसपी ने संकेत दिया कि इस मामले में और भी गिरफ्तारियां हो सकती हैं। उन्होंने दोहराया कि शराबबंदी कानून को सख्ती से लागू करने के लिए जिला पुलिस प्रतिबद्ध है और अवैध शराब के धंधे में शामिल लोगों के खिलाफ अभियान जारी रहेगा।एसएसपी ने आम लोगों से अपील की कि वे अवैध शराब निर्माण या बिक्री से संबंधित कोई भी जानकारी पुलिस को दें। सूचना देने वालों की पहचान गुप्त रखी जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि शराब माफियाओं को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा और जिले में अवैध शराब के नेटवर्क को पूरी तरह खत्म किया जाएगा। इस अभियान के बाद पुलिस टीम की कार्रवाई की व्यापक सराहना की जा रही है। जिला प्रशासन ने भी पुलिस के इस कदम को कानून-व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बताया है।

अनियंत्रित कार पेड़ से टकराई, एक की मौत

खगड़िया। के मड़ैया थाना क्षेत्र में शनिवार देर शाम सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। देवरी कब्रिस्तान के समीप एक स्विफ्ट डिजायर कार बेकाबू होकर सड़क किनारे पेड़ से टकरा गई।टक्कर इतनी भीषण थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, वाहन पेड़ से टकराने से पहले करीब 20 फीट हवा में उछल गया था।सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों की मदद से कार में फंसे दो लोगों को बाहर निकाला गया। एक युवक बेहोशी की हालत में था, जिसे तुरंत गोगरी रेफरल अस्पताल भेजा गया। वहां से उसे बेहतर इलाज के लिए खगड़िया सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया।दुर्घटना में कार में सवार दूसरे युवक की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान बैसा निवासी राजो मंडल के 32 वर्षीय बेटे विजय कुमार के रूप में हुई है। गंभीर रूप से घायल व्यक्ति की पहचान किरण चौरसिया के 32 वर्षीय बेटे रूपेश कुमार के रूप में की गई है।हादसे के कारणों का अभी तक स्पष्ट पता नहीं चल पाया है। कार कहां से आ रही थी और कहां जा रही थी, इसकी जांच की जा रही है। घना अंधेरा, सड़क किनारे गड्ढे और आसपास जंगल होने के कारण बचाव दल को क्षतिग्रस्त कार को निकालने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। मड़ैया थाना अध्यक्ष रिक्की कुमार ने बताया कि शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया की जा रही है। उन्होंने यह भी पुष्टि की कि दुर्घटना के कारणों की विस्तृत जांच जारी है।

गयाजी में महिला खिलाड़ियों को मिलेगी नई पहचान

गयाजी। के इरीहर सुब्रमण्यम स्टेडियम, गांधी मैदान में पहली बार अस्मिता डिस्ट्रिक्ट एथलेटिक्स लीग प्रथम महिला एथलेटिक्स लीग का उद्घाटन हुआ। उद्घाटन नगर विधायक डॉ प्रेम कुमार, वजीरगंज विधायक वीरेंद्र सिंह गयाजी ओलंपिक एसोसिएशन के अध्यक्ष हरि प्रपन्न और पैटर्न डॉ नवनीत निश्छल ने किया। आयोजन से महिला खिलाड़ियों को नई पहचान मिलेगी। प्रथम महिला एथलेटिक्स लीग आयोजित हुई है। इसमें 350 बालिकाएं ट्रैक पर उतरेंगी और 30 स्कूलों की टीम तैयार है। इस मौके पर डॉ प्रेम कुमार ने कहा कि राज्य व केंद्र सरकार खिलाड़ियों के लिए बेहतर भविष्य के लिए हर सम्भव प्रयास कर रही है। खेल को बढ़ावा देने के लिए तमाम योजनाएं धरातल पर उतारी गई हैं। बेहतर खेल का प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को सरकार नौकरियां भी दे रही हैं। लड़कियों को बेहतर खेल का प्रदर्शन करने का मौका ओलिंपिक संघ के अध्यक्ष हरि प्रपन्न ने कहा कि गर्व की बात है कि अस्मिता एथेलिटिक्स लीग का आयोजन मगध में गयाजी को मिला है। पूरे देश में इस लीग का अवसर 300 डिस्ट्रिक्ट को मिला है। उसमें एक गयाजी भी शामिल है। उन्होंने कहा कि लड़कियों को बेहतर खेल का प्रदर्शन करने का यह सुनहरा मौका है ताकि वे निशुल्क ट्रेनिंग के लिए चुने जा सकें और फिर उन्हें पटियाला में निशुल्क ट्रेनिंग दी जाएगी। जहां से उनका चयन नेशनल गेम के लिए होगा। गयाजी एथेलिटिक्स एसोसिएशन के अध्यक्ष जितेंद्र कुमार ने बताया कि खेल का शुभारंभ हो गया है। प्रतिभागी अपना दमखम दिखा रहे हैं। संघ से जुड़े मोती करीमी ने कहा कि यह गया के लिए सुनहरा अवसर है। इस लीग जिले के 30 स्कूलों ने अपना पंजीकरण कराया है। उन स्कूलों की लड़कियां गेम में अपनी प्रतिभा दिखा रही हैं। जिला एथलेटिक्स संघ इसे जिले में महिला एथलेटिक्स की सबसे बड़ी शुरुआत मान रहा है।

सीमांचल क्षेत्र के 2 दिवसीय दौरे पर ओवैसी

किशनगंज। सीमांचल क्षेत्र के 2 दिवसीय दौरे पर ओवैसीऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी बिहार के सीमांचल क्षेत्र के दो दिवसीय दौरे पर हैं। इस दौरान वे किशनगंज, कटिहार, पूर्णिया और अररिया जिलों में विभिन्न कार्यक्रमों और जनसभाओं को संबोधित कर रहे हैं। उनका यह दौरा बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में AIMIM द्वारा पांच सीटों पर जीत हासिल करने के बाद हो रहा है। दौरे के पहले दिन, ओवैसी सुबह 11 बजे बागडोगरा एयरपोर्ट पहुंचे, जहां पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। इसके बाद उन्होंने कटिहार के बलरामपुर में एक कार्यक्रम को संबोधित किया। पूर्णिया के बायसी और अमौर में जनसभाओं को संबोधित करने के बाद, उन्होंने किशनगंज के दफ्तरी में रात्रि विश्राम किया। बहादुरगंज में जनसभा को करेंगे संबोधित दौरे के दूसरे दिन, यानी आज शनिवार को असदुद्दीन ओवैसी किशनगंज जिले के कोचाधामन विधानसभा क्षेत्र के रहमतपाड़ा स्थित ईदगाह मैदान में सुबह 10 बजे एक जनसभा को संबोधित करेंगे। इसके बाद वे दोपहर 1 बजे तक अररिया जिले के जोकीहाट में रहेंगे।

राजा बिगहा में प्रदर्शनकारियों सड़क जाम किया

गया। जिले के फतेहपुर थाना क्षेत्र के राजा बिगहा में सड़क जाम करने के मामले में पुलिस ने केस दर्ज किया है। इस घटना में 12 लोगों को नामजद किया गया है, जबकि 130 अज्ञात लोगों पर भी एफआईआर दर्ज की गई है। यह सड़क जाम संतोष कुमार नामक व्यक्ति की मौत के बाद मुआवजे की मांग को लेकर किया गया था। प्रदर्शनकारियों ने मोहनपुर-पहाड़पुर सड़क मार्ग को करीब सात घंटे तक जाम रखा, जिससे आम जनता को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। इस दौरान पुलिस के विरोध में नारेबाजी भी की गई। फतेहपुर पुलिस ने यह केस एसआई हसन इमाम खां के बयान पर दर्ज किया है।नामजद लोगों में मेराज मलिक, पूर्व मुखिया अफजाल अंसारी, मिथलेश यादव, आशीष कुमार, दिनेश यादव और लखन यादव शामिल हैं। सभी आरोपियों पर बीएनएस की धारा 191(2), 132 और 223 के तहत मामला दर्ज किया गया है। एसआई हसन इमाम खां ने बताया कि उन्हें राजा बिगहा में एक व्यक्ति के पानी में डूबने की सूचना मिली थी, लेकिन मौके पर पहुंचने पर ग्रामीणों ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए ले जाने से रोक दिया था।यह घटना गुरुवार को हुई थी, जब टैगनी गांव निवासी संतोष कुमार की राजा बिगहा आहर में डूबने से मौत हो गई थी। परिजनों का आरोप है कि गया के उत्पाद विभाग की टीम संतोष को पकड़ने का प्रयास कर रही थी, जिसके दौरान वह आहर में गिर गया और उसकी मौत हो गई। हालांकि, संतोष की मौत के संबंध में परिजनों द्वारा अभी तक कोई लिखित शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है।

ओपन शर्ट, जींस-क्रॉक्स में पहले दिन मंत्रालय पहुंचे दीपक प्रकाश

पटना। बिहार में नई नीतीश सरकार एक्शन में आ गई है। कल शुक्रवार को बंटे विभाग के बाद मंत्री अपने-अपने विभाग का पदभार ग्रहण करने पहुंचने लगे हैं।सीधे मंत्री पद से राजनीति में एंट्री करने वाले उपेंद्र कुशवाहा के बेटे दीपक प्रकाश पंचायती राज विभाग का जिम्मा संभालने पहुंचे। पहले दिन वो ऑफ व्हाइट कलर की ओपन शर्ट, ब्लू जींस और क्रॉक्स में मंत्रालय आए। उन्होंने विभाग का पदभार लिया।मंत्री दीपक प्रकाश पहले तो मीडिया से बात करने को तैयार नहीं दिखे, कहा कि अपनी प्रतिक्रिया बाद में देंगे। लेकिन आग्रह करने पर वो तैयार हुए। बाइट देने के लिए खड़े हुए फिर बैठ गए और मंत्रालय के कर्मचारी से पीने के लिए पानी मांगा।वहीं करीब 11 बजे ग्रामीण कार्य विभाग का पदभार मंत्री अशोक चौधरी ने संभाल लिया। जबकि कई मंत्री शनिवार को पदभार ग्रहण करने से बच रहे हैं, ताकि शनिचरा ग्रह ना हावी हो जाए। कुछ मंत्रियों को शुभ मुहूर्त का इंतजार है।बीजेपी ऑफिस पहुंचे उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा, 'भाजपा के नेतृत्व और नीतीश कुमार के निर्देशन ने मुझे बिहार में गृह मंत्री के तौर पर काम करने का मौका दिया। नीतीश कुमार ने लगातार बिहार में सुशासन स्थापित किया है।नीतीश कुमार के मार्गदर्शन में हमेशा सुशासन होगा। बिहार के सुशासन ने यहां हमेशा अराजकता को समाप्त किया है। बिहार अपराधियों के लिए नहीं है। यहां से अपराधियों को बाहर जाना होगा।'सम्राट चौधरी समेत कई मंत्री सोमवार को पदभार ग्रहण करेंगेसम्राट चौधरी सोमवार दोपहर 1 बजे पद संभालेंगे। एक बार फिर लघु जल संसाधन विभाग की जिम्मेदारी संभाल रहे जीतन राम मांझी के बेटे संतोष सुमन भी सोमवार को पदभार ग्रहण करने वाले हैं।विभाग के कई मंत्री हैं जो शनिवार को विभाग का मंत्री पदभार ग्रहण करने के बजाय सोमवार को करेंगे। भू राजस्व विभाग एवं खनन विभाग के जिम्मेदारी संभाल रहे विजय सिंह सोमवार को 11 बजे से 12 बजे के बीच विभाग का पदभार लेंगे।पथ निर्माण विभाग और नगर विकास विभाग मंत्री नितिन नवीन भी सोमवार को पदभार लेंगे। जानकारी के मुताबिक नितिन नवीन निजी कार्यक्रम में राजस्थान गए हैं ,जहां से वे रविवार को लौटेंगे। बीजेपी के विधायक और बिहार में कृषि विभाग की जिम्मेदारी संभालने वाले रामकृपाल यादव सोमवार को लगभग 11:50 बजे अपना पदभार लेंगे। स्वास्थ्य और विधि विभाग की जिम्मेदारी लेने वाले मंगल पांडे भी सोमवार दोपहर में ही पदभार लेंगे। रामकृपाल यादव ने कहा, मैं सबसे पहले सीएम नीतीश का आभार व्यक्त करता हूं। जिन्होंने इतनी बड़ी जिम्मेदारी दी है। किसानों के लिए मैं काम करूंगा। किसानों की आमदनी बढ़ी है। और क्या किया जा सकता है, वो करेंगे। केंद्र की सरकार 6 हजार रुपए किसानों को देती है। बिहार सरकार ने भी 3 हजार का प्रावधान किया है। कुल 9 हजार खाते में जा रहे हैं। जब तक किसान खुशहाल नहीं होगा, बिहार खुशहाल नहीं होगा। आर्थिक व्यवस्था दुरुस्त हो इसके लिए किसान को खुशहाल करना होगा। मैं 2 दिन में पदभार ग्रहण करूंगा। मैं किसान का बेटा हूं। उनकी दिक्कतों को समझता हूं। हर किसान को लाभ मिले उसके लिए काम हुआ है। श्रेयसी ने कहा, खिलाड़ी के रूप में मेरा 18 साल का अनुभव रहा है। अच्छा काम करेंगे दिखाएंगे। बिहार सरकार खेल के क्षेत्र में काम कर रही है। उसे आगे बढ़ाना है। नई नीतियों और उर्जा के साथ हमें खिलाड़ियों का सहयोग करना है।विभाग संभालने के बाद मंत्री दीपक प्रकाश ने कहा, हमारे देश की राजनीतिक व्यवस्था में पंचायती राज संस्थाओं का एक अहम स्थान है। पीएम नरेंद्र मोदी और सीएम नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार सरकार के पंचायती राज मंत्री के रूप में काम करने का मौका मिल रहा है। मेरी कोशिश रहेगी कि पंचायती राज संस्थान इस तरह से काम करे कि बिहार के गांव में एक-एक व्यक्ति तक इसकी शक्ति पहुंचे। इन सभी काम के लिए जिस तरह की नई पहल की जरूरत होगी, वो किए जाएंगे। सभी से सहयोग की अपेक्षा है।अशोक चौधरी ने कहा कि ग्रामीण सड़कों का निर्माण, पुल-पुलिया का निर्माण बड़ी चुनौती है।पिछले साल कई नई योजनाओं की शुरूआत हुई थी। चुनाव के पहले काम कराना था। बारिश कारण बना। उन काम को धरातल पर उतारना चुनौती है।सड़कों का निर्माण, चौड़ीकरण करना। बहुत जगह ट्रैफिक बढ़ गया है। सड़कें डबल लेन होंगी। बाबा का आशीर्वाद है तो सब मुहूर्त है नहीं है तो नहीं है।शुक्रवार को हुए विभाग बंटवारे में 20 साल बाद नीतीश कुमार ने गृह विभाग छोड़ा है। ये विभाग अब BJP के पास चला गया है। डिप्टी CM सम्राट चौधरी गृह विभाग की जिम्मेदारी संभालेंगे। BJP ने वित्त विभाग खत्म को दिया है। बिजेंद्र यादव ऊर्जा के साथ वित्त विभाग का जिम्मा भी संभालेंगे। इसके साथ ही मंगल पांडे को फिर से स्वास्थ्य विभाग का जिम्मा सौंपा गया है। नई सरकार के गठन के बाद नीतीश कैबिनेट की पहली बैठक 25 नवंबर को होगी, जिसमें सभी मंत्री मौजूद रहेंगे।

संक्षिप्त डायरी

बेटे की खून से सनी लाश लिए बैठी रही

मोतिहारी। सुबह में मेरी आंख खुली तो ठंड का एहसास हुआ। अभी ठीक से जागी भी नहीं थी कि बड़े जोर से रोने की आवाज सुनाई दी। इसपर मैं दौड़कर बाहर निकली तो एक युवक हड़बड़ी में तेजी से भागता हुआ नजर आयावह देखने के लिए मैं दौड़कर अपने नए घर पर गई। इतने में मेरी बहू भी बदहवास भागती हुई वहां पहुंची, जहां मैं खड़ी थी। तभी उसकी नजर चापाकल पर खून से लथपथ मेरे बड़े बेटे के शव पर पड़ी, जिससे लिपटकर वो दहाड़-दहाड़कर रोने लगी। कुछ देर के लिए मुझे अपनी आंखों पर यकीन नहीं हुआ।'VIP के नेता कामेश्वर सहनी की बूढ़ी मां जनाशी कुंअर ये कहते हुए फफक-फफक कर रोने लगी। इस दौरान वो कई बार बेहोश भी हुई।कामेश्वर सहनी की शुक्रवार को सुबह 3 अज्ञात बाइक सवार अपराधियों ने गोली मारकर हत्या कर दी। सहनी का खून से लथपथ शव देख उसकी मां-पत्नी बदहवास होकर रोने लगी। खबर गांव में आग की तरह फैली। देखते ही देखते सैकड़ों लोगों की भीड़ जमा हो गई।गांव में दाखिल होते ही मातमी सन्नाटा पसरा था। बस खामोशी ही खामोशी छाई थी। हर किसी के चेहरे पर उदासी थी। कोई कुछ नहीं बोल रहा था। इसी बीच एक बुजुर्ग से सामने आए। पहले तो वो थोड़ा दूरी बनाते दिखे, लेकिन जब उन्हें पता चला की हम बाहर से आए हैं, तब वो ऑफ कैमरे बोलने के लिए तैयार हुए। काफी टालमटोल करने के बाद वो बोले- 'जो जैसा करेगा, उसके साथ वैसा ही होता है।' इसके तुरंत बाद वो थोड़ा रुक कर बोले- गांव में उनका व्यवहार काफी बढ़िया था। सभी के सुख दुख में हमेशा खड़े रहते थे, लेकिन उनका बाहरी काफी दुश्मन थे। ये दुश्मनी ही उनकी हत्या का कारण बनी। कुछ आगे बढ़ने पर एक दुकान पर कुछ लोग बैठे दिखाई दिए। हमें अपनी ओर आता देख सभी चुप हो गए। खैर, कुछ देर शांत रहने के बाद वो हमारे साथ सामान्य हो गए और बात करना शुरू किया। उनका कहना था कि कामेश्वर का गांव में कोई दुश्मन नहीं था। उनकी हत्या किसी बाहरी ने कराई है। ये भी हो सकता है गांव का कोई लाइनर की भूमिका निभाया हो। कामेश्वर के घर पहुंचने पर हमारी मुलाकात कामेश्वर की मां जनाशी कुंअर से हुई, जिन्होंने उस हत्यारे को देखा था, जिसने उनके लाल को गोली से छलनी कर दिया था। उन्होंने बताया की वह घर से बाहर निकली थीं, तभी गोली चलने की आवाज आई। लगातार 6 से 7 गोली चलने की आवाज सुनाई दी। मानें ऐसा लगा जैसे कि कोई पटाखा फोड़ रहा है। इन आवाजों को सुनने के बाद अपने नए घर पर पहुंची। तो देखा कि मुंह बांधे एक युवक भाग रहा था। मैं अपने नए घर के हाते में गई, तो मुझे कोई नहीं दिखा। पोता सब सोये हुए थे, वह बाहर आ कर पूछने लगे कि इतनी सुबह किसने पटाखा जलाया है। तब तक मेरी बड़ी बहू आई और उसकी नजर नल के पास पड़े मेरे बेटे के खून से लथपथ शव पर पड़ी।

'सर ने शरीर पर हाथ डाला, कहा- मुझे किस दो

बेगूसराय। प्रिंसिपल सर के ऑफिस में हम छुट्टी मांगने गए, तो उन्होंने अपने पास बुलाया। हम उनके पास गए, तो वो मेरे शरीर पर हाथ डालने लगे। पहले लगा कि बेटी की तरह प्यार कर रहे हैं, फिर उन्होंने मेरे पीछे हाथ डाला। फिर पूछे लगे कि हम कुछ करते है तो तुम किसी को बताते भी हो क्या? हमने डर से कहा- नहीं, लेकिन हम अपनी फ्रेंड से सारी बात शेयर करते थे। सर ने कहा कि मुझे किस दो। फिर मेरा हाथ पकड़ कर अपने सिर पर रखा और कसम खिलाई कि ये सब बात किसी को नहीं बताओगी।घर पहुंचे तो अपने गार्जियन को घटना की जानकारी दी। सर हमेशा ऐसा ही करते थे। कहते थे कि तुम किसी को कोई बात मत बताना। ये सब हम दोनों के बीच का मैटर है। डीएम साहब ऐसे शिक्षक को सस्पेंड कर दें। तीन-चार लड़कों के साथ वह लगातार गलत व्यवहार कर रहे थे। लेकिन बहुत हो गया, तो अपने गार्जियन को बताना पड़ा।'बेगूसराय में सरकारी स्कूल में 9वीं कक्षा की छात्रा ने प्रभारी हेड मास्टर अनिल कुमार अनल पर छेड़खानी का आरोप लगाते हुए ये बातें कही हैं। छात्राओं से छेड़खानी की जानकारी मिलते ही गुरुवार को ग्रामीण स्कूल पहुंच गए और जमकर हंगामा किया। गुस्साए लोगों ने हेड मास्टर को बंधक बनाया और जमकर मारपीट की।9वीं क्लास की पीड़ित छात्रा ने बताया कि, हम लोग पहली क्लास से इसी स्कूल में पढ़ते आ रहे हैं, कभी कोई परेशानी नहीं हुई। सभी शिक्षक पढ़ाने के साथ-साथ परिवार के बच्चों जैसा व्यवहार करते हैं। लेकिन, जब से अनिल सर प्रिंसिपल बनकर आए हैं, हालात बदल गए है।जिम्मेदारी संभालने के कुछ दिन बाद से ही वो हम लोगों को परेशान करने लगे। किसी भी काम के लिए उनके पास जाते थे, तो वो शरीर पर हाथ रख देते थे। शुक्रवार को भी वे शरीर पर हाथ रखने लगे।पीड़िता ने बताया कि, घटना वाले दिन मम्मी ने मुझे जरूरी काम से दोपहर में घर आ जाने के लिए कहा था। इसलिए प्रिंसिपल सर के पास छुट्टी मांगने गए, तो वह मुझसे छेड़खानी करने लगे।लड़कियों के शरीर पर अधिक ध्यान रखते है प्रिंसिपलएक अन्य छात्रा ने बताया कि, प्रिंसिपल बनकर जब से अनिल सर आए हैं, पढ़ाने से अधिक छात्राओं के शरीर पर ध्यान रखते हैं। किसी काम से ग्रुप में उनके पास जाते हैं, तो कोई बात नहीं करते है। लेकिन अकेले में उनके ऑफिस जाते हैं तो शरीर पर इधर-उधर हाथ रखकर बात करते हैं।9वीं क्लास की एक अन्य छात्रा ने बताया कि, प्रिंसिपल सर का व्यवहार अमर्यादित है। वो हमेशा बैड टच करने के चक्कर में रहते हैं। तीन-चार दिन पहले तो सर ने हद कर दी। ऑफिस में गए तो संतरा छिलने को कहा और संतरा के बहाने गंदी बात शुरू कर दी, जिसके बाद हम लोग निकल गए।प्रिंसिपल अनिल कुमार विभूतिपुर प्रखंड क्षेत्र के महथी गांव के रहने वाले हैं। उनकी नियुक्ति नियोजित शिक्षक के रूप में हुई थी और खोदावंदपुर प्रखंड के परियोजना बालिका विद्यालय में पोस्टेड थे।बिहार सरकार के शिक्षा विभाग की ओर से प्रधान शिक्षक की वैकेंसी निकाली तो उन्होंने आवेदन भरा था। प्रधान शिक्षक के पद पर चयन होते ही उन्हें उत्क्रमित माध्यमिक विद्यालय मसुराज में पोस्टेड किया गया था।पुलिस ने दर्ज किया मामलाइस मामले में डीएसपी नवीन कुमार के नेतृत्व में पुलिस ने आरोपी से पूछताछ किया गया। खोदावंदपुर थानाध्यक्ष चंदन कुमार ने बताया कि शुक्रवार को एक गार्जियन के आवेदन पर मामला दर्ज कर आरोपी शिक्षक को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।ग्रामीणों के अनुसार 10-12 लड़कियां शिक्षक के व्यवहार से परेशान थीं। आरोपी प्रिंसिपल के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए।

सीएम योगी बोले: माघ मेले में 15 करोड़ लोग आएंगे

800 हेक्टेयर में बसेगा, प्रयागराज में जज की बेटी की शादी में शामिल हुए

प्रयागराज। सीएम योगी ने प्रयागराज में स्टीमर से माघ मेले की तैयारियों को देखा। पक्षियों को दाना खिलाया। 11 ब्राह्मणों के मंत्रोच्चार के बीच संगम नोज पर गंगा पूजन किया। मां गंगा को दूध अर्पित किया। फिर अफसरों के साथ माल मेले की समीक्षा की। 9 महीने बाद मैंने गंगा पूजन किया। माघ मेले की तैयारी शुरू हो चुकी है। 2024 की तुलना में इसका दायरा बढ़ाया गया है। इस बार माघ मेला 800 हेक्टेयर में बसेगा और 12से15 करोड़ लोग संगम में स्नान करेंगे। सीएम सुबह 10 बजे प्रयागराज के बमरौली एयरपोर्ट पहुंचे। वहां से सबसे पहले योगी सिविल लाइंस के होटल कान्हा-श्याम पहुंचे। यहां हाईकोर्ट के सीनियर जज एम.सी. त्रिपाठी की बेटी के शादी कार्यक्रम में शामिल हुए। योगी ने दूल्हा-दुल्हन को आशीर्वाद दिया। करीब 30 मिनट तक कार्यक्रम में रुकने के बाद भाजपा विधायक हर्षवर्धन बाजपेयी के घर पहुंचे। यहां पास में ही बनाए गए एक मंदिर के प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम में शामिल हुए। यहां से सीधे सीएम माघ मेला क्षेत्र पहुंचे और लेटे हनुमान मंदिर में पूजा-अर्चना की। इससे पहले, सीएम 31 मई को प्रयागराज पहुंचे थे। इलाहाबाद हाईकोर्ट परिसर में अधिवक्ता चैंबर और मल्टीलेवल पार्किंग भवन का उद्घाटन किया था। महाकुंभ के बाद यह पहला माघ मेला है। योगी सरकार की तैयारी माघ मेले को भी भव्य बनाने की है। इसके लिए प्रयागराज प्रशासन ने अभी से तैयारी शुरू कर दी है। गंगा में पांटून पुल बनाए जा रहे हैं। सीएम योगी ने बताया कि CCTV और एआई कैमरों से मेले की मॉनिटरिंग की जाएगी। श्रद्धालुओं के लिए 3800 बसें चलाई जाएंगी। इसमें परिवहन निगम की 3000 बसें भी रहेंगी। 75 शटल बस मेला क्षेत्र के अंदर, सिटी से मेला क्षेत्र में जाने और मेला क्षेत्र से सिटी तक लाने-ले जाने के लिए इलेक्ट्रिक बस भी रहेंगी। 200 बसें रिजर्व में रहेंगी। टेंट सिटी का भी निर्माण किया जा रहा है। सीएम योगी ने बताया कि नगर विकास द्वारा पर्याप्त शौचालय, स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था प्रारंभ कर दी गई है। मेले के दौरान 25 हजार शौचालय, 8 हजार डस्टबिन, 10 लाख से अधिक लाइनर बैग, 20 सक्शन गाड़ियां, 3000 सफाईकर्मी तैनात रहेंगे। मेला पुलिस अधीक्षक के साथ ही पहले चरण में एडिशनल एसपी, सीओ, इंस्पेक्टर समेत अन्य पुलिसकर्मियों की तैनाती हो चुकी है। शेष की तैनाती प्रक्रिया कार्रवाई चल रही है। पुलिस लाइन के निर्माण कार्य को बढ़ाया जा चुका है। मेला क्षेत्र में 17 थाने, 42 पुलिस चौकी, 20 फायर टेंडर, 7 अग्निशमन चौकी, अग्निशमन के 20 वाच टावर, एक जल पुलिस थाना, एक जल पुलिस कंट्रोल रूम और 4 जल पुलिस सब कंट्रोल रूम स्थापित किए जाने हैं। 8 किमी. का डीप वाटर बैरिकेडिंग भी यूपी पुलिस द्वारा लगाया जाएगा। सीएम योगी ने कहा- मेले की की प्रगति युद्ध स्तर पर है। कल्पवासियों और श्रद्धालुओं के साथ पूरे आयोजन को भव्यता-दिव्यता के साथ संपन्न करेंगे। माघ मेले की तिथि 15 दिन पहले आ रही है। तीन जनवरी को पौष पूर्णिमा, 15 जनवरी को मकर संक्रांति, 18 जनवरी को मौनी अमावस्या, 23 जनवरी को बसंत पंचमी, पहली फरवरी को माघ पूर्णिमा व 15 फरवरी को महाशिवरात्रि (छह प्रमुख स्नान) होंगे। माघ मेले के दृष्टिगत यूपी सरकार के सभी संबंधित विभागों को जोड़ा गया है। सिंचाई विभाग बाढ़ निरोधक उपाय करने के साथ ही जल की उपलब्धता सुनिश्चित करेगा। अभी संगम में 19-20 हजार क्यूसेक शुद्ध जल की उपलब्धता है, लेकिन उस समय भी 10 हजार क्यूसेक जल की उपलब्धता निरंतर बनी रहे, विभाग यह प्रयास कर रहा है। नमामि गंगे को जल की शुद्धता की जिम्मेदारी सौंपी गई है। पावर कॉर्पोरेशन नियमित विद्युत आपूर्ति के साथ-साथ इलेक्ट्रिक सेफ्टी की व्यवस्था करेगा। यूपी पावर कॉर्पोरेशन द्वारा मेला क्षेत्र में 47 किमी. की एचटी और 360 किमी. की एलटी लाइन बिछाने और 25 अस्थायी सब स्टेशन बनाने का कार्य भी प्रारंभ हो चुका है। पीडब्ल्यूडी कनेक्टिंग मार्ग के साथ ही अंदर के मार्गों की भी व्यवस्था देखेगा। आवागमन में दिक्कत न हो, इसके लिए विभाग सात पांटून ब्रिज, लगभग 160 किमी. के दायरे में चकर्ड प्लेट बिछाएगा। उप्र जल निगम द्वारा 242 किमी. की पेयजल पाइप लाइन बिछाने का कार्य प्रारंभ हो गया है। 85 किमी. की सीवर लाइन बिछाने की कार्रवाई होगी, जिससे सीवर के एक भी बूंद का रिसाव गंगा-यमुना जी में न होने पाए। श्रद्धालुओं के उपचार के लिए 20-20 बेड के दो हॉस्पिटल बनाए जा रहे हैं। 12 पीएचसी प्राथमिक स्वास्थ्य हेल्प सेंटर के रूप में लोगों को सुविधा उपलब्ध कराएंगी। एक वेक्टर कंट्रोल यूनिट, पांच आयुर्वेदिक- पांच होमियोपैथिक चिकित्सालय की स्थापना, 50 एंबुलेंस की भी व्यवस्था रहेगी। 9 महीने बाद मैंने गंगा पूजन किया। माघ मेले की तैयारी शुरू हो चुकी है। 2024 की तुलना में इसका दायरा बढ़ाया गया है। इस बार माघ मेला 800 हेक्टेयर में बसेगा और 12से15 करोड़ लोग संगम में स्नान करेंगे। माघ मेला क्षेत्र में पहले चरण की पुलिस तैनाती पूरी की जा चुकी है और शेष बल की तैनाती जारी है। पुलिस लाइन के निर्माण का काम भी शुरू करा दिया गया है। सुरक्षा के लिए कुल 17 थाने, 42 पुलिस चौकियां, एक जल पुलिस थाना, एक मुख्य कंट्रोल रूम, एक जल पुलिस थाना और एक सब कंट्रोल रूम स्थापित किया जाएगा। संगम और स्नान क्षेत्र में आठ किलोमीटर डीप वॉटर बैरिकेडिंग कराई जाएगी। आग की घटनाओं से निपटने के लिए 20 फायर टेंडर और सात अग्निशमन चौकियां बनाई जा रही हैं। 20 अग्निशमन वॉच टावर भी स्थापित होंगे। नगर विकास विभाग मेला क्षेत्र में 400 एआई सक्षम सीसीटीवी कैमरे लगा रहा है ताकि भीड़ घनत्व विश्लेषण, क्राउड मैनेजमेंट और घटना रिपोर्टिंग तुरंत की जा सके। माघ मेले की तैयारियों को लेकर सीएम ने अफसरों के साथ बैठक की। बैठक में मंडलायुक्त सौम्या अग्रवाल, डीएम मनीष वर्मा और कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल नंदी मौजूद रहे। अब सीएम प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगे। सीएम योगी ने कहा कि माघ मेला को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए सभी विभाग लगातार काम कर रहे हैं और श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होने दी जाएगी। अंतर जनपदीय और अंतरराज्यीय यातायात योजना तैयार कर ली गई है। मेला अवधि में 3800 बसें चलाई जाएंगी, जिनमें 3000 परिवहन निगम की बसें होंगी। शहर से मेला क्षेत्र के लिए 75 शटल बसें चलाई जाएंगी। 200 अतिरिक्त बसें रिजर्व में रहेंगी। संगम में इस समय 19 हजार से 20 हजार क्यूसेक जल उपलब्ध है। मेला अवधि में न्यूनतम 10 हजार क्यूसेक जल आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी। नमामि गंगे को जल की शुद्धता बनाए रखने की जिम्मेदारी दी गई है। सिंचाई विभाग जल उपलब्धता, बाढ़ निरोधक उपाय और शुद्ध पेयजल आपूर्ति की व्यवस्था करेगा। पीडब्ल्यूडी को 160 किलोमीटर क्षेत्र में चेकर्ड प्लेट बिछाकर अस्थाई रास्तों के निर्माण का कार्य सौंपा गया है। यूपी जल निगम 242 किलोमीटर पाइपलाइन और 85 किलोमीटर सीवर लाइन बिछा रहा है ताकि सीवेज का एक भी बूंद गंगा और यमुना में न पहुंच सके। यूपी पावर कॉरपोरेशन 45 किलोमीटर एचटी लाइन, 307 किमी एलटी लाइन और 25 अस्थायी सब स्टेशन स्थापित कर रहा है। अधिकारियों को विद्युत आपूर्ति और इलेक्ट्रिक सेफ्टी सुनिश्चित करने के निर्देश दिये गये हैं। स्वास्थ्य विभाग की ओर से दो 20-20 बेड के अस्थायी अस्पताल तैयार किए जा रहे हैं। इसके अलावा 12 पीएचसी, एक वेक्टर कंट्रोल यूनिट, पांच आयुर्वेदिक और पांच होम्योपैथिक चिकित्सालय भी संचालित होंगे। 50 एंबुलेंस हर समय उपलब्ध रहेंगी।

संक्षिप्त डायरी

मुलायम सिंह किसानों और गरीबों की आवाज बने

संवाददाता

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर समाजवादी पार्टी कार्यालय हमीरपुर में समाजवादी पार्टी के संस्थापक पूर्व रक्षामंत्री पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव की जयंती जिलाध्यक्ष इदरीश खान की अध्यक्षता में पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ मनाई गई।इस मौके पर पूर्व अध्यक्ष कोऑपरेटिव बैंक माननीय पुष्पेंद्र यादव ने नेता जी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज हम सब एक ऐसे व्यक्तित्व की जयंती मनाने के लिए एकत्र हुए हैं, जिनका नाम मात्र लेने से संघर्ष, सादगी, साहस और समाज सेवा की पूरी पुस्तक जीवंत हो उठती है। नेताजी का जीवन किसी साधारण नेता की कहानी नहीं था।नेता जी साधारण परिवार से उठकर असाधारण ऊँचाइयों तक पहुँचे।किसान के घर जन्म लेकर पूरे देश के किसानों की आवाज बने।गाँव की पगडंडियों से चलकर विधानसभा, लोकसभा, मुख्यमंत्री और रक्षा मंत्री तक पहुँचने वाला यह सफर बताता है कि मेहनत, संघर्ष और जनता का भरोसा किसी भी व्यक्ति को कहाँ तक ले जा सकता है।नेताजी ने हमेशा सामाजिक न्याय की लड़ाई लड़ी।उन्होंने सबसे पहले कहा कि समाज तभी आगे बढ़ेगा जब कमजोर को उसका हक मिलेगा और मजदूर-किसान को सम्मान मिलेगा।यही कारण है कि उनका नाम आज भी गाँव-गाँव, खेत-खेत, नौजवानों और बुजुर्गों के दिलों में बसता है।आज नेता जी की जयंती पर हमारा संकल्प होना चाहिए कि हम नेताजी की विरासत को केवल शब्दों में नहीं बल्कि अपने कर्मों में जिएँगे।हम उनकी तरह संघर्ष करेंगे, उनकी तरह बोलेंगे, और उनकी तरह जनता की सेवा करेंगे।नेताजी सिर्फ एक नाम नहीं, एक विचारधारा हैं।नेताजी सिर्फ एक नेता नहीं, एक युग हैं।और युग कभी समाप्त नहीं होते।अन्य वक्तागणों ने अपने अपने विचार व्यक्त किए।इस मौके पर राम प्रकाश प्रजापति पूर्व प्रत्याशी विधानसभा हमीरपुर,ओम प्रकाश सोनकर चारसी प्रदेश सचिव,लाल सिंह यादव राष्ट्रीय सचिव लोहिया वाहिनी, सैयद उमर जिला सचिव, राघवेन्द्र यादव लकी नगर अध्यक्ष, लल्ला प्रधान पूर्व प्रधान, मृगांक मिश्रा पूर्व प्रत्याशी नगर पालिका परिषद, रिजवान खान जिलाध्यक्ष अल्प संख्यक सभा, सूर्य प्रताप यादव नगर उपाध्यक्ष, मो जुनैद,बीटू यादव प्रदेश सचिव युवजन सभा मौजूद रहे।

एसडीएम ने प्राथमिक विद्यालय माली टोला के शिक्षकों को दिया प्रशस्ति पत्र

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। स्वच्छता, उपस्थिति व नामांकन को लेकर अग्रणी बने कसया विकास खण्ड के प्राथमिक विद्यालय माली टोला के समस्त शिक्षकों को एसडीएम डॉ.संतराज बघेल ने पुरस्कृत किया। एसडीएम ने शिक्षकों को माला पहनाकर व प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया और आगे भी बेहतर कार्य करते रहने की अपेक्षा की। शनिवार को बीआरसी पर हुए कार्यक्रम में एसडीएम ने प्रधानाध्यापक महेश कुमार, शिक्षिका पूनम रानी, ममता यादव व रवि प्रकाश यादव को सम्मानित किया। कहा कि इन शिक्षकों से अन्य विद्यालयों के शिक्षकों को प्रेरणा लेकर कार्य करना चाहिए। प्राथमिक शिक्षा राष्ट्र की नींव है। शिक्षकों को अपने कर्तव्य का भान होना चाहिए तभी देश मजबूत बना रहेगा। बीईओ अशोक कुमार यादव ने बताया कि वर्तमान सत्र में सर्वाधिक 56 छात्रों का नामांकन इस विद्यालय में हुआ है। अनवरत स्वच्छ वातावरण के बीच छात्रों की 90 प्रतिशत उपस्थिति बनी रहती है। राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के मंडलीय अध्यक्ष राजेश शुक्ला ने परिणाम को शिक्षकों की कड़ी मेहनत व लगन से कार्य करना बताया। एसआरजी रामप्रकाश पांडेय , एआरपी शैलेश कुमार, आशुतोष दूबे, आरती दूबे, हरेन्द्र चौरसिया, इकबाल हुसैन, मीना सिंह, मीना सिंह, कृष्णमोहन, रविन्द्र टैगोर, संजय यादव, सुनील गुप्ता, गोपाल यादव, राजकिशोर सिंह नसरीन अख्तर रेनू सिंह आदि शिक्षकों ने पुरस्कृत शिक्षकों को बधाई दी।

स्व. राज मंगल पांडेय ने किया जीवन पर्यंत शुचिता, मयार्दा व मूल्यों का पालन: दुर्गेश राय

संवाददाता

कुशीनगर। पूर्व केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री प.राजमंगल पांडेय की 32 वीं पुण्य तिथि पर लोगो ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। जनप्रतिनिधियों ने स्व.पांडेय के व्यक्तित्व व कृतित्व को अनुकरणीय बताया व जनता की भलाई के लिए उनके दिखाए रास्तों पर चलने का संकल्प व्यक्त किया। शनिवार को सपहा स्थित मिलेनियम इंटरनेशनल स्कूल परिसर में स्व.पांडेय के पुत्र पूर्व सांसद राजेश पांडेय की अगुआई में आयोजित श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष दुर्गेश राय ने कहा कि स्व.पांडेय का व्यक्तित्व विराट था। वह वचन के धनी थे, जो कहा वह किया। राजनीति में रहते हुए उन्होंने जीवन पर्यंत शुचिता, मयार्दा व मूल्यों का पालन किया। विधायक पी एन पाठक ने कहा कि स्व. पांडेय ने हजारों की संख्या में लोगों को रोजगार देने का कार्य किया। फाजिलनगर के विधायक सुरेन्द्र कुशवाहा, हाटा के विधायक मोहन वर्मा ने श्रद्धांजलि अर्पित की। पूर्व सांसद राजेश पाण्डेय ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। इसी क्रम में नगरपालिका परिषद द्वारा सपहा चौराहे पर लगाए गए स्व.पांडेय की प्रतिमा पर भी माल्यार्पण हुआ। इस अवसर पर भाजपा के वरिष्ठ नेता लल्लन मिश्र, जिला उपाध्यक्ष अवधेश प्रताप सिंह, गन्ना समिति के अध्यक्ष सतीश मणि त्रिपाठी, पूर्व एडीजीसी प्रभुनाथ मिश्र व अभय त्रिपाठी, पत्रकार विनयकांत मिश्र, कपिंद्र पांडेय,विशाल गुप्ता,अमरचंद जायसवाल,ज्ञानी जायसवाल, पुनीत पांडेय, प्रवीण पांडेय, सोनू दूबे, मंटू मिश्रा समेत अनेक लोगों ने श्रद्धासुमन अर्पित किया।

जयंती: स्व.मुलायम सिंह यादव ने देश के विकास में दिया अहम योगदान: हसमुद्दीन अंसारी

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। पूर्व केंद्रीयमंत्री, समाजवादी पार्टी के संस्थापक, पूर्व मुख्यमंत्री स्व. मुलायम सिंह यादव की जयंती नपाप कुशीनगर के सिसवा - महंथ चौराहे पर मनाई और उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया गया। शनिवार को आयोजित जयंती कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संतोष यदुवंशी ने कहा कि समाजवाद के पुरोधा स्व. मुलायम सिंह यादव किसान, मजदूर और निर्बल वर्ग को न्याय दिलाने के लिए आजीवन संघर्ष करते रहे। प्रदेश कार्य समिति सदस्य और पूर्व ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि फाजिलनगर हसमुद्दीन अंसारी ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री स्व.मुलायम सिंह यादव ने देश के विकास में अहम योगदान दिया।प्रदेश में राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के नेतृत्व में पार्टी 2027 में सत्ता परिवर्तन होने जा रहा है। इसलिए मतदाता सर्वेक्षण फॉर्म जमा करने में आप सभी सहयोग करें ताकि किसी पात्र का नाम न कटे। इससे पूर्व राष्ट्रीय प्रवक्ता श्री यादव और प्रदेश समिति सदस्य श्री अंसारी का माल्यार्पण कर समाजवादी अधिवक्ता सभा के जिलाध्यक्ष एड उदयभान यादव, वरिष्ठ नेता केदारनाथ यादव, सचिव राम गुलाब यादव, प्रधानाचार्य संजय यादव, मुक्तिनाथ पाण्डेय आदि ने किया। इस अवसर पर पप्पू अली, विनय, राजेश सिंह, रमेश सिंह, जयराम सिंह, प्रिंस, वशिष्ट यादव, राम प्रवेश शर्मा, अवधेश प्रसाद, रामप्रीत सिंह, विवेक, शाकिर अली, राजीव प्रसाद भारती, आदि मौजूद रहे।

वंदे मातरम् गीत ने स्वतंत्रता संग्राम को दी नई ऊर्जा: प्रो. अवधेश पांडेय

संवाददाता

कुशीनगर। बुद्ध स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कुशीनगर के समाजशास्त्र विभाग के अध्यक्ष प्रो. अवधेश पांडेय ने वंदे मातरम् गीत के 150 वर्ष पूर्ण होने पर 50 यूपी बटालियन, राष्ट्रीय कैडेट कोर की बुद्ध स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कुशीनगर इकाई द्वारा आयोजित व्याख्यान गोष्ठी को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय गीत के ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और सांस्कृतिक, राजनैतिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहीं। उन्होंने कहा कि वंदे मातरम् गीत ने हमारे स्वतंत्रता संग्राम को नई ऊर्जा, नया मार्ग और नई प्रेरणा दी। जब भारत अंग्रेजों की दासता में जकड़ा हुआ था, तब यही गीत सरफरोश क्रांतिकारियों की नसों में बिजली की तरह दौड़ता था। यही गीत छात्रों, नौजवानों और देशभक्तों को संकल्प दिलाता था कि हमारी मातृभूमि सर्वोपरि है। बीएड विभाग के सहायक आचार्य कृष्ण कुमार जायसवाल ने वंदे मातरम् की प्रारंभिक पंक्तियों का मर्म स्पष्ट करते हुए कहा कि वंदे मातरम् कोई धार्मिक गीत नहीं वरन् अपनी मातृभूमि,अपनी सरजमी के प्रति श्रद्धा और कृतज्ञता का अर्पण है। प्रोफेसर गौरव तिवारी ने कैडेट्स को संबोधित करते हुए कहा कि बंगाल में सन 1770 ईस्वी में आए भयंकर अकाल के बाद ईस्ट इंडिया कंपनी के प्रभाव और शोषण के खिलाफ सन्यासी विद्रोह की पृष्ठभूमि को लेकर बंकिम चंद्र चटर्जी ने जो उपन्यास लिखा उसमें अंग्रेजों के सीधे प्रतिकार की बात थी। उसी उपन्यास में आए वंदेमातरम गीत ने राष्ट्र भक्ति की ज्वाला को इतनी हवा दे दी कि यह गीत स्वतंत्रता आंदोलन का सूक्ति वाक्य बन गया। इस गीत को रवींद्रनाथ टैगोर ने संगीतबद्ध किया। अध्यक्षता कर रहे महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य प्रोफेसर अमृतांशु शुक्ल ने आजादी की लड़ाई में राष्ट्रीय गीत के क्रांतिकारी महत्व को रेखांकित किया। एनसीसी कैडेट चांदनी गुप्ता और कैडेट संगम ने भी अपने विचार व्यक्त किए। संचालन डॉ सौरभ द्विवेदी ने किया। धन्यवाद ज्ञापन अभिषेक शर्मा ने किया। संगोष्ठी का समापन राष्ट्रीय गीत वन्दे मातरम् के सामूहिक गान के साथ हुआ।

कानपुर में लापता अफसर का 4 दिन से सुराग नहीं

अतुल कुमार राय लापता इंजीनियर

कानपुर। पनकी पावर हाउस के एक्सईएन अतुल कुमार राय लापता हैं। उनकी तलाश में पुलिस गंगा नदी में जाल डालकर लगातार सर्च कर रही है। जाजमऊ पुल के पास उनकी कार मिलने के बाद मामला और उलझ गया। आशंका है कि उन्होंने गंगा में कूदकर आत्महत्या की होगी। हालांकि, 4 दिन बाद भी अतुल कुमार राय का कुछ पता नहीं चल पाया है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, 18 नवंबर को घर से निकलकर अतुल अपनी पत्नी से मिलने गए। वहां उनके बीच बहस हुई। उनकी पत्नी लंबे समय से अलग रहती हैं। पहले वह घर आया करती थीं, लेकिन बीते कुछ वक्त से उन्होंने आना-जाना बिल्कुल ही बंद कर दिया था। इस बीच परिवार की चुप्पी से कई सवाल उठ रहे हैं। परिवार किसी भी तरह के विवाद से इनकार कर रहा है। किसी से दुश्मनी की बात भी नहीं बता रहा है। घर पर मौजूद परिजनों से जब दैनिक भास्कर ने दंपति के बीच विवाद को लेकर सवाल किया तो भी उन्होंने कुछ नहीं बताया। कहा- किस बात का विवाद चल रहा था, हमें नहीं पता। पुलिस जांच कर रही है। टीमों ने करीब 25 किलोमीटर तक नदी में तलाश की। नावों से हर हिस्से को खंगाला। तेज धारा और गहराई वाली जगहों पर जाल भी डाला गया। SDRF और जल पुलिस की टीमें मिलकर ऑपरेशन चला रही हैं। पुलिस CCTV फुटेज खंगाल रही है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री स्व.राज मंगल पांडेय की पुण्यतिथि

पति के पदचिन्हों पर चलते हुए कुशीनगर की जनता की सेवा के प्रति हूं समर्पित: रमा राज पांडेय

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। पूर्व केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री स्व.राज मंगल पांडेय की 32 वीं पुण्यतिथि उनकी धर्म पत्नी श्रीमती रमा राज पांडेय के नगर के वार्ड नंबर 13 राम जानकी नगर स्थित आवास पर मनाई गई। स्व. पाण्डेय के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए लोगों ने उन्हें पूर्वांचल का विकास पुरुष बताया। शनिवार को फाजिलनगर स्थित एसएमएसपीजी कालेज में स्थित पूर्व केंद्रीय मंत्री की प्रतिमा और कसया में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में पूर्व केंद्रीय मंत्री स्व. पांडेय के चित्र पर उनकी पत्नी श्रीमती पाण्डेय और विशिष्ट जनों ने माल्यार्पण किया और पुष्प अर्पित कर नमन किया। पूर्व पीसीसी सदस्य नागेंद्र शुक्ला, पंचानंद मिश्रा, कांग्रेस जिलाध्यक्ष रविन्द्र उर्फ राधे विश्वकर्मा, महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष तारा देवी, जिलाध्यक्ष वृंदा प्रजापति, एड. एड बद्री नारायण दूबे, जितेंद्र पटेल, अल्पसंख्यक मोर्चा जिलाध्यक्ष रफ्या वाजिद अली, पूर्व प्रमुख बैतालपुर शैलेश मणि, एड. उदयभान यादव, पवन कुमार पांडेय, मुक्ता मणि त्रिपाठी, ओम प्रकाश जायसवाल, सीमा भारती, आदि ने स्व. पांडेय के चित्र पर पुष्पार्चन किया। वक्ताओं ने स्व. पाण्डेय के कृतित्व और व्यक्तित्व पर चर्चा करते हुए उन्हें महान राजनेता, विचारक, चिंतक और विकास पुरुष बताया। पूर्वांचल के 30 हजारों लोगों को नौकरियां दी और जनता तक बुनियादी सुविधाओं का लाभ पहुंचाया। वह विकास पुरुष थे। पूर्वांचल के विकास में उनके योगदान को भुलाया नहीं जा सकता। उनकी धर्मपत्नी श्रीमती पाण्डेय ने सभी के प्रति आभार ज्ञापित करते हुए कहा कि अपने पति के पदचिन्हों पर चलते हुए कुशीनगर की जनता की सेवा के प्रति समर्पित हूं। सफल संचालन एडवोकेट विनोद कुमार मिश्रा ने किया। इस दौरान केडी राव, पारस नाथ मिश्र, मुन्ना बाबू, पूर्व जिपंस आनंद उर्फ सुरेश सिंह, गौरी शंकर सिंह, जाहिद खान, फलटन यादव, एड फूल बदन यादव, बाला श्रीवास्तव, अनिल गुप्ता, दिवाकर दीक्षित, शैलेश मणि त्रिपाठी, अनूप तिवारी, सतीश पाण्डेय, एड जयराज सिंह, खुसरुद्दीन, नगेंद्र सिंह, संगीता, गिरिजा देवी, पप्पू परदेशी, साबिर अली, अनिल पाण्डेय, महेंद्र वर्मा

सहित हजारों लोगों ने श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

एचडीएफसी इर्गो ने रबी? सीजन में मध्य प्रदेश के किसानों के लिए प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना लागू की

मुंबई, एजेंसी। भारत में निजी क्षेत्र की अग्रणी जनरल इंश्योरेंस कंपनी, एचडीएफसी इर्गो जनरल इंश्योरेंस कंपनी को मध्य प्रदेश सरकार द्वारा रबी, 2025 सीजन के लिए अलीराजपुर, बड़वानी, बुरहानपुर, धार, झाबुआ, खंडवा और खरगोन जिलों में ऋणी और गैर-ऋणी किसानों के लिए प्रधान मंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाई) लागू करने के लिए अधिकृत किया गया है।

इन जिलों में इस योजना का क्रियान्वयन मध्य प्रदेश सरकार द्वारा योजना के अंतर्गत अधिसूचित निम्नलिखित फसलों के लिए किया जाएगा पीएमएफबीवाई योजना में किसानों को सूखा, बाढ़, अकाल, लैंडस्लाइड, चक्रवात, तूफान, तूफानी बारिश, सैलाब, कीटों, बीमारियों और अन्य बाहरी खतरों के कारण फसल को होने वाले नुकसान से बीमा की सुरक्षा मिलती है। फसल के नुकसान का आकलन करने के लिए, राज्य सरकार इस योजना के लिए अधिसूचित क्षेत्रों में अधिसूचित फसलों पर फसल कटाई प्रयोग (सीसीई) की योजना बनाकर संचालन करेगी। यदि संचालित किए गए सीसीई में पैदावार के आँकड़े कम पाए जाते हैं, तो माना जाएगा कि किसान को फसल का नुकसान हुआ है, और इस नुकसान के लिए उसे क्लेम दिया जाएगा।

इस योजना के अंतर्गत फसल चक्र के हर चरण के लिए बीमा कवर मिलेगा, जिसमें बुआई से पहले, कटाई और कटाई के बाद के जोखिम भी शामिल है।

सीडीएसएल ने छात्रों को आमंत्रित करते हुए आइडियाथॉन की शुरुआत की

उज्जैन, एजेंसी। एशिया की पहली सूचीबद्ध डिपॉजिटरी और 16.7 करोड़ से ज्यादा डीमैट खातों की विश्वसनीय संरक्षक, सेंट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेज (इंडिया) लिमिटेड (सीडीएसएल) ने छात्रों के लिए एक नवाचार चुनौती, अपना पहला आइडियाथॉन शुरू किया है। रीइमेजिन आइडियाथॉन, सीडीएसएल के वार्षिक रीइमेजिन सिम्पोजियम के तीसरे संस्करण के तहत एक पहल है।

आइडियाथॉन का उद्देश्य युवा नवोन्मेषी प्रतिभाओं को ऐसे समाधान तैयार करने में शामिल करना है जो भारत के सीखने, निवेश करने और विकास के तरीके को बदल दें - ताकि बाजार में भागीदारी को और अधिक ज़िम्मेदार और समावेशी बनाया जा सके। डिपॉजिटरी इकोसिस्टम 21 करोड़ से ज्यादा निवेशकों के डीमैट खातों की संपत्तियों को सुरक्षित रखता है। प्रतिभूति बाज़ार में भागीदारी को और मजबूत करने और नागरिकों को इस विकास गाथा से लाभान्वित होने से रोकने वाली बाधाओं को रणनीतिक रूप से दूर करने की अपार संभावनाएं मौजूद हैं। सेबी और आरबीआई जैसे नियामकों द्वारा की गई इसी तरह की पहलों के आधार पर, सीडीएसएल युवा नवप्रवर्तकों को वित्तीय क्षेत्र में अधिक लोगों को लाने के लिए अपने दृष्टिकोण प्रस्तुत करने हेतु प्रोत्साहित करने के प्रयास में शामिल हो रहा है।

पैसा ही पैसा...28 का शेयर मचा रहा गदर

5 साल में दिया 56,000 प्रतिशत का तूफानी रिटर्न

नई दिल्ली, एजेंसी। इंटीग्रेटेड इंडस्ट्रीज के शेयर में बीते शुक्रवार को लगातार दूसरे दिन 5 प्रतिशत का ऊपरी सर्किट लगा। यह 28.09 रुपये पर पहुंच गया। कंपनी ने अगले हफ्ते 28 नवंबर को फंड जुटाने पर विचार करने की घोषणा की है। इसके बाद इसमें उछाल आया है। यह लगातार पांचवां कारोबारी सत्र था जब शेयर में तेजी देखी गई। यह स्मॉल-कैप स्टॉक पिछले पांच सालों में 56,000 प्रतिशत का मल्टीबैगर रिटर्न दे चुका है। हालांकि, हाल के दिनों में इसका प्रदर्शन मिला-जुला रहा है। पिछले एक साल में शेयर में 30 प्रतिशत की गिरावट आई है। लेकिन, पिछले छह महीनों में 11 प्रतिशत, तीन महीनों में 41 प्रतिशत और एक महीने में 13 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है।

इंटीग्रेटेड इंडस्ट्रीज ने एक्सचेंज को सूचित किया है कि उसके निदेशक मंडल की बैठक 28 नवंबर, 2025 को शुक्रवार को होगी। इस बैठक में इक्विटी शेयर या इक्विटी में बदलने योग्य वारंट जारी करके फंड जुटाने के प्रस्ताव का मूल्यांकन किया जाएगा। यह फंड जुटाना आवश्यक नियामक और शेयरधारक की मंजूरी के अधीन, तरजीही आवंटन सहित अनुमत माध्यमों से किया जा सकता है। कंपनी ने अपनी एक्सचेंज फाइलिंग में कहा, बोर्ड फंड जुटाने की गतिविधियों पर विचार करेगा और अगर उचित समझा गया तो इक्विटी शेयर या इक्विटी शेयरों में बदलने योग्य वारंट जारी करके, जिसमें तरजीही आवंटन भी शामिल है, उन्हें मंजूरी देगा। कंपनी के सितंबर तिमाही के नतीजे काफी शानदार रहे। इस तिमाही में शुद्ध लाभ 29.9 करोड़ रहा, जो पिछले साल की इसी तिमाही) के 14.7 करोड़ की तुलना में 104 प्रतिशत ज्यादा है। वहीं, परिचालन से राजस्व साल-दर-साल 54 प्रतिशत बढ़कर 286.9 करोड़ हो गया, जबकि वित्तवर्ष25 में यह 186.6 करोड़ था। ई बी आई टी डी ए भी दोगुना होकर 30.7 करोड़ हो गया, जो पिछले साल के 14.7 करोड़ से 109 प्रतिशत की बढ़ोतरी है। ई बी आई टी डी ए मार्जिन भी 7.9 प्रतिशत से बढ़कर 10.7 प्रतिशत हो गया, जो 284 बेसिस पॉइंट का सुधार है।

सितंबर 2025 को समाप्त हुए छह महीनों के लिए शुद्ध लाभ पिछले साल के 27.4 करोड़ से दोगुना होकर 54.7 करोड़ हो गया। राजस्व 536.7 करोड़ रहा, जो वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही के 326.7 करोड़ से 64 प्रतिशत अधिक है। ई बी आई टी डी ए में 92 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई और यह 56.2 करोड़ हो गया, जबकि पिछले साल यह 29.2 करोड़ था। मार्जिन में भी लगातार सुधार देखा गया।

क्या है कंपनी का बैकग्राउंड

इंटीग्रेटेड इंडस्ट्रीज की स्थापना 1995 में हुई थी। यह जैविक और अकार्बनिक खाद्य उत्पाद और बेकरी आइटम बनाती है। इसकी सहायक कंपनी नेचर वेल फूड्स की स्थापना 2023 में हुई थी। यह कई ब्रांडों के तहत बिस्कुट और कुकीज का उत्पादन करती है। यह सहायक कंपनी राजस्थान के नीमराणा में एक आधुनिक स्वचालित सुविधा का संचालन करती है। इसकी उत्पादन क्षमता 3,400 टन प्रति माह है।

भूटान के बड़े प्रोजेक्ट पर टाटा ने लगाया दांव

1572 करोड़ रुपये में डील पर मुहर

नई दिल्ली, एजेंसी। टाटा पावर ने एक बड़ी डील की है। कंपनी ने कहा कि उसने भूटान के एक विशेष उद्देशीय कोष (एसपीवी) में 1,572 करोड़ रुपये में 40 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने के लिए ड्रुक ग्रीन पावर कॉर्पोरेशन के साथ कॉमर्शियल समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके तहत 1125 मेगावाट की दोर्जिलुंग जलविद्युत परियोजना स्थापित की जानी है। दोर्जिलुंग भूटान की दूसरी सबसे बड़ी पनबिजली परियोजना होगी, और यह देश में अब तक सबसे बड़ी सार्वजनिक-निजी साझेदारी (पीपीपी) वाली परियोजना होगी।

समझौते के तहत टाटा पावर ने तय ढांचे के अनुसार किस्तों में लगभग 1,572 करोड़ रुपये का इक्विटी निवेश करने का वादा किया है। इस रियायती समझौते पर थिम्पू में टाटा पावर के सीईओ और एमडी प्रवीर सिन्हा और ड्रुक ग्रीन पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (डीजीपीसी) के प्रबंध निदेशक दाशो छेवांग रिनजिन ने भूटान के प्रधानमंत्री ल्योंछेन शेरिंग तोबगे की मौजूदगी में हस्ताक्षर किए। बता दें कि यह परियोजना सितंबर 2031 में चालू होने वाली है, और इसका 80 प्रतिशत उत्पादन भारत को आपूर्ति किया जाएगा। इससे इलाके की ऊर्जा सुरक्षा और साफ बिजली की उपलब्धता को काफी बढ़ावा मिलेगा। इस परियोजना को विश्व बैंक का समर्थन है।

टाटा पावर के शेयर का हाल- टाटा पावर के शेयर की बात करें तो सुस्त पड़ा है और इसका भाव शुक्रवार को 386.95 रुपये है। दिसंबर 2024 में शेयर की कीमत 447.70 रुपये थी।

कैसे रहे तिमाही नतीजे

टाटा पावर को चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) के दौरान 1,245 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ है, जो पिछले साल की समान तिमाही की तुलना में 14 प्रतिशत अधिक है। कंपनी का कुल राजस्व तीन प्रतिशत बढ़कर 15,769 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। परिचालन लाभ छह प्रतिशत की वृद्धि के साथ 4,032 करोड़ रुपये रहा।

अमेरिकी टैरिफ के दंश से भारत को राहत पहुंचा रहा है चीन

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी टैरिफ के दंश के बीच भारतीय निर्यातकों के लिए एक अच्छी खबर है। भारत का चीन को निर्यात इस वित्त वर्ष के पहले सात महीनों में हर महीने बढ़ा है। अक्टूबर में तो यह 42 प्रतिशत तक बढ़ गया। इससे भारत को अमेरिका द्वारा लगाए गए भारी टैरिफ (शुल्क) के असर को कुछ हद तक कम करने में मदद मिली है।

कितना हो गया निर्यात

इस साल अप्रैल से अक्टूबर के दौरान, चीन को भारत का निर्यात पिछले साल की तुलना में 24.7 प्रतिशत बढ़कर 10.03 बिलियन हो गया। इसमें पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स, टेलीकॉम इंस्ट्रूमेंट्स और मरीन प्रोडक्ट्स सबसे आगे रहे। हालांकि, इस अवधि में भारत का कुल निर्यात सिर्फ 0.63 प्रतिशत ही बढ़ा। एक अधिकारी ने कहा, यह द्विपक्षीय व्यापार के सबसे मजबूत दौरों में से एक है, खासकर ऐसे समय में जब दुनिया भर में मांग अनिश्चित है और कई बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के निर्यात क्षेत्र सिकुड़ रहे हैं।

लगातार बढ़ रहा है निर्यात- इस साल अप्रैल में चीन को निर्यात 11 प्रतिशत बढ़ा था। जुलाई में यह बढ़कर 28 प्रतिशत और सितंबर में 33 प्रतिशत हो गया। अप्रैल-अक्टूबर के दौरान चीन भारत का चौथा सबसे बड़ा एक्सपोर्ट डेस्टिनेशन था। हालांकि, अक्टूबर में चीन को हुआ मजबूत निर्यात, भारत के कुल निर्यात के प्रदर्शन से अलग है। उस महीने, अमेरिका द्वारा 27 अगस्त से लागू किए गए 50 प्रतिशत टैरिफ के कारण, भारत का कुल निर्यात 11.8 प्रतिशत घटकर 34.38 बिलियन रह गया।

भारतीय सामानों का सबसे बड़ा आयातक चीन

इस समय चीन भारत के लिए सामान का सबसे बड़ा आयातक बना हुआ है। अप्रैल-अक्टूबर के दौरान चीन से 73.99 बिलियन का सामान भारत आया। इस दौरान चीन के साथ भारत का व्यापार घाटा (जितना हम खरीदते हैं और जितना बेचते हैं, उसका अंतर) 64 बिलियन रहा।

एण्डटीवी पर होगा एआई कंट्रोल का धमाका!

मुंबई। एण्डटीवी के 'हप्पू की उलटन पलटन' और 'भाबीजी घर पर हैं' में इस हफ्ते दर्शकों को कॉमेडी, उथल-पुथल और पागलपन की डबल खुराक मिलेगी! क्योंकि इस बार टेक्नोलॉजी, जलन और अचानक आए ट्विस्ट से आपके चहेते घरों में हंगामा मचने वाला है। 'हप्पू की उलटन पलटन' के बारे में, गीतांजलि मिश्रा उर्फ राजेश ने बताया, हप्पू (योगेश त्रिपाठी) बिल्कुल थक गया है। नौकरी, परिवार और रोज के कामों से वो बेहद परेशान है और घरवाले भी उससे खुश नहीं हैं- बच्चे, अम्मा (हिमानी शिवपुरी) और मैं भी! तभी उसके वैज्ञानिक चाचा का फोन आता है। सालों पहले हप्पू ने उनकी लैब बचाई थी।

नई श्रम संहिताएं: खनन से लेकर उद्योगों में काम कर सकेंगी महिलाएं; वेतन सुरक्षा से लेकर गिग वर्कर्स तक को कवरेज

नई दिल्ली, एजेंसी। निश्चित अवधि के लिए रखे गए कर्मचारी को भी स्थायी कर्मचारियों की तरह ही सभी लाभ मिलेंगे, जिसमें छुट्टी, चिकित्सा और सामाजिक सुरक्षा शामिल हैं। स्थायी कर्मचारी के बराबर वेतन से आय और सुरक्षा का लाभ मिलेगा। ठेके पर काम की प्रवृत्ति घटेगी। महिलाएं सभी जगहों पर काम कर सकती हैं जिसमें उन्हें भूमिगत खनन और भारी मशीनरी जैसे उद्योगों में काम करने की इजाजत भी शामिल है। इसके लिए महिलाओं की अनुमति जरूरी है। इस कदम से सभी के लिए रोजगार के समान अवसर सुनिश्चित होंगे। हर कार्यस्थल पर सुरक्षा निगरानी के लिए जरूरी सुरक्षा समिति और खतरनाक रसायनों की सुरक्षित देखरेख सुनिश्चित करना जरूरी होगा। शिकायत निवारण समितियों में महिलाओं का प्रतिनिधित्व अनिवार्य किया गया। महिला कर्मचारियों के परिवार परिभाषा में सास-ससुर को जोड़ने का प्रावधान, डिपेंडेंट कवरेज को बढ़ाना और समावेशिता को पक्का करना भी शामिल है।

ईएसआईसी कवरेज और लाभ- कामगारों में ईएसआईसी के तहत कवर और स्वास्थ्य लाभ देशभर में मिलेगा। जिन प्रतिष्ठानों में 10 से कम कर्मचारी होंगे, उनके पास भी इसे चुनने का विकल्प होगा, लेकिन खतरनाक कामों से प्रतिष्ठानों में इसे एक कर्मचारी होने पर भी अनिवार्य किया गया है।

आधार-लिंक्ड यूनिवर्सल अकाउंट नंबर से लाभ आसानी से हासिल होंगे- प्रवास संबंधी किसी बाधा के बिना सभी राज्यों में लाभ मिलेंगे। अनुबंध कर्मचारी को रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। ऐसे कर्मी एक साल की लगातार सेवा के बाद ग्रेच्युटी के हकदार होंगे। स्वास्थ्य लाभ और सामाजिक सुरक्षा का लाभ मिलेगा।

जोखिम वाले श्रमिकों का रखा विशेष ध्यान- श्रम संहिताओं में खदान मजदूरों के जोखिमों का भी ध्यान रखा है। काम के दौरान सुरक्षा और सेहत की स्थिति को मानक बनाने के लिए मानदंड तय किए गए हैं।

सभी कामगारों की स्वास्थ्य सुरक्षा मिलेगी, जिसमें सालाना मुफ्त स्वास्थ्य जांच शामिल है।

एमएनसी का स्ट्रेस छोड़ शुरू किया ये काम

हिट हुआ आइडिया, अब लाखों की कमाई

नई दिल्ली, एजेंसी। विजय सिंह उत्तर प्रदेश के बागपत जिले के सुनहड़ा गांव के रहने वाले हैं। वह एमबीए हैं। दिल्ली में मल्टीनेशनल कंपनी (एमएनसी) की नौकरी छोड़कर उन्होंने खेती को चुना। इसके लिए एक खास मॉडल विकसित किया। यह था हाई-वैल्यू इंटरक्रॉपिंग फार्मिंग का। मॉडल हिट हो गया। आज वह इससे लाखों की कमाई कर रहे हैं। उनका उद्देश्य बिल्कुल साफ था। स्वस्थ जीवन जीना और रसायन मुक्त खेती करना। प्राकृतिक खेती की प्रेरणा उन्हें 2015 में एक ऑर्गेनिक बाजार से मिली थी। विजय सिंह अब न केवल सीओएस 8272 जैसे उन्नत गन्ने की किस्मों की खेती करते हैं, बल्कि रिंग पिट तकनीक का इस्तेमाल करके पारंपरिक कृषि विधियों में क्रांतिकारी बदलाव भी ला रहे हैं। उनकी सफलता का मुख्य कारण गन्ने को गुड़ और दूसरे वैल्यू ऐडेड प्रोडक्ट्स में प्रोसेस करना है। इससे उन्हें 75 प्रतिशत तक का ज्यादा प्रॉफिट मार्जिन मिलता है। आइए, यहां विजय सिंह की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

एमएनसी की नौकरी छोड़ लौटे गांव- एमबीए की डिग्री पूरी करने के बाद विजय सिंह ने भारत की कुछ टॉप कंपनियों में काम किया। हालांकि, 2019 तक लगातार यात्रा और काम के तनाव ने उन्हें परेशान करना शुरू कर दिया। 2015 में इंडिया गेट के पास एक जैविक बाजार में किसानों के केमिकल-फ्री उत्पादों को देखने के बाद उन्हें प्राकृतिक खेती की प्रेरणा मिली। स्वस्थ जीवन जीने और प्राकृतिक भोजन खाने के विचार से प्रेरित होकर विजय ने मई 2019 में अपनी एमएनसी की नौकरी छोड़ दी और उत्तर प्रदेश के बागपत में गन्ने की प्राकृतिक खेती शुरू कर दी। उन्होंने शुरुआत में इस 0238 किस्म के गन्ने को लगाया। पहले साल में कम उत्पादन (300 क्विंटल) और कीटों के हमले के बावजूद उन्होंने 2 लाख रुपये का गुड़ बेचकर और बाकी गन्ना बेचकर कुल 2.70 लाख रुपये कमाए, जो उनकी नई यात्रा का शुरुआती कदम था।

कमियों को किया दूर - शुरुआती कमियों को दूर करने के लिए विजय ने मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने पर फोकस किया। उन्होंने खेत पर खुद जीवामृत, घनजीवामृत और गोबर की खाद तैयार करना शुरू किया। इसके बाद उन्होंने पुरानी किस्मों को सीओएस 8272 और एमबक्र 5191 जैसी नई किस्मों से बदला और सबसे महत्वपूर्ण बदलाव के रूप में रिंग पिट तकनीक को अपनाया। इस लागत प्रभावी तकनीक में गड्ढे खोदकर जैविक खाद से भरना और गन्ने के सेटों को गोलाकार पैटर्न में लगाना शामिल है। 5 फीट की पंक्ति-से-पंक्ति और 2 फीट की गड्ढे-से-गड्ढे की दूरी के कारण बेहतर वेंटिलेशन और धूप

ध्रुव कंसल्टेंसी को 8.73 करोड़ का एनएचएआई स्वतंत्र इंजीनियरिंग मंडेट मिला

मुंबई, एजेंसी। ध्रुव कंसल्टेंसी सर्विसेज लिमिटेड, देश की अग्रणी इंफ्रास्ट्रक्चर कंसल्टेंसी कंपनियों में से एक, ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। कंपनी को नेशनल हाईवेज़ अथॉरिटी ऑफ इंडिया से कर्नाटक में प्रमुख राजमार्ग परियोजनाओं के ऑपरेशन एवं मेंटेनेंस चरण में इंडिपेंडेंट इंजीनियर के रूप में परामर्श सेवाएँ प्रदान करने हेतु लेटर ऑफ अपॉइंटमेंट प्राप्त हुआ है।

यह अनुबंध 8.73 करोड़ (जीएसटी अतिरिक्त) मूल्य का है और 60 माह की अवधि में पूरा किया जाएगा। इस परियोजना के तहत, डीसीएसएल अपने सहयोगी मार्क सिविल इंजीनियरिंग सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड के साथ मिलकर एनएच-66 और एनएच-73 के महत्वपूर्ण हिस्सों पर ऑपरेशन व मेंटेनेंस कार्यों की निगरानी करेगा— जिसमें गुणवत्ता नियंत्रण, सुरक्षा अनुपालन और प्रदर्शन मॉनिटरिंग शामिल है।

इन परियोजनाओं से डीसीएसएल कर्नाटक में अपनी उपस्थिति को और मजबूती देगा, एनएचएआई के साथ सहयोग को सुदृढ़ करेगा, ऑर्डर बुक को मजबूत बनाएगा और क्षेत्रीय कनेक्टिविटी एवं बुनियादी ढांचे की विश्वसनीयता को बढ़ावा देगा।

बिहार में आखिर नीतीश कुमार मुख्यमंत्री क्यों बने?

संजय गोस्वामी

नीतीश ने सबको समझाया आप भले ही पार्टी का नेतृत्व कर रहें हैं लेकिन विधायक तो पाला बदल सकते हैं, इसलिए पहले ही चिराग पासवान, जितन राम मांझी, और उपेंद्र कुशवाहा ने एनडीए की बैठक से पहले ही बिहार के मुख्यमंत्री पद के लिए नीतीश कुमार का ऐलान कर दि थी...

बिहार में सारी राजनीति में शतरंज के खेल में शह और मात में आखिर बीजेपी 2025 में सबसे बड़े दल 89 सीट लाकर भी अपना मुख्य मंत्री क्यों नहीं बना पाई इसकी खास वजह है। एनडीए में केंद्र में आंध्रप्रदेश के मुख्यमंत्री श्री चंद्राबाबू नायडू की अहम भूमिका थी। चुनाव के बाद चंद्रबाबू नायडू के बेटे नारे लोकेश पटना,इसलिए पहुंचे की कहीं बिहार में जेडयू को तोड़कर या जेडीयू को छोड़कर बहुमत का आंकड़ा लेकर बड़ी पार्टी के नाते बीजेपी अपना सीएम का दावा राज्यपाल को न सौंप दें,और बीजेपी अपना मुख्यमंत्री न बना लें, 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद जो सरकार बनाने की परिस्थिति थी । उसमें बीजेपी बहुमत के आंकड़ों के साथ सरकार न बना लें क्योंकि उसके 89 विधायक थे सरकार बनाने हेतु 122 का नम्बर चाहिए था। जिसमें 19 चिराग पासवान के और हम के 5 और उपेंद्र कुशवाहा के 4 विधायक थे यानि कुल 28 की संख्या थी 89 में 28 जोड़ने से 117 विधायक थे सिर्फ 5 विधायक तो चाहिए था जिसमें बसपा का 1 आई आई सी का 1 निर्दलीय और 3 तो हो गया बाकी तो बहुमत साबित के समय एआईएमआईएम के 5 विधायक उपस्थित ही नहीं होते,तो सरकार तो बीजेपी की बन ही जाती इसलिए,एआईएमआईएम के प्रमुख ओवैसी को डर लगने लगा और चुनाव परिणाम के बाद नीतीश कुमार को सीएम के सवाल पर बीजेपी की खामोशी से ये पता चल रहा था कि , बीजेपी नीतीश कुमार को बिहार के मुख्यमंत्री बनाने के मूड में नहीं है क्योंकि राज्य पाल भी उनके पार्टी का ही है, और महाराष्ट्र में उनका प्रयास भी सरकार बनाने में सफल रहा था जानकारी के अनुसार इसलिए चंद्र बाबू नायडू से नीतीश से सहयोगी दल होने के नाते सपोर्ट मांगा और वो नीतीश कुमार को मुख्य मंत्री बनाने के लिए अड़ गए थे क्योंकि उन्हें भी अपने राज्य में भविष्य में टी डी पी को सत्ता में बनाए रखना है । इसलिए सारी राजनीति गतिविधियों की जानकारी के लिए उनके पुत्र पटना में थे, ताकि यदि बीजेपी चाल चले तो केंद्र में उनके 15 सांसद और 12 सांसद जेडीयू के केंद्र में समर्थन वापस ले लेती,और जानकारों के अनुसार केंद्र में सरकार का गिरना तय था, क्योंकि शिव सेना के शिंदे गुट के भी 6 सांसद भी इधर महाराष्ट्र की सियासत से निकाय चुनाव और पार्टी तोड़ने को लेकर खुश नहीं थे। ऐ सब यदि समर्थन वापस लेते तो केंद्र में सरकार गिर सकता था, क्योंकि जब बहुमत साबित होना रहता है तो बीजेपी के भी 240 सांसद में कितने गैरहाजिर रहते ऐ भी एक प्रश्नचिन्ह था। क्योंकि कुछ तो नाराजगी पार्टी के अंदर है चूंकि अटलजी के समय जब एआईआईडीमके के प्रमुख ने 1998 में अटलजी के सरकार से समर्थन वापस लेकर अविश्वास प्रस्ताव लाया था, तो

1वोट से सरकार गिर गई थी इसलिए बीजेपी सेंटर में कोई रिस्क नहीं लेना चाहती थी इसलिए नीतीश कुमार बाल बाल बचे और मुख्यमंत्री बनने में कामयाब हुए इधर जेडीयू ने अपने सहयोगी दल को ऐ समझाने में कामयाब हुए की यदि मैं यानी नीतीश सरकार बिहार में नहीं रहूँगा तो आपकी पार्टी तो छोटी छोटी है और बीजेपी उसे आसानी से तोड़ देगी,वही कारण था कि जो बीजेपी ने नीतीश कुमार को सीएम पद का ऐलान नहीं कर पा रही थी क्योंकि उसे लगा कि 89 सीट लाकर राज्यपाल बड़े दल के रूप में सरकार बनाने के लिए आमंत्रित करेंगी, इसलिए नीतीश ने सबको समझाया आप भले ही पार्टी का नेतृत्व कर रहें हैं लेकिन विधायक तो पाला बदल सकते हैं, इसलिए पहले ही चिराग पासवान, जितन राम मांझी, और उपेंद्र कुशवाहा ने एनडीए की बैठक से पहले ही बिहार के मुख्यमंत्री पद के लिए नीतीश कुमार का ऐलान कर दिए थे,क्योंकि 2020 में वीआईपी तो एनडीए के साथ थी बाद में विधायक तोड़ने के बाद महागठबंधन में चले गए और इस बार के चुनाव में महागठबंधन में उप मुख्यमंत्री के पद का भी मुकेश सहनी ने करवा दिया। अब चुनाव के बाद जिस तरह बिहार में डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी को गृह मंत्री का पद मिला है, इससे ऐ लगता है कि अभी भी खेल खत्म नहीं हुआ क्योंकि विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव इसपर सवाल कर रहें हैं कि नीतीश सरकार से 20 साल बाद गृह मंत्रालय लेकर भाजपा उन्हें कमजोर कर दि है, सम्राट चौधरी पहले आरजेडी में थे बाद में 2023 में अचानक बीजेपी में प्रदेश अध्यक्ष की हैसियत से पार्टी में आएं जबकी प्रशांत किशोर की डिजिटल टीम ने शिल्पी मर्द केस पर सम्राट चौधरी का नाम जोड़ा था और उसको लेकर आर के सिंह ने भी सवाल उठाये थे, बाद में उन्हें पार्टी में 6 साल के लिए निलंबित कर दिया दरअसल सम्राट चौधरी का अहम रोल 2024 में जब आरजेडी से जे डी यू ने समर्थन वापस लेकर विधायक के जोड़ तोड़ और तेजस्वी यादव का विधायक को अपने आवास में कैद कर उनके घर से विधायक को उठाकर कहीं रास्ते से पकड़ कर जिसमें बीजेपी बाद में विधानसभा में बहुमत साबित करने में पहले स्पीकर को हटाया और बाद में बहुमत साबित किया ऐ बिल्कुल वैसा ही था जब 2018 के महाराष्ट्र के चुनाव में बीजेपी और शिव सेना के बीच मुख्यमंत्री पद को लेकर तकरार हुआ और एक दिन देवेंद्र फड़नवीस और अजीत पवार ने मिलकर राजभवन में मुख्य मंत्री और अजीत पवार ने उप मुख्यमंत्री पद की शपथ ता ले ली लेकिन बाद में शिव सेना के विधायक, एनसीपी और कांग्रेस ने मिलकर सरकार बनाने का दावा पेश किया और बहुमत सिद्ध होने तक सारे विधायक एक होटल से दूसरे होटल में शिफ्ट होते गए, हालांकि 2022 में शिव सेना में एक नाथ शिंदे की बगावत के बाद उनकी सरकार गिर गई, आज ऐ स्थिति है कि ना तो शिंदे सरकार में संतुष्ट नजर आ रहें हैं और ना हि उद्धव ठाकरे को उनका निर्णय सही लग रहा है इससे जो क्षेत्रीय पार्टी है । उसमें गलत मैसेज गया जिसदिन बीजेपी को जेडीयू के सहयोग से सरकार बनानी थी। ठीक उस रात सम्राट चौधरी ने रात भर अपने विधायक की घेरा बंदी कर रहें थे अतः उस समय सम्राट चौधरी ने बीजेपी के विधायक को डराया था,और लगता है कि इन सबके कारण गृहमंत्री का इनाम मिला, लेकिन उनके बोल चाल से मालूम होता है ,की छवि बीजेपी के अच्छे नेताओं में नहीं है जैसे दूसरे डिप्टी सी एम विजय कुमार सिन्हा हैं, क्योंकि वो बीजेपी के कार्यकर्ता के रूप में जमीन से जुड़े हैं, दरअसल सम्राट चौधरी, पूर्व मंत्री बिहार सरकार शकुनि चौधरी के पुत्र हैं जो आरजेडी के कट्टर नेता थे। अतः आदमी का स्वभाव कुछ दिनों में नहीं बदलता है उसके लिए परिवार में आप किस तरह पले बढ़े उस पर निर्भर करता है। बिहार में पूर्व उप मुख्य मंत्री सुशील कुमार मोदी जिस तरह बीजेपी में एक अच्छी छवि बनाई और एक नाम श्री नन्द किशोर यादव का भी है,जो पहले बिहार में एनडीए के संयोजक थे बाद में बिहार में मंत्री भी बने बाद में वे स्पीकर बने और 2025 में उनको टिकट ही नहीं मिला डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा को भी गृह मंत्रालय दिया जा सकता था, जिस पर किसी ने कोई भी आरोप नहीं लगाए हैं, और बोलचाल में भी ठीक हैं अतः बीजेपी को इस बात पर भी ध्यान देने की जरूरत है,कि पार्टी में अच्छे लोगो और किसी ने कोई भी आरोप नहीं लगाएं हो उसे ही अहम मंत्रालय मिले। ताकि उनके साथ जो आईएएस, आईपीएस रैंक के अधिकारी पढ़ लिख कर आते हैं, उन्हें शर्मिंदा न होना पड़े और एक अच्छी छवि भी बने डराने वाला नहीं शांति से बात करने वाला काबिल नेता हो और इससे अच्छे लोग पार्टी से जुड़े,नहीं तो बीजेपी और दूसरी पार्टी में क्या फर्क रह जायेगा जिसे जंगल राज से जोड़ कर देखा जाता है दरअसल ऐ बिहार है एक गरीब राज्य इसलिए, यहाँ मलाई नहीं है इसलिए बीजेपी इस तरफ उतना दिमाग नहीं लगाएगी लेकिन पश्चिम बंगाल बिहार से काफी अच्छा राज्य है जो महाराष्ट्र की श्रेणी में नहीं आता अब पूरी कोशिश होगी सरकार बनाने की जो माननीय प्रधानमंत्री जी ने बिहार चुनाव जीतने के बाद दिल्ली के बीजेपी कार्यालय में कहा था कि गंगा यहाँ से बहकर बंगाल को जाती है और पश्चिम बंगाल में जंगल राज खत्म करना है, लेकिन ऐ बात ही तो बताना नहीं चाहिए क्योंकि अब टीएमसी की सरकार ममता बनर्जी अलर्ट हो गई है और आगे की रणनीति पर काम करना भी चालू कर दिया है और लेडीज होने के नाते लेडीज का वोट भी बहुत अधिक मिलता है अतः जहाँ कुर्सी पानी है तो किसी लेडीज नेता को ही चुनाव में उतारना उचित होगा जिसका जनाधार भी हो फिलहाल ऐसा दिख नहीं रहा है।

संपादकीय

'एसआईआर' पर विवाद

लोकतंत्र से बड़ा और महत्वपूर्ण न तो चुनाव आयोग है और न ही मतदाता सूचियों का पुनरीक्षण है। यदि चुनाव आयोग के इस शुद्धिकरण अभियान पर कुछ राज्य सरकारों की आपत्तियां और सवाल हैं, तो आयोग पूरी संवेदनशीलता के साथ सुने और समन्वयवादी कार्रवाई करे। चुनाव आयोग अपनी संवैधानिकता के खोल में सिमटा, खामोश नहीं बैठा रह सकता। वह संसद और राष्ट्र के प्रति पूरी तरह जवाबदेह है। सरकार बहाने बनाती रही है और बीते संसद सत्र के दौरान 100 से अधिक नोटिसों के बावजूद चुनाव आयोग पर चर्चा कराने से कन्नी काटती रही है। चूंकि लोकतंत्र में औसत मतदाता, यानी देश का नागरिक, ही सर्वोच्च है। वह मतदाता ही संसद और सरकार को चुनता है। सरकार संसद के प्रति जवाबदेह है। सरकार ही चुनाव आयुक्तों का चयन करती है। इन तमाम समीकरणों के मद्देनजर संसद में चुनाव आयोग की भूमिका और मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर लंबी चर्चा होनी चाहिए। संसद का शीत सत्र 1 दिसंबर से शुरू हो रहा है। दरअसल यह देश एक भी नागरिक की मौत या आत्महत्या की घटना को बर्दाश्त नहीं कर सकता। चुनाव आयोग यह मुगालता भी न पाले कि राज्यों में फर्जी और घुसपैठियों के वोट से ही सरकारें बनी हुई हैं। यह राजनीति है और चुनाव आयोग को ऐसी राजनीति में संलिप्त नहीं होना चाहिए। वह देश की संवैधानिक संस्था है। देश उसका बहुत सम्मान करता है, भरोसा करता है। लेकिन सिर्फ चुनाव आयोग ही सच्चा और सही है, समूचा विपक्ष गलत और दुष्प्रचारी है। विपक्ष भी लोकतंत्र में निर्वाचित पक्ष है। बेशक एसआईआर एक प्रशासनिक और विसंगतियों को दुरुस्त करने की अनिवार्य प्रक्रिया है, लेकिन यह मौत या आत्महत्या की प्रक्रिया साबित नहीं होनी चाहिए। हमें क्या, पूरे देश को यह स्वीकार्य नहीं होगा कि बंगाल, तमिलनाडु, केरल, राजस्थान, मप्र आदि राज्यों में 'बूथ लेवल ऑफिसर' (बीएलओ) आत्महत्याएं करें अथवा काम के अत्यधिक दबाव और तनाव के कारण अकाल मौत के शिकार हों और चुनाव आयोग एसआईआर के आंकड़े ही गिनता रहे। देश में जनगणना की प्रक्रिया भी बाधित हुई है, तो एसआईआर के लिए चुनाव आयोग इतनी हड़बड़ी, जल्दबाजी में क्यों है कि एक ही माह में करीब 51 करोड़ मतदाताओं के रिकॉर्ड विशुद्ध करने पर आमादा है? जब 20 साल या अधिक अवधि तक मतदाता सूचियों का शुद्धिकरण नहीं होता, तो क्या देश में चुनाव फर्जी या गड़बड़ वाली सूचियों के आधार पर किए गए?

चिंतन-मनन

अहिंसा का स्वरूप

सामान्यतः अहिंसा को निषेधार्थक माना जाता है। हन हिंसा -अहिंसाह्न- हिंसा का अभाव अहिंसा है, यह इसकी एकांगी परिभाषा है। इसको सर्वांगीण रूप से परिभाषित करने के लिए इसके विधेयार्थ और निषेधार्थ दोनों को समझना जरूरी है। किसी प्राणी के प्राणों का वियोजन नहीं करना, इस सूत्र का हिंसा के संदर्भ में जितना मूल्य है, उससे भी अधिक मूल्य है किसी भी प्राणी के प्रति अनिष्ट चिंतन के बहिष्कार का।
असत् विचार हिंसा है। असत् वचन स्व है। जितना कुछ झूठ बोला जाता है, वह हिंसा की प्रेरणा से ही बोला जाता है। असत् चिंतन और असत् वाणी की तरह असत् व्यवहार मात्र हिंसा है, चाहे वह किसी के भी प्रति हो। मनुष्य की प्रवृत्ति सत् और असत् दोनों प्रकार की होती है। जिस प्रवृत्ति के साथ असत् शब्द का योग हो जाता है, वह हिंसा-संवलित ही होती है। दूसरों के प्रति द्वेष की भावना, ईर्ष्या, उन्हें गिराने का मनोभाव और उनकी बढ़ती हुई प्रतिष्ठा को रोकने के सारे प्रयत्न हिंसा में अंतर्निहित हैं। दूसरों के मन में भय उत्पन्न करना, उनके सामने दुखद परिस्थितियां उभार देने, उनके विकास के मार्ग में बाधा पहुंचाना आदि प्रवृत्तियां भी हिंसा की परिधि में समाविष्ट हैं। इन प्रवृत्तियों का सर्वथा निरोध अहिंसा का आदर्श है। यह अहिंसा का नेगेटिव पक्ष है। अपने पॉजिटिव पक्ष में अहिंसा समता, मैत्री, संयम आदि उदात्त वृत्तियों से अनुबंधित है। यहां अहिंसा का वाच्यार्थ न मारने तक की सीमा में आबद्ध नहीं है। जहां यह प्रतिबद्धता जुड़ जाती है, अहिंसा का व्यापक अर्थ एक छोटे-से संदर्भ में समा जाता है। समता का धरातल असीम है। मैत्री की पौध इसी धरातल पर फली-फूली रह सकती है। इससे आत्मौपम्य की भावना जागृत होती है। आत्मतुला की बुद्धि से प्रेरित व्यक्ति कहीं अहिंसा को समझ सकता है और उसका पालन कर सकता है। जो व्यक्ति छोटे और बड़े, अनुकूल और प्रतिकूल हर प्राणी के प्रति समत्व बुद्धि का विकास करता है, वह अहिंसक होता है।

आओ प्रकृति के साथी बनें, मिट्टी और पर्यावरण की रक्षा करें

किशन सनमुखदास भावनानी

वैश्विक स्तरपर आज हर देश पर्यावरण समस्याओं का सामना कर रहा है जिसका समाधान खोजने उसपर अमल करने के लिए विभिन्न अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सभी देश एकत्रित होकर पर्यावरण की सुरक्षा के मुद्दों पर अनेक उपायों की चर्चा कर उसके क्रियान्वयन करने में लगे हुए हैं जिसमें पेरिस समझौता सहित अनेक ऐसे समझौते शामिल हैं जो मानवीय जीवन को पर्यावरण के खतरों से बचाने के लिए मील का पत्थर साबित होंगे।
साथियों बात अगर हम भारत की करें तो भारत न केवल हर अन्तर्राष्ट्रीय मंचों से पर्यावरण की सुरक्षा में महत्वपूर्ण योगदान और सहयोग प्रदान कर रहा है बल्कि घरेलू स्तरपर भी अनेक लक्ष्यों को भी अपने टारगेट समय से पूर्व पूर्ण करने की ओर अग्रसर है। राष्ट्रीय स्तरपर पर्यावरण की सुरक्षा के लिए अनेक सामाजिक, सहकारी, सरकारी, निजी संस्थाएं कार्य कर रही है परंतु अगर वास्तव में हमें पर्यावरण को सुरक्षित करना है तो हर नागरिक को इस पर्यावरण सुरक्षा संबंधी यज्ञ में अपने सहयोग रूपी आहुति देनी होगी और अभियान चलाकर, आओ मिट्टी और पर्यावरण की रक्षा करें, का नारा देना होगा! मानव को प्रकृति का साथी बनना होगा तथा अनुकूल मानवीय सभ्यता पर्यावरण संबंधित समस्याओं को दूर कर खुशहाल समृद्धि टिकाऊ भविष्य का निर्माण करेगी ऐसी सोच रखनी होगी।
साथियों बात अगर माननीय केंद्रीय रक्षा मंत्री द्वारा एक कार्यक्रम में संबोधन की करें तो पीआईबी के अनुसार उन्होंने भी, विज्ञान के क्षेत्र में नईप्रौद्योगिकीयों को खोजने तथा ऐसे नवोन्मेषण करने की अपील की जो पर्यावरण के अनुकूल मूल्यों को बनाये रखेंगे। उन्होंने कहा, हमें प्रकृति का साथी बन जाना चाहिए तथा जीवों के साथ साथ प्रकृति के निर्जीव तत्वों के प्रति भी श्रद्धा और सम्मान की भावना रखनी चाहिए। मुझे पूरा विश्वास है कि धीरे धीरे मानव सभ्यता हमारे समय की पर्यावरण संबंधित समस्याओं को दूर करेगी तथा हम सभी के लिए, एक खुशहाल, समृद्ध, न्यायसंगत तथा टिकाऊ भविष्य का निर्माण करेगी। उन्होंने पर्यावरण के क्षरण पर चिंता जताई और कहा कि पृथ्वी के इकोसिस्टम का निर्माण इस तरह से किया गया है कि किसी एक विशिष्ट भौगोलिक क्षेत्र में प्रभाव केवल उसी क्षेत्र तक सीमित नहीं रहता बल्कि वह पूरे विश्व को सन्निहित कर लेता है। उन्होंने कहा, उदाहरण के लिए हमारे सामने कार्बन उत्सर्जन का मामला है। भले ही यह एक देश में हो रहा हो, निश्चित रूप से यह अन्य सभी देशों को प्रभावित कर रहा है। यही कारण है कि वैश्विक पर्यावरण सुरक्षा के संबंध में, सभी शिखर सम्मेलन, सम्मेलन, संधियां तथा समझौते, चाहे वह रियो समिट हो या डेजर्टिफिकेशन से मुकाबला करने के लिए संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन, जलवायु परिवर्तन कन्वेंशन, क्योटो प्रोटोकॉल या पेरिस सम्मेलन, ये सभी समान रूप से एक सुर में कार्य करने के लिए विश्व के सभी देशों का मार्गदर्शन करते हैं। एक जिम्मेदार राष्ट्र के रूप में, भारत ने अपनी परंपरा और संस्कृति से निर्देशित होकर निरंतर मृदा संरक्षण के लिए कार्य किया है। केवल मिट्टी पर ध्यान केंद्रित करने के जरिये मृदा संरक्षण नहीं किया जा सकता। हमने इससे जुड़े सभी घटकों जैसे वनीकरण, वन्य जीवन, आर्द्र भूमि आदि को संरक्षित करने और बढ़ाने का कार्य किया है। केवल सामूहिक प्रयासों से ही सामूहिक समस्याओं का निदान संभव होगा। इसलिए, यह आवश्यक है कि हम सभी मिट्टी और पर्यावरण की रक्षा करने का प्रयास करें और एक साथ मिल कर एक बेहतर विश्व की ओर बढ़ें उन्होंने मिट्टी बचाओ अभियान को उम्मीद की किरण बताया क्योंकि इससे यह विश्वास पैदा होता है कि इस अभियान के माध्यम से विश्व भर के लोग आने वाले समय में मृदा के स्वास्थ्य को बनाये रखने में योगदान देंगे। उन्होंने कहा कि यह अभियान न केवल मिट्टी की रक्षा करने बल्कि मानव सभ्यता एवं संस्कृति को संरक्षित करने का भी एक प्रयास है।उन्होंने पर्यावरणीय समस्याओं को दूर करने के लिए प्रेरित करने के अतिरिक्त लोगों को योग के माध्यम से अधिक प्रसन्नचित्त तथा अधिक सार्थक जीवन जीवन जीना सिखाने के लिए किए जा रहे कार्यों के लिए उनकी सराहना की। उन्होंने कहा, वसुधैव कुटुम्बकम का संदेश देकर भारत ने अपनी सीमा के भीतर रहने वाले लोगों को ही नहीं, बल्कि पूरे विश्व के लोगों को अपना परिवार माना है। श्री सद्गुरु ने अपने काम से निश्चित रूप से एक नया पर्यावरण आंदोलन पैदा करने के लिए वसुधैव कुटुम्बकम की भावना को जीवंत बनाया है। उन्होंने कहा, यह मिट्टी बचाओ जैसे अभियानों तथा आध्यात्मिकता के माध्यम से दिव्य संदेश दे रहे हैं।
अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि आओ प्रकृति के साथी बनें। आओ मिट्टी और पर्यावरण की रक्षा करें। मानवीय जीवन को पर्यावरण के खतरों से बचाने के लिए नागरिकों की सहभागिता मील का पत्थर साबित होगी।
(संकलनकर्ता लेखक - कर विशेषज्ञ स्तंभकार)
(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

खतरे की घंटी हैं अपराध की राह पर बढ़ते किशोर

मनोज कुमार अग्रवाल

हापुड़ (यूपी) में एक किशोर बेटे ने अपने दो दोस्तों की मदद से किसान पिता की गोली मारकर हत्या कर दी और वारदात को आत्महत्या का मामला बता दिया। अब पुलिस जांच में पाया गया है कि पिता का कुसूर इतना था कि इकलौते बेटे को किसी गलती पर पिटाई की थी जिसका अंजाम बेटे ने पिता को खेत पर बुला कर गोली से उड़ा दिया। यह वारदात बता रही है कि समाज में नाबालिग मन मस्तिष्क कितने शातिर ढंग से अपराध कर रहे हैं।
पिछले कुछ माह में राजधानी दिल्ली के मुंडका में नाबालिग को गला रेतकर हत्या। फर्श बाजार में 73 वर्षीय बुजुर्ग की चाकू घोंपकर हत्या। आनंद पर्वत में बदले के लिए युवक की हत्या। जहांगीरपुरी में वर्चस्व कायम करने के लिए युवक की हत्या। इन सभी हत्याओं का जिक्र कर रहे हैं, इन सभी को 14 से 17 साल के बीच के नाबालिग लड़कों ने अंजाम दिया। जिस उम्र में कंधे पर बस्ता और हाथों में कलम होना चाहिए, उसी उम्र में नाबालिग अपराध की दुनिया का रुख कर रहे हैं। इसके पीछे कारण चाहे कुछ भी हो, लेकिन पुलिस के लिए यह नाबालिग मुसीबत बन गए हैं।
पढ़ने की उम्र में नाबालिग अपराध की दुनिया में कदम बढ़ा रहे हैं। चोरी, लूटपाट ही नहीं, लोगों का खून बहा रहे हैं।सगे संबंधी पड़ोसी और परिचित के साथ भी वारदात करने में उनको जरा भी हिचक नहीं हो रही। कई नाबालिग अपराधी तो ऐसे हैं, जो बाल सुधार गृह जाकर भी नहीं सुधर रहे। वह वहां से बाहर आने के बाद अपराध के क्षेत्र में फिर से सक्रिय हो रहे हैं।
बीते दिनों दिल्ली के विजय विहार इलाके में लूट का विरोध करने वाले एक ऑटो चालक की निर्मम हत्या में पांच नाबालिगों की गिरफ्तारी गंभीर चिंता बढ़ाने वाली है। देश में नाबालिगों के बालिगों की तर्ज पर गंभीर अपराधों को अंजाम देने की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं। वहीं दिल्ली की घटना में गिरफ्तार किशोरों की स्वीकारोक्ति डराने वाली है कि वे नशे के आदी हैं और पैसे जुटाने के लिये लूटपाट जैसे अपराधों में लिप्त रहते हैं। यह घटना हमारे समाज में पनप रही विकृतियों की ओर इशारा कर रही है
सीलमपुर में 13 वर्षीय करण की हत्या इसका स्पष्ट उदाहरण है। यह समाज के लिए चिंता की बात है। जघन्य अपराधों में संलिप्त नाबालिगों को लेकर कानून लचर होने के कारण यह दुस्साहस बढ़ रहा है। नाबालिग अपराधियों के हाथों जिनके अपने मारे गए, वह कानून में बदलाव के जरिये सख्ती करने की मांग कर रहे हैं।
जाफराबाद में 11 जुलाई 2024 को भाई व दोस्त के साथ कपड़े खरीद रहे 15 वर्षीय मोहम्मद फैज को दुकान से बाहर निकाल बीच बाजार में गोली मार कर हत्या कर दी थी। इस वारदात को नाबालिग शामिल था। उसे पुलिस ने पकड़ कर बाल सुधार गृह भेजा था। अब यह बाहर है। बालिग हो चुका है और हाल में उत्तर पूर्वी जिला पुलिस ने उसे एक अन्य अपराध के मामले में गिरफ्तार किया है।
आरोपित गैंगस्टर बन चुका है। मृतक के पिता मोहम्मद गुफरान का कहना है कि यह न्यायोचित नहीं है कि हत्या जैसा गंभीर अपराध करने वाले को इस बात पर रहम दे दिया जाए कि वह नाबालिग है।
न्यू सीलमपुर के 17 वर्षीय कुणाल की इसी वर्ष 17 अप्रैल को हत्या कर दी गई थी। इस वारदात में दो नाबालिग शामिल थे, जिन्हें पुलिस ने पकड़ा था। कुछ ही महीनों में यह बाल सुधार गृह से बाहर आ गए। अब यह खुली हवा में सांस ले रहे हैं।यह स्थिति देख कर कुणाल के स्वजन का दम घुट रहा है। उसकी मां प्रवीन अब न्याय की उम्मीद छोड़ चुकी हैं।
अब वक्त आ गया है कि किशोर अपराधों पर अंकुश लगाने के लिये सख्त कानूनों के प्रावधान हों। इसकी वजह यह है कि किशोरों को अपराध करने के बाद सामान्य जेलों में रखने के बजाय बाल सुधार गृहों में भेज दिया जाता है। लेकिन बाल सुधार गृहों में रहने के दौरान भी ऐसे अपराधी किशोरों में बड़ा बदलाव नजर नहीं आता। अक्सर देखा जाता है कि बाल सुधार गृहों में रहने की सीमित अवधि के बाद कई किशोर फिर अपराधों की दुनिया में उतर जाते हैं। समाज विज्ञानियों का मानना है कि किशोर अपराधों को लेकर कानून के अस्पष्ट और लचर होने की वजह से भी दोषियों को दंडित नहीं किया जा सकता। अक्सर कहा जाता है कि नाबालिगों की सजा के मामले में अभियुक्त की उम्र को घटा दिया जाए। दरअसल, बदलते परिवेश में समय से पहले किशोरों में वयस्कों की नकारात्मक प्रवृत्तियां पनपने लगी हैं। जिसके चलते वे बड़ों के जैसे अपराध तो करते हैं। लेकिन उन्हें उस अनुपात में सजा नहीं दी जा सकती। वैसे यह भी हकीकत है कि किशोरों के सामने लंबा भविष्य होता है। यदि परिस्थितिवश या मजबूरी में वे कोई अपराध करते हैं तो उन्हें सुधरने का मौका दिया जाना चाहिए। वैसे भी दंड का अंतिम उद्देश्य व्यक्ति में सुधार ही होता है।
किशोर सजा काटने के बाद भी लगातार अपराध की दुनिया में सक्रिय रहते हैं तो उसके लिये दंड के सख्त प्रावधान होने चाहिए। वहीं, अपराध के मूल में आर्थिक विषमताएं भी हैं, जिसके चलते वे पढ़-लिख नहीं पाते हैं। लेकिन हाल के वर्षों में तमाम सामाजिक विद्रूपताएं भी किशोर मन में नकारात्मक प्रभाव डाल रही हैं। जैसेकि दिल्ली की घटना में लिप्त किशोरों ने स्वीकारा कि वे नशे के आदी हैं, यह घटना हमारे समाज में नशे के नासूर से उपजे संकट की ओर इशारा करती है। ऐसे में नशे पर अंकुश के साथ ही उन सामाजिक विसंगतियों पर नजर रखने की जरूरत है जो किशोर मन के भटकाव को जन्म देती हैं। भारतीय समाज में जीवन मूल्यों का तेजी से होता पतन भी एक वजह है। किशोरों को नैतिक शिक्षा का पाठ सही ढंग से न स्कूलों में मिल पा रहा है और न ही घरों में। इस संकट का एक बड़ा पहलू इंटरनेट पर जहरीली व अश्लील सामग्री की प्रचुरता भी है। अक्सर किशोरों द्वारा भी इंटरनेट पर अश्लील सामग्री देखने के बाद यौन हिंसा को अंजाम दिया जाता है । ऐसे में बच्चों को संस्कार स्कूल और घर के बजाय मोबाइल से मिल रहे हैं। लेकिन इतना तय है कि सोशल मीडिया व इंटरनेट से जुड़े विभिन्न माध्यमों में परोसी जा रही विषैली सामग्री बाल मन पर बुरा असर डाल रही है। ऐसे में नशा, अश्लीलता और अपराध उन्मुख कार्यक्रम किशोरों को अपराध की गलियों में गुजरने के लिए उकसा रहे हैं। बहरहाल, अब समय आ गया है कि नीति-नियंताओं को विचार करना चाहिए कि हत्या-बलात्कार जैसे जघन्य अपराधों में लिप्त किशोरों के लिये कैसे कानून बनें। निश्चय ही कानून का मकसद किसी अपराधी में सुधार ही होना चाहिए। लेकिन इस छूट को सजा से छूट का हथियार बनने देने से भी रोकना चाहिए। कानून में समय परिस्थितियों की मांग के अनुसार परिवर्तन और सुधार करने की जरूरत है अब ऐसे गिरोह भी सक्रिय हैं जो नाबालिगों को कच्चा लालच देकर हायर कर संगीन वारदातों को सहजिशन अंजाम दिला रहे हैं। बड़े गैंगस्टर भी इनको वारदातों को अंजाम देने के लिए इस्तेमाल करते हैं। कुछ साल पहले चार नाबालिग लड़कों ने कड़कड़डूमा कोर्ट में जज के कमरे में घुसकर गैंगस्टर इरफान उर्फ छेनू पर हमला करवा दिया था। इन लोगों ने छेनू को पांच गोली मारी, लेकिन उसके बाद भी वह जिंदा बच गया। हमले में दिल्ली पुलिस का एक हवलदार इन नाबालिगों की गोली लगने से मारा गया था। बाद में पता चला था कि छेनू के विरोधी नासिर ने इन नाबालिग शूटरों का इंतजाम किया था। इसके बाद से लगातार इन नाबालिगों के इस्तेमाल का तेजी से ट्रेंड बढ़ गया। मौजूदा समय में बदमाश लगातार वारदातों को अंजाम दे रहे हैं। जरूरत इस बात की है कि नाबालिगों की परवरिश के लिए समाज में स्वस्थ माहौल की स्थापना की जाए उनके भीतर नैतिकता रोपी जाए ताकि बचपन भविष्य का अपराधी बनने से बचाया जा सके।

Printed and Published by Manish KUMAR KASHYAP,Run by Vananchal Media & Wefare Trust, behalf of Palace of Publication,BALIHARI ROAD, NEAR - KALYAN BHAWAN NEW AREA MORABADI RANCHI- 834008,Ranchi- Jharkhand, and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222,Jharkhand And Published at Palace of Publication,Ranchi- Jharkhand,, **PRGI. NO,JHAHIN/2023/88773** Editor- Editor SHAHOOD ALAM. Mob -

अभिनेता से निर्माता बनने की तरफ बढ़े पंकज त्रिपाठी

परफेक्ट फैमिली से करेंगे डेब्यू

राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता एक्टर पंकज त्रिपाठी अब अभिनेता से निर्माता बनने की तरफ बढ़ चले हैं। वेब सीरीज के जरिए वे बतौर प्रोड्यूसर डेब्यू कर रहे हैं। उनकी पहली सीरीज का नाम है, परफेक्ट फैमिली। यह आठ एपिसोड की ड्रामा सीरीज है। पंकज त्रिपाठी की डेब्यू सीरीज सीधे यूट्यूब पर रिलीज होगी। इस प्लेटफॉर्म पर सीरीज को पेड मॉडल के तहत रिलीज किया जा रहा है। न्यूज एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, एक प्रेस रिलीज में कहा गया कि जेएआर पिक्चर्स के अजय राय और मोहित छाबड़ा द्वारा निर्मित तथा पलक भाबरी द्वारा क्रिएट इस सीरीज का प्रीमियर 27 नवंबर को जेएआर सीरीज यूट्यूब चैनल पर होगा।

ये सितारे आएंगे नजर

मेकर्स के मुताबिक, सीरीज परफेक्ट फैमिली को भारत के विकसित होते डिजिटल इकोसिस्टम में एक महत्वपूर्ण प्रयोग के रूप में पेश किया गया है। सीरीज के पहले दो एपिसोड मुफ्त उपलब्ध रहेंगे, वहीं दर्शक 59 रुपये का भुगतान करके बाकी एपिसोड देख सकते हैं। इस सीरीज का निर्देशन सचिन पाठक ने किया है। इसमें गुलशन देवैया, नेहा धूपिया, मनोज पाहवा, सीमा पाहवा, गिरिजा ओक और अन्य कलाकार शामिल हैं।

पंकज त्रिपाठी ने शेयर की खुशी

परफेक्ट फैमिली एक कॉमेडी ड्रामा सीरीज है, जो परिवार के ईर्द-गिर्द घूमती है। सीरीज को लेकर पंकज त्रिपाठी ने कहा कि पारंपरिक रिलीज फॉर्मेट को चुनौती देने वाले प्रोजेक्ट के साथ पहली बार निर्माता बनना जरूरी लगा। उन्होंने आगे कहा, परफेक्ट फैमिली मेरे दिल के बेहद करीब है। दुनियाभर के परिवार इस शो में अपना एक हिस्सा देखेंगे। एक्टर ने आगे कहा, यूट्यूब का पेड मॉडल भारतीय क्रिएटर्स के लिए एक बिल्कुल नया रास्ता खोलता है। इस सीरीज की कहानी कर्करिया परिवार और उनके बेटे दानी की है।

बॉलीवुड की युवा अभिनेत्रियां जिन्होंने कम उम्र में किया डेब्यू

बॉलीवुड में हमेशा से नए चेहरे लॉन्च होते रहे हैं। इनमें से कई एक्ट्रेस रातोंरात प्रसिद्ध हो जाती हैं। कई बार तो ये अभिनेत्रियां बहुत कम उम्र में ही अपनी पहचान बना लेती हैं। ऐसी ही पांच युवा अभिनेत्रियों के बारे में बात करेंगे, जिन्होंने कम उम्र में बॉलीवुड में डेब्यू किया। इनमें से कुछ ने अभी-अभी शुरुआत की है, जबकि कुछ ने अपनी पहली फिल्मों से ही सबका ध्यान खींच लिया।

अनीत पड्डा

अनीत पड्डा एक उभरती हुई अभिनेत्री हैं, जो पंजाब के अमृतसर में 14 अक्टूबर 2002 को एक साधारण सिख परिवार में पैदा हुईं। वे बहुत कम उम्र से ही मॉडलिंग और विज्ञापनों में काम करने लगीं। अनीत ने कई टीवी ऐड्स में काम किया है। अनीत ने बॉलीवुड में अपना डेब्यू 2022 में फिल्म सलाम वेंकी से किया, जब उनकी उम्र मात्र 20 साल थी। इसके बाद 2024 में अनीत अमेजन प्राइम वीडियो की वेब सीरीज बिग गर्ल्स डोंट क्राई में लीड रोल में नजर आईं। 2025 में अनीत को असली ब्रेक मिला फिल्म सैयारा से, जो मोहित सूरी द्वारा निर्देशित है। इसमें उन्होंने आहान पांडे के साथ लीड रोल निभाया। इस फिल्म ने अनीत को रातोंरात स्टार बनाया दिया।

सई मांजरेकर

सई मांजरेकर बॉलीवुड के मशहूर अभिनेता-निर्देशक महेश मांजरेकर और अभिनेत्री मेधा मांजरेकर की बेटी हैं। वे 24 दिसंबर 2001 को मुंबई में पैदा हुईं। सई ने बहुत कम उम्र में ही एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा। 2012 में, जब वे सिर्फ 11 साल की थीं, उन्होंने मराठी फिल्म काकस्पर्श में एक छोटा रोल किया, जो उनका पहला डेब्यू था। लेकिन बॉलीवुड में उनका असली डेब्यू 2019 में फिल्म दबंग 3 से हुआ, जब उनकी उम्र 18 साल थी। इस फिल्म में उन्होंने सलमान खान के साथ खुशी चौटाला का रोल निभाया। सई अब 23 साल की हैं और हिंदी-तेलुगु दोनों इंडस्ट्री में काम कर रही हैं।

शनाया कपूर

शनाया कपूर बॉलीवुड एक्टर संजय कपूर और महीप कपूर की बेटी हैं। शनाया का जन्म 3 नवंबर 2000 को मुंबई में हुआ। 2019 में जब वे 19 साल की थीं, उन्होंने गुंजन सक्सेना - द कारगिल गर्ल फिल्म में असिस्टेंट डायरेक्टर के तौर पर काम किया। लेकिन एक्टिंग डेब्यू की बात करें तो 2025 में फिल्म आंखों की गुस्ताखियां से हुआ, जब उनकी उम्र 24 साल थी। यह विक्रांत मैसी के साथ एक रोमांटिक ड्रामा है। इस फिल्म में शनाया की परफॉर्मेंस को सराहा गया।

नितांशी गोयल

नितांशी गोयल एक बाल कलाकार से शुरू करके लीड एक्ट्रेस बनीं। वे 12 जून 2007 को उत्तर प्रदेश के नोएडा में पैदा हुईं। उनके पिता नितिन गोयल एक बिजनेसमैन हैं और मां रश्मि गोयल उनके करियर को सपोर्ट करती हैं। नितांशी ने 2016 में फिल्म मन में विश्वास है से अपना फिल्म डेब्यू किया, जब वे मात्र 9 साल की थीं। इसके अलावा टीवी शोज जैसे थपकी प्यार की, नागार्जुन - एक योद्धा और इनसाइड एज में काम किया। लेकिन बॉलीवुड में बड़ा ब्रेक उन्हें 2024 में आई फिल्म लापता लेडीज से मिला, जो आमिर खान की प्रोडक्शन है। इस कॉमेडी-ड्रामा में उन्होंने फूल कुमारी का लीड रोल निभाया, जब उनकी उम्र 17 साल थी।

राशा थडानी

राशा थडानी सुपरस्टार रवीना टंडन और फिल्म डिस्ट्रीब्यूटर अनिल थडानी की बेटी हैं। वे 16 मार्च 2005 को मुंबई में पैदा हुईं। स्टार किड होने के बावजूद, उन्होंने कम उम्र में ही डेब्यू की प्लानिंग की। 2025 में फिल्म आजाद से बॉलीवुड डेब्यू किया, जब उनकी उम्र 20 साल थी। अभिषेक कपूर द्वारा निर्देशित इसमें अमन देवगन (अजय देवगन के भतीजे) के साथ लीड रोल है। फिल्म में दीया पेंटी और अजय देवगन भी हैं।

रणवीर सिंह ने की 'धुरंधर' की हीरोइन सारा अर्जुन की जमकर तारीफ

चालीस साल के हो चुके रणवीर सिंह अपनी आगामी फिल्म 'धुरंधर' में अपने से 20 साल छोटी अभिनेत्री सारा अर्जुन के साथ रोमांस करने को तैयार हैं। जब फिल्म की घोषणा हुई थी तो हर कोई इस बात पर काफी हैरान था। हालांकि, अब फिल्म का ट्रेलर सामने आने के बाद, लोगों को दोनों की केमिस्ट्री पसंद आ रही है। खुद रणवीर सिंह ने ट्रेलर लॉन्च इवेंट में सारा अर्जुन की जमकर तारीफ की है।

रणवीर ने सारा को बताया टैलेंटड

धुरंधर के ट्रेलर लॉन्च इवेंट में रणवीर सिंह ने सारा अर्जुन को संबोधित करते हुए कहा कि सारा, मुझे विश्वास नहीं हो रहा है कि हम यहां इस मंच पर हैं। आपके लिए कितना खास पल है। मैं इसका हिस्सा बनकर सम्मानित महसूस कर रहा हूं, मैं आपके लिए ऐसे खास पल का हिस्सा बनकर भाग्यशाली हूं। सारा एक टैलेंटेड इंसान है। कुछ लोग होते हैं जिनके बारे में बचपन से ही पता होता है कि वो कितने प्रतिभाशाली हैं। जैसे एक बार डकोटा फैनिंग आई थी हॉलीवुड में। सारा, मुझे लगता है कि आपने यहां तक पहुंचने के लिए कई लोगों को पीछे छोड़ा है। यह आपकी प्रतिभा का प्रमाण है। ऐसा लगता है कि ये 50 फिल्म करके आई हैं। वह एक व्यक्ति के रूप में, एक कलाकार के रूप में बहुत ही असाधारण हैं। जाहिर है कि सारा अर्जुन 'धुरंधर' में पहली बार लीड एक्ट्रेस के तौर पर नजर आएंगी।

यकीन नहीं हो रहा ये आपकी पहली फिल्म है

आगे अपनी को-एक्ट्रेस की तारीफ करते हुए रणवीर सिंह ने कहा कि आप उन बेहतरीन कलाकारों में से एक हैं, जिनके साथ मैंने स्क्रीन साझा की है। उसके लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। मुझे यकीन ही नहीं हो रहा कि यह आपकी पहली फिल्म है। एक ऐसे व्यक्ति जिन्हें मैं बहुत प्यार और सम्मान देता हूं, मणिरत्नम सर, आपने उनकी फिल्मों में भी काम किया है। आपने अपनी क्षमता दिखाई है और अब दुनिया आपको बड़े मंच पर देखेगी। मैं वाकई बहुत खुश हूं और मुझे आप पर बहुत गर्व है। थैंक्यू सारा।

5 दिसंबर को रिलीज होगी फिल्म

'धुरंधर' की बात करें तो आदित्य धर द्वारा निर्देशित फिल्म 5 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। फिल्म में रणवीर सिंह के अलावा अक्षय खन्ना, आर माधवन, अर्जुन रामपाल, संजय दत्त और सारा अर्जुन प्रमुख भूमिकाओं में नजर आए हैं।

लोगों को हंसा-हंसाकर रुलाएगी मस्ती 4

मस्ती और क्या कूल है हम जैसी फिल्म फ्रेंचाइजी के जरिए भारतीय सिनेमा में अडल्ट कॉमिडी जॉनर को मजबूती देने वाले राइटर-डायरेक्टर मिलाप जवेरी एक लंबे अरसे बाद अब इसी कड़ी में मस्ती 4 लेकर आ रहे हैं। इन दिनों अपनी पिछली फिल्म एक दीवाने की दीवानियत की सफलता एंजॉय कर रहे मिलाप जवेरी से उनके फिल्म फ्रेंचाइजेस को लेकर खास बातचीत -

आज रियलिस्टिक और ग्लोबल फिल्मों का दौर है। आपको क्यों लुभाता है यह 90 वाला कमर्शल सिनेमा?

थिएटर में कमर्शियल सिनेमा ही आखिर में चलता है। आप इस साल की चार बड़ी फिल्में ले लीजिए, छावा, सैयारा, रेड 2 और एक दीवाने की दीवानियत, ये सभी कमर्शल कहानियां हैं। कोई आर्ट हाउस सिनेमा नहीं है। सभी अपने-अपने ढंग से एंटरटेन करती हैं और ऑडियंस को एंटरटेन करने वाला कमर्शल सिनेमा ही चाहिए। जितना हम उससे दूर भागेंगे, हर साल हमारी फिल्मों की सफलता उतनी कम होती जाएगी। जितना हम ग्लोबल होने के चक्कर में पड़ेंगे, उतना अपनी जड़ों, अपने देसीपन भूलते जाएंगे और गलतियां करते जाएंगे। इसलिए, मेरी कोशिश तो हमेशा यही रहेगी कि मैं कमर्शल और मनोरंजक फिल्में ही बनाऊं, क्योंकि जब हम अपनी मिट्टी से जुड़ी कहानियां नहीं बताते तो ऑडियंस हमसे दूर हो जाती है। एक दीवाने की दीवानियत को जो लोग बोल रहे हैं कि 90 के दौर की कहानी है, वो यह भी देखें कि उसी 90 के दौर की कहानी को दर्शकों ने 100 करोड़ के पार पहुंचा दिया। मुझे उम्मीद है कि जैसे दीवानियत ने लोगों को रुलाया, वैसे मस्ती 4 हंसा-हंसा कर रुलाएगी।

मतलब आपका कहना है कि बॉलिवुड फिल्ममेकर्स ऑडियंस को पहचानने में भूल कर रहे हैं?

बिल्कुल, हम आलोचकों को बहुत गंभीरता से लेते हैं। हम सिर्फ शहरी दर्शकों को खुश करने में एक्स्ट्रा मेहनत करते हैं और भूल जाते हैं कि इंडिया भारत में बसा हुआ है और उस भारत को मनोरंजन चाहिए, ज्ञान नहीं चाहिए। अगर हम दर्शकों को मनोरंजन देते रहेंगे, चाहे लव स्टोरी हो, ऐक्शन हो या कॉमिडी, वे उसे हमेशा सुपरहिट बनाएंगे। मैं हमेशा मास के लिए फिल्म बनाने की कोशिश करता हूं क्योंकि हमारे थिएटर में मास ऑडियंस ही आती है।

मस्ती फ्रेंचाइजी को वापस लाने का ख्याल क्यों आया? जबकि, आपके लीड ऐक्टर की उम्र 40-50 के पास पहुंच चुकी है?

मस्ती एक सदाबहार इमोशन है। आप 20 साल के हो, 40 के या 50 के, मस्ती करने का सोचता हर कोई है। वो करे या न करे, सोचता तो है तो आज भले विवेक ओबेरॉय, आफताब शिवदासानी, रितेश देशमुख की उम्र और कमर अलग है, मगर पर्दे पर मस्ती वे अब भी उतनी ही करते हैं। फिर, मस्ती रितेश, विवेक और आफताब के बगैर बन ही नहीं सकती। ये तीनों इसके अमर अकबर एंथनी हैं। इसके स्तंभ हैं और जब भी ये तीनों एक साथ आते हैं तो पब्लिक हंस हंसकर लोटपोट हो जाती है। तभी लोगों ने इस फ्रेंचाइजी को इतना प्यार दिया है, तो जब हमें इसे आगे बढ़ाने लायक कहानी मिली तो हम चौथा पार्ट लेकर आ गए हैं। बाकी, ये तो अच्छा है कि कुछ सालों से ये जॉनर पर्दे पर नहीं आया है तो लोगों को इसे देखने को लेकर ज्यादा उत्सुकता है क्योंकि जब आप लोगों को कुछ चीजों से वंचित रखते हैं तो उसकी एक्साइटमेंट कहीं ज्यादा होती है।

क्रिटिसिजम को कैसे लेते हैं?

वो तो पार्ट एंड पार्सल है इस जॉनर का। इस जॉनर को हमेशा ऐसी ही ट्रोलिंग मिली है, मगर ऑडियंस ने हमेशा प्यार दिया है तो मुझे ट्रोल्स की फिक्र नहीं होती है। उनकी राय उनको मुबारक हो। हम तो उन ऑडियंस के लिए ये बना रहे हैं, जिन्हें ये शरारतें, मस्ती, ये ह्यूमर और डबल मीनिंग जोक्स पसंद आता है। यह फिल्म उन ऑडियंस के लिए बनी है, अगर आपको ये चीजें नहीं पसंद आती हैं तो आप यह फिल्म मत देखिए।

रितेश देशमुख और जॉन अब्राहम के साथ आपके रिश्ते की मजबूती का क्या राज है?

इन दोनों का ही जन्मदिन 17 दिसंबर को होता है तो इस दिन की कुछ तो खास बात जरूर होगी, क्योंकि दोनों मेरे दिल के बहुत करीब हैं। रितेश ने हमेशा मेरा साथ दिया है। वह मेरे मित्र भी हैं। मेरे सेठ जी भी हैं। जॉन (अब्राहम) को मैं मेरा हल्क बुलाता हूं। जॉन ने मुझे सत्यमेव जयते के साथ एक नया करियर दिया था और वे आज भी मेरे बहुत अच्छे दोस्त हैं। इन दोनों ने हर अच्छे-बुरे वक्त में मेरा साथ दिया है।

पहले दिन का खेल समाप्त, दक्षिण अफ्रीका का स्कोर 247/6

– भारत ने दिन का अंत मजबूत वापसी के साथ किया

गुवाहाटी (एजेंसी)। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच दूसरे और अंतिम टेस्ट के पहले दिन का खेल समाप्त हो गया है। बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम में खेले जा रहे इस मुकाबले में मेजबान दक्षिण अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया और दिन का अंत छह विकेट पर 247 रन के साथ किया। टीम के लिए ट्रिस्टन स्टब्स ने सर्वाधिक 49 रन बनाए, जबकि कप्तान टेम्बा बावुमा ने 41 रनों का योगदान दिया। दिन के अंत में सेनुरन मुथुसामी 25 रन और काइल वेरेन एक रन बनाकर क्रीज पर डटे हुए हैं। भारतीय गेंदबाजों ने शुरुआती दौर में दबाव झेलने के बाद शानदार वापसी की। कुलदीप यादव ने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए तीन विकेट चटकाए, जबकि जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज और रविंद्र जडेजा ने एक-एक विकेट अपने नाम किया।

दक्षिण अफ्रीका की शुरुआत संभली हुई रही और टीम ने चायकाल तक एक विकेट पर 82 रन बना लिए थे। इस मैच में चायकाल लंच से पहले लिया गया। पहला विकेट एडन मारक्रम के रूप में गिरा, जो 27वें ओवर में 38 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने 81 गेंदों में पांच चौके लगाए और टीम को मजबूत प्लेटफॉर्म दिया।

चायकाल के बाद भारत ने तुरंत प्रभाव दिखाया। कुलदीप यादव ने अपने पहले ही ओवर में रायन रिकलटन को 35 रन पर आउट कर दूसरी सफलता दिलाई। रिकलटन ने 82 गेंदों में पांच चौकों की मदद से अपनी पारी को सजाया। लंच तक दक्षिण अफ्रीका दो विकेट पर 156 रन बनाकर मजबूत स्थिति में दिख रहा था, लेकिन बाद में भारतीय गेंदबाजों ने नियमित अंतराल पर विकेट झटककर मैच को संतुलन में ला दिया। अब दूसरे दिन का खेल दोनों टीमों के लिए अहम होगा। भारत की कोशिश जल्द से जल्द दक्षिण अफ्रीका को समेटने की होगी, जबकि मेजबान टीम 300 से ऊपर का स्कोर खड़ा करने का प्रयास करेगी।

बैडमिंटन ऑस्ट्रेलिया ओपन 2025: चाउ टिएन चेन को हराकर लक्ष्य सेन फाइनल में

सिडनी (एजेंसी)। भारत के स्टार शटलर लक्ष्य सेन ने ऑस्ट्रेलिया ओपन 2025 में शानदार प्रदर्शन करते हुए चीनी ताइपे के अनुभवी खिलाड़ी चाउ टिएन चेन को हराकर फाइनल में प्रवेश कर लिया। ओलंपिक पार्क स्पोर्ट्स सेंटर में खेले गए इस रोमांचक सेमीफाइनल मुकाबले में लक्ष्य ने 1 घंटा 26 मिनट की कड़ी जंग के बाद 17-21, 24-22, 21-16 से जीत दर्ज की।

इस मुकाबले में लक्ष्य सेन ने तीन मैच पॉइंट बचाते हुए वापसी की और विश्व रैंकिंग में छठे स्थान पर काबिज चाउ टिएन चेन को मात देकर इतिहास रच दिया। यह लक्ष्य की चेन के खिलाफ आठ मुकाबलों में चौथी जीत है।

पहला गेम चाउ टिएन चेन ने 4-0 की तेज बढ़त के साथ आसानी से जीत लिया। लेकिन दूसरे गेम में लक्ष्य ने शानदार लड़ाई दिखाई और निर्णायक क्षणों में बेहतर प्रदर्शन करते हुए 24-22 से गेम अपने नाम कर लिया। तीसरे गेम में भारतीय शटलर ने 7-2 की बढ़त बनाई और ब्रेक तक 11-6 की बढ़त कायम रखी। एक बार बढ़त मिलने के बाद लक्ष्य ने मैच पर पूरा नियंत्रण बना लिया और 21-16 से जीत हासिल करते हुए फाइनल में जगह पक्की की।

2025 बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर सीजन में लक्ष्य सेन का यह दूसरा फाइनल होगा। फाइनल में उनका मुकाबला युन ची लिन (चीनी ताइपे) और युशी तनाका (जापान) के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा।

सबा करीम ने बुमराह के इम्पैक्ट की जमकर सराहना की

– जायसवाल को दी खास सलाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच कोलकाता के ईडन गार्डेन्स में खेले गए पहले टेस्ट ने कई सवाल खड़े कर दिए, खासकर भारत की कमजोर बैटिंग और साउथ अफ्रीकी गेंदबाजों की जबरदस्त धार को लेकर। इस लो-स्कोरिंग मैच में जहां भारतीय बल्लेबाज लगातार जूझते दिखाई दिए, वहीं जसप्रीत बुमराह एक बार फिर भारत के सबसे भरोसेमंद गेंदबाज साबित हुए। पूर्व भारतीय विकेटकीपर सबा करीम ने बुमराह की मैच-इंटेलिजेंस, फिटनेस और स्वभाव की खुलकर तारीफ करते हुए कहा कि बुमराह उन गेंदबाजों में से हैं जो हर परिस्थिति में सिर्फ अपनी प्रक्रिया पर भरोसा करते हैं और टीम के लिए ढाल बनकर खड़े रहते हैं।

सबा करीम के अनुसार बुमराह ऐसे गेंदबाज हैं जिन पर किसी भी कंडीशन का बहुत असर नहीं पड़ता। चाहे पिच बल्लेबाजों के लिए हो या गेंदबाजों के लिए, बुमराह अपनी नेचुरल लेंथ, वेरिएशन और सटीक लाइनों से हमेशा प्रभाव डालते हैं। करीम ने कहा कि 'बुमराह को स्पेल की लंबाई या विकेट की मदद से फर्क नहीं पड़ता। वह अपनी क्षमता से पार्टनरशिप तोड़ते हैं और कप्तान के लिए हर परिस्थिति में सबसे भरोसेमंद विकल्प बने रहते हैं।' उन्होंने ईडन टेस्ट में बुमराह द्वारा डाले गए लंबे स्पेल, उनकी फिटनेस और विकेट लेने की भूख की भी तारीफ की। हालांकि भारत को 124 रन के आसान से लक्ष्य का पीछा करते हुए 30 रन से शर्मनाक हार मिली थी, लेकिन बुमराह पूरे मैच में छाए रहे। उन्होंने दोनों पारियों में साउथ अफ्रीकी बल्लेबाजों पर दबाव बनाए रखा। सबा करीम ने यह भी माना कि अंतिम दिन उन्हें थोड़ा देर से गेंदबाजी के लिए लाया गया, वरना असर और भी बड़ा दिख सकता था।

सबा करीम ने इस दौरान भारतीय ओपनर यशस्वी जायसवाल की बैटिंग एप्रोच पर भी अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि जायसवाल का अटैकिंग माइंडसेट बेहतरीन है, लेकिन शॉट सिलेक्शन पिच की जरूरत के अनुरूप होना चाहिए। पहली पारी में जायसवाल अधीर दिखे और कंडीशन को ध्यान में रखकर अपने खेल में लचीलापन नहीं ला सके। करीम के अनुसार, 'हर स्थिति में हमला करना सही तरीका नहीं होता। कई बार शुरुआत धीमी रखकर इनिंग को सेट करना जरूरी होता है, खासकर ऐसी पिच पर जहां रन निकालना मुश्किल हो।' भारतीय टीम अब गुवाहाटी में होने वाले दूसरे टेस्ट में वापसी की कोशिश करेगी। साउथ अफ्रीका 2010 के बाद पहली बार भारत में टेस्ट जीत चुका है और उसका आत्मविश्वास चरम पर है। ऐसे में बुमराह के प्रदर्शन और युवा बल्लेबाजों के बेहतर शॉट सिलेक्शन पर टीम की उम्मीदें टिकी रहेंगी।

ट्रैविस हेड की तूफानी सेंचुरी से इंग्लैंड ध्वस्त, दो दिन में ऑस्ट्रेलिया ने जीता पहला एशेज टेस्ट

पर्थ (एजेंसी)। पर्थ में खेले गए पहले एशेज टेस्ट का नतीजा चौंकाने वाला रहा, क्योंकि मुकाबला महज दो दिन में ही खत्म हो गया। मेजबान ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड को आठ विकेट से हराकर श्रृंखला में शानदार बढ़त बना ली। इस तेज जीत के हीरो रहे सलामी बल्लेबाज ट्रैविस हेड, जिन्होंने इंग्लैंड के गेंदबाजों की जमकर धुनाई करते हुए तहलका मचा दिया। 205 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया। टीम ने सिर्फ 28.2 ओवर में दो विकेट खोकर लक्ष्य पूरा कर लिया। ट्रैविस हेड ने 83 गेंदों में विस्फोटक 123 रन ठोककर इंग्लैंड की गेंदबाजी लाइन-अप को झकझोर कर रख दिया। उनकी पारी में 16 चौके और 4 गगनचुंबी छक्के शामिल रहे। हेड ने महज 69 गेंदों में अपना शतक पूरा किया, जो उनकी आक्रामक मानसिकता और अद्भुत टाइमिंग का प्रमाण है।

दूसरे छोर पर मार्नस लाबुशेन ने भी संयमित लेकिन महत्वपूर्ण पारी खेलते हुए नाबाद 51 रन बनाए। दोनों बल्लेबाजों ने मिलकर इंग्लैंड के गेंदबाजों को कोई मौका नहीं दिया और मुकाबले को एकतरफा बना दिया। इंग्लैंड की ओर से गेंदबाजी फीकी रही और वे न तो गति से, न ही स्विंग से ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों को रोक पाए। पहले दिन ही इंग्लैंड की बल्लेबाजी लड़खड़ा गई थी, जिसका दबाव दूसरे दिन उनकी गेंदबाजी पर भी साफ दिखाई दिया। ऑस्ट्रेलिया की इस धमाकेदार जीत ने एशेज सीरीज में रोमांच बढ़ा दिया है और टीम का आत्मविश्वास भी चरम पर पहुंच गया है। दूसरी ओर, इंग्लैंड को अब अगले टेस्ट से पहले अपनी रणनीति और टीम कॉम्बिनेशन पर फिर से विचार करना होगा।

इससे पहले इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया, लेकिन कप्तान बेन स्टोक्स का यह निर्णय पहले दिन कमजोर साबित हुआ जब पूरी टीम 172 रन बनाकर आउट हो गई। हालांकि, जवाब में ऑस्ट्रेलिया की टीम भी पहली पारी में संघर्ष करती नजर आई और सिर्फ 132 रनों पर सिमट गई। इंग्लैंड को पहली पारी के आधार पर 40 रनों की बढ़त मिली, जो मैच की परिस्थिति को देखते हुए महत्वपूर्ण साबित हुई। इस पिच पर हर रन का महत्व है, क्योंकि बल्लेबाजों के लिए यहां टिकना चुनौती बन गया है।

दूसरी पारी में इंग्लैंड का प्रदर्शन पहले से बेहतर होने की उम्मीद थी, लेकिन एक बार फिर उनकी बल्लेबाजी विफल साबित हुई। पूरी टीम 164 रन ही जोड़ पाई। इस मैच की तीनों पारियों में अब तक सिर्फ एक ही बल्लेबाज अर्धशतक तक पहुंच पाया है हैरी ब्रूक, जिन्होंने पहली पारी में 52 रन बनाए थे। दूसरी पारी में इंग्लैंड के लिए गस एटकिंसन ने 37 रनों की उपयोगी पारी खेली और ब्रायडन कार्स के साथ मिलकर 50 रनों की साझेदारी कर टीम को 200 से ऊपर की बढ़त दिलाने में मदद की। यही रन अब ऑस्ट्रेलिया के लिए बड़ी चुनौती बन सकते हैं। ऑस्ट्रेलिया की गेंदबाजी की बात करें तो टीम के प्रमुख तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड और पैट कमिंस इस मैच में नहीं खेले, लेकिन उनके बिना भी ऑस्ट्रेलियाई आक्रमण ने शानदार प्रदर्शन किया और इंग्लैंड को दोनों पारियों में 200 के भीतर रोक दिया। इससे पता चलता है कि पर्थ की पिच कितनी कठिन है और बल्लेबाजों के लिए यहां रन बनाना कितना मुश्किल।

ऑस्ट्रेलिया को 205 रनों का लक्ष्य मिलने के बावजूद यह रन बनाना आसान नहीं होगा। पिच में लगातार असमान उछाल और सीम मूवमेंट दिख रही है, जो इंग्लैंड के तेज गेंदबाजों के लिए बड़ा हथियार बन सकती है। तीसरे दिन मैच का नतीजा आना लगभग तय माना जा रहा है, और मुकाबला दोनों टीमों के लिए बराबरी की टक्कर वाला बन गया है। अब देखना यह होगा कि इंग्लैंड का गेंदबाजी आक्रमण ऑस्ट्रेलिया को रोक पाता है या मेजबान टीम शुरुआती टेस्ट में बढ़त हासिल करती है।

महिला विश्व कप ट्राफी जीतने के बाद पहली बार देहरादून पहुंची स्नेहा राणा, रेलवे स्टेशन पर हुआ जोरदार स्वागत, रेलवे अधिकारियों ने कहा गर्व की बात

देहरादून। भारतीय महिला टीम की सदस्य आलराउंडर स्नेह राणा का देहरादून रेलवे स्टेशन पर धूमधाम से स्वागत हुआ। बीते दो नवंबर को भारतीय महिला टीम द्वारा वनडे क्रिकेट विश्व कप ट्राफी जीतने के बाद पहली बार स्नेह राणा देहरादून पहुंची। स्नेह क्रिकेटर होने के साथ-साथ देहरादून रेलवे स्टेशन में कमर्शियल कम टिकट क्लर्क पद पर तैनात हैं और रेलवे क्रिकेट टीम से भी खेलती हैं। इस दौरान रेल अधिकारियों और कर्मचारियों ने उन्हें भारतीय रेल के लिए गर्व का विषय बताया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक देहरादून से सटे सिनोला गांव की रहने वाली स्नेह राणा का स्वागत रेलवे स्टेशन में ढोल-नगाड़ों के साथ किया गया। रेल अधिकारियों ने वनडे विश्व कप मैच में उनके शानदार प्रदर्शन की तारीफ की। स्नेह ने अपने क्रिकेट के सफर पर बात करते हुए कहा कि पहली बार जब वह पंजाब से खेलने जा रही थी तो वह इसी रेलवे स्टेशन से सफर किया था। इस दौरान एक टीटी ने उनके ट्रेन सफर को साझा किया। स्टेशन अधीक्षक रविंद्र कुमार ने कहा कि स्नेह राणा देश, प्रदेश, जिले के साथ-साथ भारतीय रेलवे के लिए भी गर्व और प्रेरणा हैं। सीटीआई सुहेल खान ने बताया स्नेह पूर्व में फिरोजपुर मंडल में तैनात थी। पिछले साल ही उनका देहरादून में तबादला हुआ है।

सुपर ओवर में बड़ा विवाद- वैभव सूर्यवंशी को बाहर बैठाकर भारत ने गंवाया फाइनल का टिकट

दोहा। दोहा में खेले गए एशिया कप राइजिंग स्टार्स 2025 के सेमीफाइनल मुकाबले में भारत ए टीम की हार जितनी रोमांचक थी, उतनी ही विवादों से घिरी भी रही। मैच का फैसला सुपर ओवर में हुआ, लेकिन इसी ओवर ने टीम मैनेजमेंट के फैसलों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए। पावर हिटर वैभव सूर्यवंशी को बल्लेबाजी का मौका न देना टीम के बाहर होने का सबसे बड़ा कारण माना जा रहा है। युवा बल्लेबाज डगआउट में बेचैन बैठे रहे, उनके चेहरे पर मायूसी साफ दिख रही थी, लेकिन कोच सुनील जोशी और कप्तान जितेश शर्मा ने उन्हें मैदान पर भेजने का फैसला नहीं लिया। 40 ओवर के संघर्ष के बाद दोनों टीमों का स्कोर 194-194 रन पर बराबर रहा। सुपर ओवर में भारत ने पहले बल्लेबाजी की, लेकिन टीम ने हैरान कर देने वाला फैसला लिया। कप्तान जितेश शर्मा और रमनदीप सिंह को ओपनिंग के लिए भेजा गया, जबकि वैभव सूर्यवंशी जैसे विस्फोटक बल्लेबाज को डगआउट में ही रोके रखा गया। वैभव को देखकर साफ समझ आ रहा था कि वे बल्लेबाजी को बेताब हैं, लेकिन उन्हें मौका नहीं मिला। पहली गेंद पर कप्तान जितेश क्लीन बोल्ड हो गए और भारत की रणनीति शुरुआत से ही बिखर गई। सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि कप्तान के आउट होने के बाद भी कोच ने वैभव सूर्यवंशी को भेजने का फैसला नहीं किया। तीसरे नंबर पर आशुतोष शर्मा को उतारा गया, लेकिन वे भी पहली ही गेंद पर आउट हो गए। सुपर ओवर में टीम के पास सिर्फ तीन बल्लेबाज उतरने का मौका होता है और दो विकेट गिरते ही पारी समाप्त हो जाती है। ऐसे में भारत की पूरी प्लानिंग धराशायी हो गई और वैभव बिना खेले ही वापस लौटने पर मजबूर हो गए। बांग्लादेश को जीत के लिए बेहद आसान लक्ष्य मिला, जिसे उन्होंने एक वाइड बॉल पर ही हासिल कर लिया। भारत का फाइनल तक का सफर सुपर ओवर में लिए गए दो गलत फैसलों की वजह से थम गया। मैच के बाद फैंस भी टीम मैनेजमेंट की आलोचना करते नजर आए और यह सवाल उठाने लगे कि जब टीम को मैच जिताने के लिए पावर हिटर की जरूरत थी, तब वैभव सूर्यवंशी को क्यों रोका गया? यह हार ना सिर्फ खिलाड़ियों बल्कि करोड़ों भारतीय फैंस के लिए मायूसी लेकर आई है और आने वाले समय में इस फैसले पर लंबी चर्चा होना तय है।

टी 20 विश्वकप 2026: भारत का ग्रुप लगभग तय, पाकिस्तान से होगी टक्कर

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी20 विश्व कप 2026 के लिए टीमों की संभावित ग्रुपिंग लगभग तय हो चुकी है। कुल 20 टीमें इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगी और इन्हें 5-5 टीमों के चार ग्रुप्स में बांटा जाएगा। हालांकि इस ग्रुपिंग पर आईसीसी की आधिकारिक घोषणा अभी बाकी है, लेकिन उपलब्ध रिपोर्ट्स के अनुसार भारत का ग्रुप संतुलित और अपेक्षाकृत आसान माना जा रहा है।

भारत और पाकिस्तान एक ही ग्रुप में

एक रिपोर्ट के अनुसार टीम इंडिया जिस ग्रुप में है, उसमें पाकिस्तान भी शामिल होगा। इसका मतलब है कि भारत और पाकिस्तान के बीच कम से कम एक हाई-वोल्टेज मुकाबला होना तय है। इस ग्रुप में भारत और पाकिस्तान के अलावा अमेरिका (यूएसए), नामीबिया और नीदरलैंड की टीम होंगी। इन पांच टीमों में सिर्फ भारत और पाकिस्तान ही टेस्ट खेलने वाले देश हैं, जिससे टीम इंडिया के सुपर-8 में पहुंचने की राह अपेक्षाकृत आसान मानी जा रही है।

सह-मेजबान श्रीलंका का कठिन ग्रुप

टी20 वर्ल्ड कप 2026 का आयोजन भारत और श्रीलंका मिलकर करेंगे। सह-मेजबान श्रीलंका को जिस ग्रुप में रखा जा सकता है, उसे 'ग्रुप ऑफ डेथ' कहा जा रहा है। इस ग्रुप में ऑस्ट्रेलिया, जिम्बाब्वे, आयरलैंड और ओमान की टीमें शामिल होंगी। यह ग्रुप इसलिए कठिन है, क्योंकि इसमें चार टेस्ट प्लेइंग नेशन्स मौजूद रहेंगे।

अन्य संभावित ग्रुप्स

एक अन्य ग्रुप में इंग्लैंड, वेस्टइंडीज, इटली, बांग्लादेश और नेपाल की टीम हो सकती है। इस ग्रुप में तीन टेस्ट खेलने वाले देश होने से प्रतिस्पर्धा तेज होगी। वहीं दक्षिण अफ्रीका के ग्रुप में न्यूजीलैंड, अफगानिस्तान, यूएई और कनाडा को शामिल किया जा सकता है। यहां भी तीन टेस्ट नेशन्स के मौजूद होने से मुकाबले बेहद रोमांचक रहेंगे।

टूर्नामेंट में हर ग्रुप की टॉप-2 टीमें सुपर-8 में जगह बनाएंगी। इसके बाद दो नए ग्रुप बनाए जाएंगे, जहां से शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी। आशा है कि सुपर-8 का दौर 15 फरवरी से शुरू होगा।

कहां होंगे मुकाबले?

भारत में टूर्नामेंट के मैच मुंबई, कोलकाता, चेन्नई, दिल्ली और अहमदाबाद में खेले जाएंगे। श्रीलंका में कोलंबो और कैंडी को मेजबानी मिलेगी। फाइनल मुकाबला अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होने की संभावना है, बशर्ते पाकिस्तान फाइनल में नहीं पहुंचता। वहीं कोलंबो को एक सेमीफाइनल की मेजबानी तभी मिलेगी जब पाकिस्तान या श्रीलंका में से कोई टीम अंतिम-4 में पहुंचे। टी20 विश्व कप 2026 अभी से चर्चा में है, और ग्रुपिंग को देखकर यह टूर्नामेंट बेहद रोमांचक होने वाला है।

टी20 विश्वकप 2026 के लिए संभावित ग्रुप

ग्रुप ए - इंडिया, पाकिस्तान, यूएसए, नामीबिया, नीदरलैंड्स।

ग्रुप बी- ऑस्ट्रेलिया, श्रीलंका, जिम्बाब्वे, आयरलैंड, ओमान।

ग्रुप सी- इंग्लैंड, वेस्टइंडीज, इटली, बांग्लादेश, नेपाल।

ग्रुप डी- साउथ अफ्रीका, न्यूजीलैंड, अफगानिस्तान, यूएई, कनाडा।

भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 9 विकेट से हराया, ब्लाइंड महिला टी20 वर्ल्ड कप के फाइनल में जगह पक्की

कोलंबो। भारत ने शनिवार को पी. सारा ओवल में खेले गए महिला टी20 वर्ल्ड कप क्रिकेट फॉर द ब्लाइंड के पहले सेमीफाइनल में शानदार प्रदर्शन करते हुए ऑस्ट्रेलिया को 9 विकेट से मात देकर फाइनल में प्रवेश कर लिया। भारतीय टीम की जीत में बी2 कैटेगरी की खिलाड़ी बसंती हंसदा का अहम योगदान रहा, जिन्हें उनके हरफनमौला प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया। ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी की, लेकिन भारतीय गेंदबाजों के सामने उनकी शुरुआत बेहद खराब रही। टीम 37 रन तक पहुंचते-पहुंचते अपने पांच विकेट गंवा चुकी थी। इसके बाद वानाकन बुआरखाओ और जूली न्यूमैन ने पारी को संभालने की कोशिश की। न्यूमैन ने 25 रन बनाए, जबकि बुआरखाओ ने 34 रन का योगदान दिया। बी3 कैटेगरी की कोर्टनी लुईस ने भी 14 रन जोड़े, जिससे टीम निर्धारित 20 ओवर में 9 विकेट पर 109 रन तक पहुंची। इन सबके अलावा 20 एक्स्ट्रा रन भी स्कोरबोर्ड में जुड़े। भारत की ओर से बी2 सिमरनजीत कौर, बी1 जमुना रानी और बी1 अनु कुमारी ने एक-एक विकेट हासिल किया। गेंदबाजी में अनुशासन और सटीक लाइन-लेंथ ने भारतीय टीम को शुरुआत से ही बढ़त दिलाई। लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम ने जोरदार शुरुआत की। बी3 की गंगा कदम और बी2 बसंती हंसदा ने पहले विकेट के लिए मात्र 11 ओवर में 93 रनों की शानदार साझेदारी की। बसंती ने 39 गेंदों में 3 चौकों की मदद से 45 रन बनाए और रन आउट हुईं। इसके बाद बी1 बैटर करुणा ने सिर्फ 5 गेंदों में 16 रन ठोककर मैच को तेजी से खत्म कर दिया। भारत ने 11.5 ओवर में लक्ष्य हासिल कर फाइनल में प्रवेश कर लिया। गंगा कदम 31 गेंदों में 41 रन बनाकर नाबाद रहीं। अब यह तय होगा कि भारत फाइनल में नेपाल से भिड़ेगा या पाकिस्तान से, क्योंकि दूसरा सेमीफाइनल इन दोनों के बीच खेला जाना है। भारत ने लीग चरण के सभी पांच मुकाबले जीतने के बाद सेमीफाइनल में जगह बनाई थी।

गंभीर के आलोचकों पर भड़के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक

गुवाहाटी। भारतीय क्रिकेट टीम के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने मुख्य कोच गौतम गंभीर की आलोचना करने वालों को आड़े हाथों लिया है। कोटक के अनुसार ऐसा लगता है जैसे कुछ कुछ लोग अपने फायदे के लिए इस प्रकार का अभियान चला रहे हैं। उन्होंने कहा, '' गंभीर की लगातार आलोचना हो रही है। मैं इसलिये ऐसा कह रहा हूं क्योंकि मैं स्टाफ हूं और मुझे ये अच्छा नहीं लग रहा है। यह कोई सही तरीका नहीं है।' इस पूर्व बल्लेबाज ने कहा, '' शायद कुछ लोगों का ये व्यक्तिगत एजेंडा हो सकता है। वे करते रहें पर ये तरीका सही नहीं है।' गौरतलब है कि कोलकाता में पहले टेस्ट के लिये इस्तेमाल की गई पिच को लेकर भी गंभीर की काफी आलोचना हुई थी। इस मैच में भारतीय टीम की बल्लेबाजी असफल रही थी और टीम 124 रन के साधारण से लक्ष्य को भी हासिल नहीं कर पायी। वहीं गंभीर ने क्यूरेटर का बचाव करते हुए कहा था कि पिच वैसी ही थी, जैसी मांगी गई थी। वहीं कुछ सप्ताह पहले शुभमन गिल ने कहा था कि भारतीय टीम अच्छी पिचों पर खेलना चाहती है जो बल्लेबाजों और गेंदबाजों दोनों की मदद करे।

केकेआर से अब भी खेलना चाहते वेंकटेश अय्यर

मुम्बई। बल्लेबाज वेंकटेश अय्यर ने कहा है कि वह अभी भी कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) से खेलना चाहते हैं और इसी कारण कोच अभिषेक नायर के संपर्क में बने हुए हैं। साथ ही कहा कि उन्हें उम्मीद है कि नीलामी में एक बार फिर से अवसर मिल सकता है। वेंकटेश को हाल ही में केकेआर ने रिलीज कर दिया था। वेंकटेश का कहना है कि टीम के रिलीज किये जाने के बाद भी उनका दिल उसी के साथ है। इसी कारण वह केकेआर के साथ जाना चाहते हैं। 2025 की नीलामी में केकेआर द्वारा 23.75 करोड़ रुपये में खरीदे जाने के बाद सबसे चर्चित खिलाड़ियों में से एक रहे इस ऑलराउंडर ने कहा कि वह फ्रेंचाइजी द्वारा उन पर रखे गए भरोसे के लिए आभारी हैं और उम्मीद करते हैं कि यह जुड़ाव जारी रहेगा। वहीं केकेआर ने आगामी सीजन के लिए वेंकटेश सहित कई बड़े खिलाड़ियों को रिलीज किया है। अय्यर के साथ, इस सूची में आंद्रे रसेल, क्विंटन डी कॉक, मोइन अली, एनरिक नॉर्टजे, स्पेंसर जॉनसन और रहमानुल्लाह गुरबाज शामिल हैं। अय्यर ने यह भी बताया कि अगर केकेआर में वापसी संभव नहीं होती है, तो वह लीग की बाकी नौ टीमों में से किसी के लिए भी खेलने को तैयार हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि उनका योगदान बल्लेबाजी और गेंदबाजी से कहीं आगे जाता है, और जरूरत पड़ने पर वह नेतृत्व संबंधी सुझाव देने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि हमारे जैसे खिलाड़ियों के लिए, आईपीएल में खेलना एक मौका है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि मैं किस टीम के लिए खेलता हूं। मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करूंगा। अगर मुझे अपने दिल से पूछना पड़े, तो मैं अब भी केकेआर के लिए खेलना चाहूंगा। मैंने केकेआर के साथ एक चैंपियनशिप जीती है। मैं इस विरासत को आगे बढ़ाना चाहता हूं।

भारतीय महिला क्रिकेट का स्वर्णिम अध्याय: अंजुम चोपड़ा ने विश्व कप जीत को बताया सबसे बड़ा गेम चेंजर

गुवाहाटी (एजेंसी)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर और कप्तान अंजुम चोपड़ा ने आईसीसी महिला विश्व कप में पहली जीत के लिए टीम इंडिया की सराहना की और कहा कि उन्हें अभी भी टीम इंडिया के शानदार प्रदर्शन की वो अच्छी और सुखद यादें याद आती हैं और उन्होंने इसे महिला क्रिकेट में सबसे बड़ा बदलाव करार दिया। 2 नवंबर को, वापसी कर रही शेफाली वर्मा और दीप्ति शर्मा के हरफनमौला प्रदर्शन की बदौलत भारत ने इतिहास रच दिया। उन्होंने पहली बार फाइनल में पहुंची दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 299 रनों के लक्ष्य का बचाव करते हुए नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में 52 रनों से खिताबी मुकाबला जीतकर वनडे और टी20 अंतरराष्ट्रीय दोनों प्रारूपों में अपना पहला विश्व खिताब हासिल किया।

यह जीत 2005 और 2017 के विश्व कप फाइनल में मिली दो हार के बाद और भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा भारत में महिला क्रिकेट को बढ़ावा देने के लिए किए गए कई प्रयासों, जैसे पुरुष टीम के समान मैच फीस और महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) की शुरुआत के बाद मिली। शुक्रवार को फिक्की टर्फ 2025 - 15वें ग्लोबल स्पोर्ट्स समिट के मौके पर विश्व कप जीत के बारे में पत्रकारों से बात करते हुए, चोपड़ा ने कहा कि वह इस विश्व कप के बहुत करीब महसूस करती हैं।

अंजुम ने कहा कि यह मेरे लिए अब भी एक खास पल है। जब भी मैं अपने फोन पर वह रील या वीडियो देखती हूं, तो जो खिलाड़ी इस समय सुर्खियों में हैं, हरमन का कैच, सेमीफाइनल की जीत और हमारे अभियान की पहली जीत, यह सब एक सुखद स्मृति के रूप में मेरे सामने आ जाता है। जब भारत लगातार तीन मैच हार गया था, तो यह बहुत मुश्किल था। लेकिन जब हमने ऑस्ट्रेलिया को (सेमीफाइनल में) हराया, तो लोगों ने कहा कि हमें खुश होना चाहिए। लेकिन विश्व चैंपियनशिप केवल जीतने वालों को मिलती है। मैं खेल नहीं रही थी, लेकिन मैं अब भी इस विश्व कप के बहुत करीब महसूस करती हूं, और मैं लोगों को बताती हूं कि मैं एक विश्व चैंपियन हूं।

अंजुम ने डब्ल्यूपीएल को महिला खिलाड़ियों के लिए एक -बड़ा कदम- और उन लोगों के लिए एक बेहतरीन टूर्नामेंट बताया जो इस खेल को अपनाना चाहते हैं और इसमें प्रगति करना चाहते हैं। उन्होंने आगे कहा, 'डब्ल्यूपीएल महिला खिलाड़ियों के लिए एक बड़ा कदम साबित हुआ है। पहले से दूसरे सीजन तक भारतीय खिलाड़ियों में काफी सुधार हुआ है, हालांकि बहुत ज्यादा नहीं। यह एक खिलाड़ी के तौर पर छलांग लगाने की बात नहीं है, बल्कि सही दिशा में आगे बढ़ने की बात है। यह विश्व कप जीत महिलाओं के खेल में सबसे बड़ा बदलाव रही है। हम लगातार ये सम्मान पाने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन यह एक शुरुआत है, और हमें जो इनाम मिला है, वह बहुत खास है। मैं डब्ल्यूपीएल को खिलाड़ियों के लिए इस खेल को अपनाने और इसमें प्रगति करने के लिए एक बेहतरीन विकल्प मानती हूं।'

जी20 देश अपनी ताकत का इस्तेमाल, दुनिया की परेशानियों को कम करने में करें', यूएन महासचिव की अपील

जोहान्सबर्ग, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने कहा है कि जी20 देशों में दुनिया की मुश्किलों को कम करने और दुनिया को ज्यादा शांतिपूर्ण रास्ते पर लाने की क्षमता है। उन्होंने जी20 देशों के समूह से अपनी ताकत का इस्तेमाल गरीब और विकासशील देशों की परेशानियों को कम करने में इस्तेमाल करने की अपील की। गुटेरेस ने यह बात शुक्रवार को जोहान्सबर्ग पहुंचने के बाद एक मीडिया बातचीत में कही। गुटेरेस जोहान्सबर्ग में हो रहे जी20 सम्मेलन में शिरकत करेंगे।

'बढ़ता सैन्य खर्च विकास संसाधनों को खींच रहा': गुटेरेस ने कहा, 'अगले दो दिनों में जी20 नेताओं के लिए मेरा संदेश आसान है। अब लीडरशिप और विजन का समय है। उन्होंने दुनिया भर में जारी संघर्षों, जलवायु की गड़बड़ी, आर्थिक अनिश्चितता, असमानता और वैश्विक मदद में कमी का जिक्र किया। उन्होंने आगे कहा कि बढ़ता सैन्य खर्च विकास संसाधनों को खींच रहा है। उन्होंने कहा, 'दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होने के नाते, ज20 देश मुश्किलों को कम करने, यह पक्का करने में बहुत बड़ा असर डाल सकते हैं कि आर्थिक विकास सबका हो। जो हमारी दुनिया को भविष्य के लिए एक बेहतर, ज्यादा शांतिपूर्ण रास्ते पर ले जा सके।'

'अफ्रीका को हर वैश्विक मंच पर जगह मिलनी चाहिए, जहां फैसले लिए जाते हैं': गुटेरेस ने कहा कि 'अफ्रीका को हर उस फोरम में सही जगह मिलनी चाहिए जहां फैसले लिए जाते हैं, जिनमें अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों के बोर्ड से लेकर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सीट और दूसरी वैश्विक निकायों तक भी पहुंच होनी चाहिए।' गुटेरेस ने सुझाव दिया, 'ज20 इस ऐतिहासिक अन्याय को ठीक करने और ऐसे सुधार लाने में मदद कर सकता है जो विकासशील देशों और खासकर अफ्रीका को वैश्विक नीति बनाने में आवाज दें, और आने वाले वर्षों में वैश्विक आर्थिक प्रशासन को ज्यादा समावेशी, समान और असरदार बनाएं।' गुटेरेस ने कहा कि वह जी20 सदस्यों से ये भी कहेंगे कि वे सूडान, डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो, माली, यूक्रेन, गाजा, हैती, यमन और म्यांमार समेत दुनिया भर में मौत, तबाही और अस्थिरता फैदा करने वाले झगड़ों को खत्म करने के लिए अपने असर और आवाज का इस्तेमाल करें।

रिपब्लिकन सांसद मार्जोरी टेलर ग्रीन का कांग्रेस से इस्तीफे का एलान, ट्रंप की नीतियों से हैं नाराज

वॉशिंगटन, एजेंसी। जॉर्जिया की रिपब्लिकन पार्टी की सांसद मार्जोरी टेलर ग्रीन ने कांग्रेस से इस्तीफे का एलान कर सभी को चौंका दिया है। मार्जोरी टेलर ग्रीन कभी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की करीबी थीं, लेकिन अब उनकी आलोचक बन गई हैं और दोनों के बीच सार्वजनिक तौर पर भी बहस हो चुकी है। ग्रीन ने ऑनलाइन पोस्ट किए गए 10 मिनट से ज्यादा के वीडियो में अपने फैसले के बारे में बताया और कहा कि उन्हें वॉशिंगटन डी.सी. में हमेशा से नफरत की नजर से देखा गया है, और वह कभी भी वहां फिट नहीं हुईं। ग्रीन ट्रंप की 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' राजनीति के सबसे मुखर समर्थकों में से एक थीं। हालांकि हाल के महीनों में ट्रंप के साथ उनके संबंध बिगड़े थे और दोनों के बीच सार्वजनिक तौर पर अनबन हुई, क्योंकि मार्जोरी टेलर ग्रीन ने जेफ्री एपस्टीन से जुड़ी फाइलों के साथ-साथ विदेश नीति और हेल्थ केयर पर ट्रंप के रुख की आलोचना की थी। इसके बाद ट्रंप ने उन्हें गद्दार और पागल कहा और कहा कि जब वह अगले साल फिर से चुनाव लड़ेंगी तो वह उनके खिलाफ एक अन्य उम्मीदवार का समर्थन करेंगे। वीडियो में मार्जोरी टेलर ग्रीन कहा कि उनका कांग्रेस में आखिरी दिन 5 जनवरी, 2026 होगा। मार्जोरी के एलान पर अभी तक व्हाइट हाउस ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। ग्रीन पांच साल पहले अपना राजनीतिक करियर शुरू करने के बाद से ही ट्रंप के साथ करीब से जुड़ी हुई थीं।

दुश्मन से दोस्त बने ट्रंप और ममदानी, वाइट हाउस में मुलाकात के बाद बदले अमेरिकी राष्ट्रपति के सुर

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को अपने सबसे बड़े आलोचकों में से एक जोहरान ममदानी से वाइट हाउस में मुलाकात की है। उम्मीद के उलट, दोनों की यह मुलाकात बेहद सकारात्मक रही है। हाल ही में अमेरिका के सबसे बड़े शहर न्यूयॉर्क के मेयर चुने गए जोहरान ममदानी और ट्रंप के बीच हुई पहली मुलाकात के दौरान कई मुद्दों पर सहमति बनी और जिसे लेकर ट्रंप ने भी हैरानी जताई।

बता दें कि डोनाल्ड ट्रंप इससे पहले ममदानी को सार्वजनिक रूप से 'वामपंथी पागल' जैसे उपनाम दे चुके हैं। वहीं ममदानी ने भी ट्रंप की नीतियों की लगातार आलोचना की है। हालांकि शुक्रवार को ट्रंप ने ओवल ऑफिस में ममदानी का गर्मजोशी से स्वागत किया। इसके बाद दोनों नेताओं के बीच हुई बैठक भी खास रही।

नए मेयर की मदद करेंगे ट्रंप

इससे पहले तक ममदानी के आने पर न्यूयॉर्क की फंडिंग रोक देने की बात कहने वाले डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वह न्यूयॉर्क को मजबूत और सुरक्षित शहर बनाने में नए मेयर की मदद करेंगे। ट्रंप ने कहा, 'हम ममदानी की मदद करेंगे, ताकि हर किसी का सपना सच हो सके, एक मजबूत और सुरक्षित न्यूयॉर्क का निर्माण हो।'

वहीं ममदानी ने बैठक के बाद कहा, 'मैं इस बात के लिए राष्ट्रपति की सराहना करता हूं कि हमारी मीटिंग में असहमति की पर

फोकस नहीं था। बल्कि इसमें न्यूयॉर्क के लोगों के लोगों के जीवन को बेहतर बनाने को लेकर चर्चा हुई।'

जब ममदानी के बचाव में उतरे ट्रंप: अमेरिकी राष्ट्रपति कई बार ममदानी को बचाने की कोशिश करते हुए भी दिखे और पत्रकारों को उनकी तरफ से जवाब दिया। जब रिपोर्टरों ने ममदानी से उनके पिछले बयानों को साफ करने के लिए कहा, जिनमें उन्होंने कहा था कि उन्हें लगता है कि ट्रंप एक फासिस्ट की तरह काम कर रहे हैं, तो ट्रंप ने कहा, 'मुझे तानाशाह से भी बुरा कहा गया है।' वहीं जब एक रिपोर्टर ने पूछा कि क्या ममदानी अपने उस कमेंट पर कायम हैं कि ट्रंप एक फासिस्ट हैं, तो मेयर-इलेक्ट के सवाल का पूरा जवाब देने से पहले ही ट्रंप ने बीच में ही बोल दिया। ट्रंप ने कहा, 'कोई बात नहीं। आप बस हां कह सकते हैं। ठीक है? मुझे कोई दिक्कत नहीं है।'

ममदानी को जिहादी नहीं मानते हैं ट्रंप: एक पत्रकार ने ट्रंप से पूछा कि रिपब्लिकन नेता एलिस स्टेफनिक ने ममदानी को 'जिहादी' कहा है, क्या ट्रंप भी यही मानते हैं? इस पर ट्रंप ने बिना हिचकिचाहट कहा- नहीं, मैं ऐसा नहीं मानता।

ट्रंप ने आगे कहा कि मुलाकात के दौरान उन्हें ममदानी एक शांत, समझदार और तार्किक इंसान लगे। उन्होंने कहा- मैं एक ऐसे इंसान से मिला हूं जो बहुत ही समझदारी से बात करता है।

ट्रंप बोले- ममदानी के बेहतर काम करने से मुझे खुशी होगी: ट्रंप ने कहा कि हम न्यूयॉर्क को फिर से शानदार बनाना चाहते हैं। ममदानी जितना बेहतर करेंगे, मैं उतना ही खुश रहूंगा। ट्रंप ने यहां तक कहा कि ममदानी कई कंजरवेटिव लोगों को हैरान कर देंगे और उनके कुछ विचार मुझसे से मिलते-जुलते हैं। ममदानी ने भी मीटिंग को प्रोडक्टिव बताया और कहा कि हमने किराया, राशन, बिजली बिल और रहने की बढ़ती कीमतों पर बात की। हम दोनों न्यूयॉर्क के 85 लाख लोगों के लिए जीवन को सस्ता बनाना चाहते हैं।

ट्रंप बोले- हमारा मकसद न्यूयॉर्क को बेहतर शहर बनाना: ममदानी से मुलाकात के बाद ट्रंप ने कहा कि कुछ मुद्दों पर दोनों की राय अलग हो सकती है, लेकिन बातचीत से हल जरूर निकलेगा। ट्रंप ने कहा कि या तो ममदानी उन्हें समझा लेंगे या फिर वह ममदानी को, लेकिन आखिर में फैसला वही होगा जो न्यूयॉर्क के लिए अच्छा होगा। ट्रंप ने साफ कहा कि दोनों नेताओं का मकसद एक ही है न्यूयॉर्क को फिर से बेहतरीन शहर बनाना। उन्होंने कहा कि अगर ममदानी शानदार तरीके से काम करते हैं और शहर में सकारात्मक बदलाव लाते हैं, तो उन्हें इससे सबसे ज्यादा खुशी होगी।

ट्रंप बोले- मैं न्यूयॉर्क से प्यार करता हूं: ट्रंप ने कहा कि ममदानी से मीटिंग ने उन्हें हैरान कर दिया और दोनों के बीच कई मुद्दों पर खुलकर बातचीत हुई। उन्होंने कहा कि कुछ पॉलिसी पर हमारे विचार अलग हो सकते हैं, लेकिन न्यूयॉर्क को बेहतर बनाना दोनों का मकसद है। ट्रंप ने कहा- मैं उम्मीद करता हूं कि मैं उनकी मदद करूं, न कि उनको कोई नुकसान पहुंचाऊं, क्योंकि मैं चाहता हूं कि न्यूयॉर्क शानदार बने। मैं न्यूयॉर्क से प्यार करता हूं, मैं उसी शहर से आता हूं।

ट्रंप ने कहा- मैं चाहता हूं ममदानी कामयाब हों: जब पत्रकारों ने ट्रंप से पूछा कि क्या वे ममदानी के शासन में न्यूयॉर्क में रहना पसंद करेंगे, तो ट्रंप ने तुरंत कहा- हां, बिल्कुल, खासकर उनसे मिलने के बाद। ट्रंप ने बताया कि मीटिंग के बाद उन्हें लगा कि ममदानी शहर के लिए अच्छा काम कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि वह चाहते हैं ममदानी सफल हों, क्योंकि न्यूयॉर्क की सफलता दोनों के लिए अहम है।

'सुरक्षित शहर की आगे बढ़ते हैं': ट्रंप और ममदानी की मुलाकात में इमिग्रेशन सबसे बड़ा मुद्दा रहा। दोनों ने इस पर काफी देर तक बात की। ममदानी चाहते हैं कि न्यूयॉर्क में रह रहे सभी माइग्रेंट्स को सुरक्षा मिले। उनका कहना है कि शहर उन सबका है जो यहां रहते हैं, चाहे वे किसी भी देश से क्यों न आये हों। ट्रंप ने कहा- मैं एक सुरक्षित न्यूयॉर्क चाहता हूं। अगर शहर की सड़कें सुरक्षित नहीं होंगी, तो कुछ भी ठीक से नहीं चलेगा। सुरक्षित शहर ही आगे बढ़ता है।

भारत में अनंत अंबानी के 'वंतारा' के फैन हुए ट्रंप जूनियर, बोले-यहां जानवर मुझसे बेहतर जिंदगी जी रहे! यह सच में वंडर ऑफ द वर्ल्ड

वाशिंगटन, एजेंसी। भारत यात्रा दौरान गुजरात राज्य के जामनगर में अनंत अंबानी के विशाल वन्यजीव संरक्षण प्रोजेक्ट 'वंतारा' ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बेटे डोनाल्ड ट्रंप जूनियर को इतना प्रभावित कर दिया कि उन्होंने कहा-यहां के जानवर मुझसे बेहतर जिंदगी जी रहे हैं। भारत दौरे पर आए ट्रंप जूनियर गुरुवार को जामनगर पहुंचे थे, जहां उन्होंने वंतारा के विस्तृत संरक्षण और पुनर्वास केंद्र का दौरा किया। शुक्रवार को वह उदयपुर के लिए रवाना हुए। यह उनका भारत का दूसरा दौरा है। वंतारा की तारीफ करते हुए ट्रंप जूनियर ने कहा कि उन्होंने दुनिया में कहीं भी ऐसा अद्भुत संरक्षण प्रयास नहीं देखा।

अनंत अंबानी के साथ रिकॉर्ड किए गए वीडियो संदेश में उन्होंने कहा-यह अद्भुत अनुभव था। यहां जानवरों को बचाकर जिस तरह प्राकृतिक माहौल दिया गया है, वह वाकई मेरे जीने से भी बेहतर है। उन्होंने कहा कि हर जानवर की आंखों में एक अलग चमक और जीवन का एहसास दिखता है, जैसा दुनिया में और कहीं नहीं मिलता। उनके शब्दों में यह जगह सच में वंडर ऑफ द वर्ल्ड है। अनंत अंबानी द्वारा स्थापित वंतारा वन्यजीवों के बचाव, इलाज, पुनर्वास और दीर्घकालिक देखभाल पर आधारित दुनिया के सबसे बड़े और आधुनिक प्रोजेक्ट्स में से एक है।

750 रुपये कीमत, थोड़ा खट्टा और जला स्वाद- चीन में कॉकरोच कॉफी की खूब हो रही चर्चा

बीजिंग, एजेंसी। चीन अपने अजीबोगरीब खानपान के लिए हमेशा से सुर्खियों में रहा है। इस बीजिंग के एक म्यूजियम ने कॉफी का नया टेस्ट पेश किया है। यह कॉफी कमजोर दिल वालों के लिए नहीं है।

कॉफी का ये फ्लेवर इन दिनों सोशल मीडिया पर काफी वायरल है। बताया जा रहा है कि इसको कॉकरोच और सूखे मीलवर्म पाउडर की मदद से बनाया गया है। इस कॉफी की कीमत 45 यूआन (करीब 50 रुपये) बताई जा रही है। इस कॉफी को युवा बड़ी मात्रा में पसंद कर रहे हैं। इस कॉफी के सेवन के साथ युवा अपने साहस का परिचय दे रहे हैं।

कैसा है इस नए फ्लेवर्ड कॉफी का टेस्ट?: द कवर की एक रिपोर्ट में बताया गया कि इस कॉफी का टेस्ट जला और थोड़ खट्ट है। हालांकि, चीन में इस कॉफी के नए स्वाद को एक खौफनाक अनुभव भी करार दिया गया है। बता दें कि बीजिंग के एक इंसेक्ट थीम

वाले म्यूजियम के भीतर कॉफी की दुकान पर तिलचट्टे से भरी कॉफी परोसी जाती है। हालांकि, इस रिपोर्ट में म्यूजियम का नाम नहीं बताया गया है। वहीं, इस कैफे के एक कर्मचारी ने एक बताया है कि इस नए कॉफी को इसी साल जून में लॉन्च किया गया था। हालांकि, इन दिनों सोशल मीडिया पर काफी वायरल है।

कर्मचारी का कहना है कि इंसेक्ट थीम वाले म्यूजियम के रूप में ऐसा कोई पीने का पदार्थ होना एक अच्छा विचार हो सकता है।

जेलेंस्की बोले- हम अपनी जमीन और जमीर खोने की कगार पर, ट्रम्प का पीस प्लान स्वीकारने का दबाव

कीव, एजेंसी। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कहा है कि हम अपनी जमीन और जमीर को खोने के कगार पर हैं। रूस के साथ युद्ध के चार साल के दौरान पहली बार यूक्रेन के सामने दोराहे के हालात हैं। हमने शर्तें मानी तो अपने देश का एक बड़ा हिस्सा खो देंगे। साथ ही जिस जज्बे और जमीर से हम रूस के खिलाफ लड़ रहे थे उसे भी गंवा बैठेंगे।

जेलेंस्की ने शुक्रवार को राष्ट्र के नाम संबोधन में कहा अगर यूक्रेन ने शर्तें नहीं मानी तो वह अमेरिका के जैसे एक अच्छे पार्टनर को खो देगा। जेलेंसकी ने कहा- मैं अमेरिकी राष्ट्रपति के साथ इस बारे में बातचीत करना चाहता हूं। जिससे कि यूक्रेन के पक्ष को और मजबूती से रखा सके। इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि मुझे भरोसा है कि यूक्रेन मेरे पीस प्लान को स्वीकार करेगा। ट्रम्प ने 27 नवंबर तक जेलेंस्की को प्लान पर जवाब देने का अल्टीमेटम दिया हुआ है। इस बीच शुक्रवार देर रात को रूस ने अमेरिकी प्लान का समर्थन किया है। रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने कहा कि ट्रम्प का ये प्लान यूक्रेन में स्थायी शांति का आधार बनेगा। ट्रम्प ने 28 पॉइंट का प्लान तैयार किया है। इसके मुताबिक यूक्रेन को अपना लगभग 20 प्रतिशत हिस्सा रूस को देना होगा। इसमें पूर्वी यूक्रेन का डोनबास का इलाका शामिल है। यूक्रेन मात्र 6 लाख जवानों वाली सेना ही रख सकेगा। नाटो में यूक्रेन की एंट्री नहीं होगी। नाटो सेनाएं यूक्रेन में नहीं रहेंगी। प्लान में कहा गया है कि रूस द्वारा शांति प्रस्तावों को मानने पर उस पर लगे सभी प्रतिबंधों को हटा दिया जाएगा। साथ ही यूरोप में जब्त की गई लगभग 2000 करोड़ रुपए की संपत्ति भी डीफ्रीज होगी।

अगर परमाणु बम से पूरी दुनिया तबाह हो जाए, तब भी जिंदा रहेगा कॉकरोच

लंदन, एजेंसी। अगर एक पल के लिए सोच लें कि पूरी दुनिया परमाणु विस्फोट से तबाह हो जाए- शहर राख हो गए हों, हवा जहरीली हो गई हो और जमीन जलकर कोयले में बदल गई हो। अधिकांश बड़े जीव और इंसान रेडिएशन, गर्मी और धमाके के कारण तुरंत समाप्त हो जाते हैं। पृथ्वी पर जीवन नाममात्र का भी निशान नहीं बचा। लेकिन इसी बर्बादी और मौत के बीच, एक छोटा-सा जीव है जो न गर्मी से झुलसे, न रेडिएशन से मरे और न पूरी दुनिया के विनाश से प्रभावित हुआ -और वह जीव है कॉकरोच। यह मामला वैज्ञानिकों के लिए भी हैरान कर देने वाला है। यह सवाल कि कैसे यह छोटा जीव इतनी तबाही में भी बच गया, लंबे समय तक शोधकर्ताओं का ध्यान खींचता रहा।

द्वितीय विश्व युद्ध और कॉकरोच की जंग: द्वितीय विश्व युद्ध में जापान के हिरोशिमा और नागासाकी पर जब परमाणु बम गिराए गए, तब वहां की स्थिति ऐसी थी कि इंसान और अधिकांश बड़े जीव पल भर में खत्म हो गए। लेकिन वैज्ञानिकों के सर्वे में पाया गया कि कॉकरोच बड़ी संख्या में जिंदा थे। वह दृश्य खुद में चौंकाने वाला था- एक जीव जो इंसानों के लिए मौत की गारंटी था, उस विनाश के बावजूद बच गया।

कॉकरोच को रेडिएशन से सुरक्षा कैसे मिली: वैज्ञानिकों ने इस रहस्य को समझने की कोशिश की। उनके निष्कर्ष बताते हैं कि कॉकरोच की शरीर संरचना और कोशिकाओं की विशेषताएं उन्हें रेडिएशन के घातक प्रभाव से बचाती हैं। इंसानों में कोशिकाएं तेजी से विभाजित होती हैं, जिससे रेडिएशन का असर तुरंत घातक होता है। कॉकरोच में यह प्रक्रिया बेहद धीमी है-लगभग हफ्तों में एक बार-इसलिए रेडिएशन उनके लिए इतना खतरनाक नहीं।

पासपोर्ट रैंकिंग में एक बार फिर पाकिस्तान कमजोर, भारत की स्थिति में सुधार

वाशिंगटन, एजेंसी। दुनिया-भर में पासपोर्ट की शक्ति को मापने वाली हेनली पासपोर्ट इंडेक्स की नवीनतम रिपोर्ट में पाकिस्तान का पासपोर्ट एक बार फिर सबसे कमजोर पासपोर्टों में गिना गया है। पाक के नागरिक केवल कुछ सीमित देशों में वीजा-फ्री या वीजा-ऑन-अराइवल सुविधा के साथ यात्रा कर सकते हैं, जबकि दूसरी ओर सिंगापुर, जापान और दक्षिण कोरिया जैसे एशियाई देश सबसे शक्तिशाली पासपोर्ट रैंकिंग में टॉप-टेन में शामिल रहे।

भारत की स्थिति मध्यम श्रेणी में बनी हुई है, जिसमें मामूली सुधार दर्ज किया गया है लेकिन अभी भी कई विकसित देशों में फ्री-वीजा की अनिवार्यता चुनौती बनी हुई है। हेनली पासपोर्ट इंडेक्स के आंकड़े दिखाते हैं कि पाकिस्तान उन देशों में है जिनकी विश्व-स्तरीय यात्रा स्वतंत्रता क्षमता अत्यधिक सीमित है।

ये देश हैं सबसे शक्तिशाली: पासपोर्ट इंडेक्स में जिन पासपोर्टों को सबसे अधिक शक्तिशाली माना गया है, उनके नागरिक 185+ देशों तक वीजा-फ्री या वीजा-ऑन-अराइवल प्रवेश प्राप्त कर सकते हैं। इन देशों में सिंगापुर जापान, दक्षिण कोरिया, जर्मनी, इटली स्पेन, फिनलैंड, स्वीडन, डेनमार्क नीदरलैंड, लक्जमबर्ग और ऑस्ट्रिया शामिल हैं। विशेषज्ञों के अनुसार एशियाई देशों की आर्थिक उन्नति, रणनीतिक साझेदारियां और सुरक्षा सहयोग इनके पासपोर्ट की ताकत को लगातार बढ़ा रहे हैं।

सिर्फ 30-35 देशों में ही वीजा मुक्त यात्रा

पाकिस्तान पासपोर्ट धारक लगभग 30-35 देशों तक ही वीजा-फ्री या वीजा-ऑन-अराइवल सुविधा का लाभ ले सकते हैं। रक्षा विशेषज्ञों और विदेश नीति विश्लेषकों के अनुसार पाकिस्तान की रैंकिंग के लगातार गिरने के पीछे मुख्य कारण हैं राजनीतिक अस्थिरता, आंतरिक सुरक्षा चुनौतियां, आतंकवाद से जुड़े जोखिम और वैश्विक कूटनीति में भरोसे की कमी। इस सूची में अफगानिस्तान सबसे आखिरी पायदान पर, सीरिया दूसरे सबसे कमजोर स्थान पर, इराक तीसरे और पाकिस्तान चौथे सबसे कमजोर पासपोर्ट की श्रेणी में दर्ज है।

चेतावनी के बावजूद स्कूल ने खोले दरवाजे !

हमलावरों ने 200 से ज्यादा छात्र किए अगवा, 12 शिक्षक भी बंधक बनाए

अबूजा, एजेंसी। नाइजीरिया के कैथोलिक स्कूल पर हमला, बंदूकधारियों ने 200 से अधिक छात्रों और 12 अध्यापकों को अगवा किया अबुजा, 22 नवंबर (एपी) नाइजीरिया के पश्चिमी क्षेत्र में बंदूकधारियों ने एक कैथोलिक आवासीय विद्यालय पर शुक्रवार को हमला कर 200 से अधिक छात्रों और 12 अध्यापकों का अपहरण कर लिया। देश के 'क्रिश्चियन एसोसिएशन ऑफ नाइजीरिया (सीएएन) ने यह जानकारी दी। हमला और अपहरण की यह घटना 'सेंट मैरीज स्कूल में हुई जो अगवारा स्थानीय सरकार के पापिरी समुदाय में स्थित एक कैथोलिक संस्थान है। सीएएन की नाइजर राज्य शाखा के प्रवक्ता डैनियल अटोरी ने बताया कि हमलावरों ने 215 विद्यार्थियों और 12 शिक्षकों को बंधक बना लिया। उन्होंने नाइजर में सीएएन के अध्यक्ष मोस्ट रेवरेंड बुलुस दाऊवा के हवाले से एक बयान में कहा, ''मैं आज रात ही लौटा

हूं, इसके बाद मैं स्कूल गया था जहां मैंने अभिभावकों से भी मुलाकात की। बयान में कहा गया है कि एसोसिएशन ''हमारे बच्चों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने के लिए काम कर रही है। नाइजर राज्य पुलिस कमान ने कहा कि अपहरण की घटना तड़के हुई और उसके बाद से इलाके में सेना एवं सुरक्षा बलों को तैनात किया गया है। उसने बताया कि सेंट मैरीज एक माध्यमिक विद्यालय है जो नाइजीरिया में 12 से 17 वर्ष की आयु के बच्चों को शिक्षा प्रदान करता है। उपग्रह से ली गई तस्वीरों से पता चलता है कि स्कूल परिसर एक निकटवर्ती प्राथमिक विद्यालय से जुड़ा हुआ है और इसमें 50 से अधिक कक्षाएं और छात्रावास हैं। यह येल्वा और मोक्वा कस्बों को जोड़ने वाली एक प्रमुख सड़क के पास स्थित है। स्थानीय निवासी दाउदा चेकुला (62) ने बताया कि अपहृत स्कूली बच्चों में उनके चार पोते-पोतियां भी शामिल हैं जिनकी उम्र सात से 10 साल के बीच है। नाइजर राज्य सरकार के सचिव द्वारा जारी बयान में कहा गया है कि पूर्व में दी गई खुफिया चेतावनी के बावजूद यह अपहरण हुआ। बयान में कहा गया, ''सेंट मैरीज स्कूल ने राज्य सरकार को सूचित किए बिना या उसकी मंजूरी लिए बिना ही शैक्षणिक गतिविधियां पुनः शुरू कर दीं जिससे विद्यार्थियों और कर्मचारियों को अनावश्यक जोखिम का सामना करना पड़ा। पापिरी निवासी उमर यूनुस ने कहा कि शुक्रवार को हुए हमले के समय स्कूल में केवल स्थानीय सुरक्षा व्यवस्था थी और कोई आधिकारिक पुलिस या सरकारी बल तैनात नहीं था।

ड्रग पार्टी मामले में अभिनेत्री श्रद्धा कपूर के भाई को एएनसी का समन्स

मुंबई (एजेंसी)। सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर ओरी के बाद अब बॉलीवुड अभिनेत्री श्रद्धा कपूर के भाई सिद्धांत कपूर को मुंबई पुलिस की एंटी-नारकोटिक्स सेल (एएनसी) ने ड्रग पार्टी केस में समन्स भेजा है। सिद्धांत कपूर को इस केस में 25 नवंबर को पेश होने के लिए कहा गया है। ओरी, जो पहले समन्स भेजे जाने के बावजूद पेश नहीं हुए थे, उन्हें अब 26 नवंबर की नई तारीख दी गई है। मिली जानकारी के मुताबिक, दाऊद इब्राहिम के गैंग का एक खास सदस्य और भगोड़े ड्रग डिस्ट्रिब्यूटर सलीम डोला का करीबी मोहम्मद सलीम मोहम्मद सुहेल शेख ने मुंबई और दुबई में रेव पार्टियां ऑर्गनाइज़ की थीं। मुंबई क्राइम ब्रांच की एंटी-नारकोटिक्स सेल के मुताबिक, इन पार्टियों में कथित तौर पर दाऊद इब्राहिम की मरहूम बहन हसीना पारकर का बेटा अलीशा, अभिनेत्री नोरा फतेही, श्रद्धा कपूर और उनके भाई सिद्धांत कपूर शामिल हुए थे। इन पार्टियों में शामिल होने वाले दूसरे लोगों में कुछ बड़े और खास लोग भी शामिल थे। मुंबई कोर्ट में पुलिस की तरफ से फाइल की गई रिमांड एप्लीकेशन में दावा गया है कि फिल्ममेकर अब्बास-मस्तान, रैपर लोका, ओरी और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजित पवार) के नेता जीशान सिद्दीकी भी इन पार्टियों में कथित तौर पर मौजूद थे। मुंबई पुलिस की एएनसी इस हाई-प्रोफाइल पार्टी केस की जांच कर रही है।

राहुल गांधी मामले की सुनवाई अब 18 दिसंबर को

वाराणसी (एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी से जुड़े एक मामले की सुनवाई वाराणसी कोर्ट में शुक्रवार को होनी थी, लेकिन उनकी कोर्ट में उपस्थिति नहीं होने के चलते तारीख आगे बढ़ा दी गई है। अब इस मामले की सुनवाई 18 दिसंबर को होगी। इस मामले की सुनवाई कर रहे विशेष न्यायाधीश एमपी-एमएलए यजुर्वेद विक्रम सिंह ने कहा, कि मामले की अगली सुनवाई (18 दिसंबर) पर राहुल गांधी या उनके वकील कोर्ट में पेश हों, ताकि सुनवाई हो सके। यहां बताते चलें कि राहुल गांधी द्वारा अमेरिका के न्यूयॉर्क में ब्राउन यूनिवर्सिटी में भगवान राम को कथित तौर पर काल्पनिक कहने के आरोप पर याचिका दायर की गई थी। इसे लेकर 12 मई को वकील हरिशंकर पांडेय ने पुनरीक्षण याचिका दाखिल की थी, जिसमें उन्होंने दावा किया कि राहुल गांधी ने 21 अप्रैल को अमेरिका के बोस्टन स्थित ब्राउन यूनिवर्सिटी में स्टूडेंट्स के साथ हुए एक सेशन में विवादित बयान दिए। बताया जा रहा है कि इस मामले में कोर्ट में पहले याचिकाकर्ता की मेंटेनेबिलिटी यानी मान्यता पर बहस होगी, इसके बाद ही तय हो पाएगा कि राहुल गांधी के खिलाफ मामला चलाया जाए या नहीं।

तुर्की और चीन में बने हाई-टेक वेपन्स का बड़ा जखीरा दिल्ली पुलिस ने पकड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने अंतरराष्ट्रीय हथियार तस्करी करने वाले एक बड़े रैकेट का भंडाफोड़ कर दिया है। पुलिस ने गिरोह से जुड़े चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जो पाकिस्तान से ड्रोन के जरिए आए अत्याधुनिक हथियारों की सप्लाई कुख्यात गैंगस्टरों तक पहुंचाने की कोशिश कर रहे थे। इन हथियारों की खेप पंजाब के रास्ते भारत लाई गई थी और इन हथियारों को लॉरेंस बिश्नोई, बमबीहा, गोगी और हिमांशु भाऊ गैंग तक सप्लाई होना था। बरामद हथियारों में तुर्की और चीन में बने हाई-टेक वेपन्स शामिल हैं। क्राइम ब्रांच को इनपुट मिला था कि कुछ तस्कर दिल्ली में हथियारों की बड़ी सप्लाई करने पहुंचने वाले हैं। इसके बाद रोहिणी इलाके में जाल बिछाकर इन आरोपियों को पकड़ा गया। पुलिस ने मौके से भारी मात्रा में आधुनिक हथियार बरामद किए हैं और पूरे नेटवर्क की जांच जारी है। गिरफ्तार किए गए आरोपी पंजाब और यूपी निवासी हैं। पुलिस ने बताया कि हथियारों की यह बड़ी खेप दिल्ली के रोहिणी इलाके से बरामद की गई। कुछ तस्कर राजधानी में हथियारों की सप्लाई करने वाले हैं। इसके बाद टीम ने मौके पर ट्रैप लगाकर आरोपियों को गिरफ्तार किया।

उप-मुख्यमंत्री सचिव के नाम का दुरुपयोग, एमएलसी को भेजा धमकी भरा पत्र

पटना (एजेंसी)। पटना में राजनीतिक हलकों में हड़कंप मच गया है। उप-मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के निजी सचिव रणवीर परिहार के नाम का दुरुपयोग कर एक धमकी भरा और अभद्र टिप्पणी वाला पत्र एमएलसी नीरज कुमार को भेजा गया। पत्र स्पीड पोस्ट के माध्यम से भेजा गया था, जिससे मामला और गंभीर बन गया। पत्र की जानकारी मिलने पर निजी सचिव ने सचिवालय थाना में एफआईआर दर्ज कराई। पुलिस ने पत्र के स्रोत और सामग्री की जांच शुरू कर दी है। जांच में पता चला कि यह पत्र कर्नाटक के मैसूर से भेजा गया था। इसमें निजी सचिव का नाम और पदनाम इस्तेमाल किया गया, जिसका उद्देश्य राजनीतिक भ्रम और डर फैलाना था। पुलिस का मानना है कि यह कार्य किसी विरोधी तत्व या दुर्भावनापूर्ण व्यक्ति का हो सकता है। यह सिर्फ अभद्र टिप्पणी नहीं, बल्कि उच्च पदस्थ अधिकारी के नाम पर जनप्रतिनिधि को धमकाने का गंभीर प्रयास माना जा रहा है। इस घटना ने राजधानी पटना में प्रशासनिक और राजनीतिक हलकों में चिंता बढ़ा दी है।

दिल्ली पुलिस ने अपने साइ-हाक ऑपरेशन में बड़ी संख्या में स्कैमर्स को पकड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। म्यूल अकाउंट के जरिए दिल्ली से ऑपरेट हो रहे साइबर सिंडिकेट में दिल्ली पुलिस ने अपने साइ-हाक ऑपरेशन में बड़ी संख्या में स्कैमर्स को पकड़ा है। दिल्ली पुलिस इस बारे में बड़ा खुलासा करने वाली है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, आईबीसी की मदद से दो दिन तक चले ऑपरेशन में सभी जिलों में स्थित साइबर थानों को शामिल किया गया था। यह ऑपरेशन खत्म हुआ है। सूत्रों ने बताया कि इस पूरे ऑपरेशन में दिल्ली व बाकी दूसरे इलाकों से 700 से अधिक साइबर क्रिमिनल पकड़े हैं। इन सभी से पूछताछ जारी थी। वहीं, पुलिस साइ-हाक ऑपरेशन की फाइनल फिगर जुटाने में लगी थी। सूत्रों ने बताया कि यह संख्या 1000 तक पहुंच सकती है। ऑपरेशन के पहले ही दिन ही 12 घंटों के भीतर 350 से अधिक संदिग्ध को हिरासत में लिया जा चुका था। साइबर क्राइम से जुड़ी शिकायतों पर तुरंत एफआईआर भी दर्ज की जा रही है। डिस्ट्रिक्ट स्तर पर सभी डीसीपी ऑपरेशन को लीड कर रहे हैं। करीब 180 थाने, 15 जिले के सभी साइबर थाने, क्राइम ब्रांच की साइबर सेल और स्पेशल सेल की आईएफएसओ यूनिट टीमें इस अभियान का हिस्सा बनी हैं।

केंद्रीय मंत्री शेखावत ने एसआईआर प्रक्रिया पर विपक्ष को घेरा, कांग्रेस पर साधा निशाना

जोधपुर (एजेंसी)। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया को लेकर विपक्षी दलों, खासकर कांग्रेस के सवालों पर करारा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग संवैधानिक अधिकारों के तहत निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के लिए यह कार्य कर रहा है। जोधपुर एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत में शेखावत ने स्पष्ट किया कि मतदाता सूची का समय-समय पर पुनरीक्षण चुनाव आयोग की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा, संविधान द्वारा प्रदत्त अधिकारों के अंतर्गत आयोग यह प्रक्रिया पूरी कर रहा है। देश में कई बार मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण हो चुका है, जो चुनावों की शुचिता बनाए रखने के लिए आवश्यक है।

कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यह पार्टी हमेशा से राजनीतिक स्वार्थ में लिप्त रही है। उन्होंने महाराष्ट्र चुनाव के बाद कांग्रेस नेताओं द्वारा मतदाता सूचियों में गड़बड़ी के आरोपों का जिक्र किया। शेखावत ने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा, कांग्रेस और उसके मुखिया कभी हाइड्रोजन बम तो कभी एटम बम जैसे दावे करते रहे। अब एसआईआर प्रक्रिया शुरू होते ही वे इस पर राजनीति कर रहे हैं। लेकिन बिहार चुनाव में जनता ने स्पष्ट संदेश दिया है कि बांटने, तोड़ने और दुर्व्यवहार की राजनीति अब नहीं चलेगी। देश सिर्फ विकास और विकसित भारत की दिशा में प्रेरित राजनीति को स्वीकार करेगा। उन्होंने आगे कहा कि कई राज्यों में अभी चुनाव बाकी हैं और बंगाल जैसे राज्यों में जनता फिर से अपना फैसला सुनाएगी। एसआईआर प्रक्रिया पर उठे सवालों का जवाब देते हुए शेखावत ने बताया कि यह चरणबद्ध तरीके से पूरे देश में लागू की जाएगी। फिलहाल 12 राज्यों में यह प्रक्रिया चल रही है और इनके पूरा होने के बाद अन्य राज्यों में शुरू होगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि एसआईआर से मतदाता सूचियों की सटीकता बढ़ेगी, जो लोकतंत्र की मजबूती के लिए जरूरी है।

कांग्रेस की आलोचना में शेखावत ने पार्टी के इतिहास को भी निशाने पर लिया। उन्होंने कहा, कांग्रेस ने अपने अस्तित्व से लेकर अब तक हर कदम राजनीति और सत्ता से प्रेरित रखा। यहां तक कि वंदे मातरम जैसे राष्ट्रीय गीत को भी सत्ता और कुर्सी के लिए बांटने का पाप किया। इसी सोच ने देश के विभाजन की नींव रखी। कांग्रेस ने जीवन भर बांटने और तोड़ने की राजनीति की। राजनीतिक स्वार्थ को सर्वोपरि रखते हुए सभी निर्णय लिए। अब भी ये कुछ अलग सोच सकती है, इसकी संभावना नहीं लगती। केंद्रीय मंत्री ने विपक्ष को चेतावनी देते हुए कहा कि जनता अब ऐसी विभाजनकारी राजनीति को बर्दाश्त नहीं करेगी। उन्होंने विकास की राजनीति पर जोर दिया और कहा कि मोदी सरकार का फोकस देश को एकजुट रखते हुए आगे बढ़ाना है। एसआईआर जैसी प्रक्रियाएं इसी दिशा में उठाए गए कदम हैं, जो चुनावी प्रक्रिया को और पारदर्शी बनाएंगी। शेखावत की यह टिप्पणियां ऐसे समय में आई हैं जब विपक्ष एसआईआर को लेकर सवाल उठा रहा है, लेकिन मंत्री ने इसे राजनीतिक दांव-पेच करार दिया। उन्होंने विश्वास जताया कि जनता सच्चाई समझती है और विकास के पथ पर साथ देगी।

गोवा जिला पंचायत चुनाव : आप सभी सीटों पर लड़ेगी चुनाव

पणजी (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी ने गोवा जिला पंचायत चुनावों के लिए 22 उम्मीदवारों की घोषणा की है और सभी 50 सीटों पर पूरी ताकत से चुनाव लड़ने का ऐलान किया है। यह कदम दिखाता है कि आप गोवा के गांवों, कस्बों और स्थानीय निकायों को सक्रिय और मजबूत बनाने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। आप ने पिछले कुछ वर्षों में अपनी संगठनात्मक पकड़ को बढ़ाया है और चुनाव जीतने की क्षमता वाली ठोस संरचना में बदल दिया है। घोषित सूची आप की साफ-सुथरी राजनीति, पारदर्शिता और जनसेवा की पहचान को दिखाती है। इसमें युवाओं, महिलाओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं और अलग-अलग समुदायों के प्रतिनिधियों का संतुलित और समावेशी मिश्रण है। गोवा की जनता पानी, सड़क, बिजली, स्वास्थ्य और पारदर्शी प्रशासन की मांग को लेकर आप की तरफ देख रही है, और यह घोषणा उसी भरोसे की पुष्टि करती है। खबर के अनुसार, गोवा में बीजेपी सरकार के प्रति जनता की नाराजगी बढ़ती दिख रही है। विकास के दावे केवल सोशल मीडिया तक सीमित हैं, जबकि पंचायतों की शक्तियों को लगातार कमजोर किया गया है। ग्रामीण इलाकों में महंगाई, रोजगार की कमी और भ्रष्टाचार के मुद्दे लगातार उठ रहे हैं, जबकि सरकार की प्राथमिकता केवल राजनीतिक प्रचार में नजर आती है। आप ने साफ कर दिया है कि वह केवल चुनाव लड़ने नहीं, बल्कि गोवा की राजनीति को एक नया रास्ता दिखाने आई है, जिसमें जनता, पंचायतों और स्थानीय नेतृत्व केंद्र में हों, न कि सत्ता का एकाधिकार।

मणिपुर में कुछ समूह जानबूझकर अवैध प्रवासियों की मूल समस्या से ध्यान भटकाने में लगे : पूर्व सीएम सिंह

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर के पूर्व मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने दावा किया कि कुछ शक्तिशाली समूह जानबूझकर राज्य में अवैध प्रवासियों की मूल समस्या से ध्यान भटकाने की कोशिश में जुटे हैं। पूर्व सीएम सिंह ने कहा कि राष्ट्र-विरोधी और राज्य-विरोधी तत्वों को घुसपैठियों से जुड़े असल मुद्दे से ध्यान भटकाने की अनुमति नहीं होनी चाहिए।

उन्होंने पोस्ट में कहा, जब मैंने राज्य सरकार के दौरान पड़ोसी देश से आए अवैध प्रवासियों और शरणार्थियों की पहचान शुरू की, तब पड़ोसी राज्यों के नेताओं ने इसकी कड़ी आलोचना की। सिंह ने कहा, ''आज नगालैंड और मिजोरम सहित हर पड़ोसी राज्य ने आखिरकार स्थिति की गंभीरता को समझकर सख्त कार्रवाई कर रहा है।''

उनका बयान हाल ही में मीडिया में आई उन खबरों के बाद आया है जिनमें कहा गया था कि मिजोरम सरकार ने राज्य के 11 जिलों में शरण लिए हुए म्यांमार के 31,214 शरणार्थियों का 58.15 प्रतिशत बायोमीट्रिक नामांकन पूरा किया है।

पूर्व सीएम सिंह ने कहा कि मिजोरम अवैध प्रवासियों की पहचान करने में प्रभावशाली गति से आगे बढ़ रहा है, लेकिन इसकी सबसे पहले जिम्मेदारी लेने वाला राज्य मणिपुर जातीय हिंसा के नाम पर ज्वलंत मुद्दे पर चुप्पी साधे हुए है।

उन्होंने दावा किया कि प्राथमिकता में यह बदलाव कोई संयोग नहीं है। उन्होंने कहा, ''कुछ शक्तिशाली समूह जानबूझकर अवैध प्रवासियों की मूल समस्या से ध्यान हटाने की कोशिश कर रहे हैं ताकि राज्य और केंद्र सरकार गौण मुद्दों में उलझकर मणिपुर के सामने मौजूद मुख्य सवालों को भूल जाएं।''

तमिलनाडु विधानसभा चुनाव 2026: सीट शेयरिंग के लिए कांग्रेस ने बनाई कमेटी, डीएमके के साथ ही लड़ेगी चुनाव

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु में 2026 में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस ने अपने सहयोगी दल द्रमुक (डीएमके) के साथ सीट शेयरिंग पर औपचारिक बातचीत शुरू करने की तैयारी कर ली है। इसी कड़ी में पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के निर्देश पर एक पांच सदस्यीय कमेटी का गठन किया गया है, जो गठबंधन की रूपरेखा और सीटों के बंटवारे पर डीएमके से बातचीत का नेतृत्व करेगी।

कांग्रेस की ओर से तमिलनाडु-पुडुचेरी के इंचार्ज गिरीश चोडनकर को कमेटी का अध्यक्ष बनाया गया है। इसके साथ ही टीएनसीसी अध्यक्ष के. सेल्वापेरुन्थगई,

कांग्रेस विधायक दल के नेता एस. राजेश

कुमार और दो अन्य वरिष्ठ नेताओं को भी कमेटी में शामिल किया गया है। टीएनसीसी ने शनिवार को इसका आधिकारिक ऐलान किया।

विजय की पार्टी से गठबंधन की अटकलों पर फिलहाल लगा विराम

पिछले कुछ हफ्तों में राजनीतिक गलियारों में चर्चा थी कि कांग्रेस 2026 के चुनाव में एक्टर विजय की नई पार्टी तमिलगा वेत्री कड़गम (टीवीके) के साथ गठबंधन कर सकती है। हालांकि कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम ने इन अटकलों को सिरे से खारिज कर दिया है। उन्होंने साफ कहा कि कांग्रेस आगामी विधानसभा चुनाव मौजूदा डीएमके-कांग्रेस गठबंधन के तहत ही लड़ेगी। कमेटी का गठन इंडिया ब्लॉक की एकता को मजबूत करने के प्रयास के तौर पर भी देखा जा रहा है।

गठबंधन की पिछली सफलताएं

तमिलनाडु की कुल 234 विधानसभा सीटों में से कांग्रेस और डीएमके ने साल 2021 में मिलकर चुनाव लड़ा था। कांग्रेस ने 25 सीटों पर मुकाबला किया और 18 सीटों पर जीत दर्ज की थी। जबकि डीएमके ने 159 सीटें जीतीं और 10 साल बाद सत्ता में वापसी की। इसी जीत के बाद एमके स्टालिन पहली बार मुख्यमंत्री बने।

बच्चा चोरी और ह्यूमन ट्रैफिकंग मामले में 7 लोग दोषी करार, 24 को सुनाई जा सकती है सजा

वाराणसी (एजेंसी)। वाराणसी जिला एवं सत्र न्यायालय की फास्ट ट्रैक कोर्ट ने बच्चा चोरी और ह्यूमन ट्रैफिकिंग मामले में 7 लोगों को दोषी करार दिया है। इसी मामले के 8 आरोपियों को संदेह का लाभ मिला और उन्हें दोषमुक्त करार दिया गया। दोषियों को 24 नवंबर को सजा सुनाई जा सकती है। गौरतलब है कि बच्चा चोरी और ह्यूमन ट्रैफिकिंग के मामले में पुलिस ने 16 लोगों के खिलाफ अदालत में चार्जशीट दाखिल की थी। इस गिरोह के 10 सदस्यों को झारखंड, राजस्थान और यूपी के बनारस से गिरफ्तार किया गया था। गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे व निशानदेही पर अगवा कर बेचे गए तीन बच्चों को बरामद किया गया था। पुलिस ने तब बच्चे को अगवा करने में इस्तेमाल कार को भी बरामद कर सीज किया था। इन आरोपियों में गिरोह का मास्टर माइंड समेत तीन महिलाएं भी शामिल रही हैं। इस मामले की सुनवाई फास्ट ट्रैक कोर्ट में हुई, जहां गवाहों, साक्ष्यों और पुलिस चार्जशीट के आधार पर 7 लोगों को दोषी करार दिया गया है। अब सभी दोषियों को 24 नवंबर को सजा सुनाई जा सकती है। इस मामले में पुलिस सूत्रों का कहना था, कि बच्चों की चोरी कर राजस्थान, झारखंड और बिहार आदि राज्यों में मौजूद दलालों को सौंप दिया जाता था। फिर दलाल इन बच्चों को दो से पांच लाख तक में निःसंतान दंपती या अन्य जरूरतमंद को बेच देते थे।

अयोध्या राम मंदिर में ध्वजारोहण समारोह: अतिथियों के सत्कार की पूरी व्यवस्था

-पहले दिन पूजन विधिवत संपन्न, देवताओं का किया आह्वान

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या में श्रीराम मंदिर में होने वाले ऐतिहासिक ध्वजारोहण समारोह को सफल बनाने के लिए तैयारी है। अतिथियों के सत्कार से लेकर धार्मिक अनुष्ठानों तक, हर व्यवस्था को सूक्ष्मता से संचालित किया जा रहा है। आमंत्रित आगंतुकों के लिए सात स्थानों पर आठ भोजनालय बनाए हैं, जहां लाखों पानी की बोतलों समेत सभी तरह की सेवाओं की व्यवस्था है। इन भोजनालयों में जलपान के बाद अतिथियों को कार्यक्रम स्थल भेजा।

केंद्रीय मंत्री राजेंद्र सिंह -पंकज- ने बताया कि सीता रसोई के अलावा देशभर में अन्न सेवा करने वाले भक्त संगठन भी भोजनालयों में मदद कर रहे हैं। यह सभी भोजनालय आगंतुकों को निर्बाध, गरिमामय व सहज सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। ध्वजारोहण कार्यक्रम के पहले दिन पूजन की शुरुआत भव्य कलश यात्रा के बाद से ध्वजारोहण कार्यक्रम के प्रथम चरण के रूप में वैदिक पूजन-अर्चन की शुरुआत हुई। विभिन्न आचार्यों ने पूर्ण वैदिक विधि से देवताओं का आवाहन किया और कई महत्वपूर्ण अनुष्ठान संपन्न कराए। पूजन क्रम में गणपति पूजन, पंचांग पूजन, षोडश मातृका पूजन, मंडप प्रवेश पूजन, योगिनी पूजन, क्षेत्रपाल पूजन, वास्तु पूजन, नवग्रह पूजन एवं रामभद्र मंडल सहित सभी पूज्य मंडलों का आवाहन पूजन सम्पन्न हुआ। इसके बाद अरणि मंथन से अग्निकुंड में अग्नि स्थापना की गई। यजमान डॉ. अनिल मिश्र ने अपनी अर्द्धांगिनी के साथ पूजन किया। मुख्य आचार्य चंद्रभान शर्मा, उपाचार्य रविंद्र पैठणे, यज्ञ ब्रह्मा पंकज शर्मा सहित अन्य आचार्यों ने कार्यक्रम संपन्न कराया। पूजन व्यवस्था प्रमुख आचार्य इंद्रदेव मिश्र व आचार्य पंकज कौशिक के निर्देशन में सभी अनुष्ठान सफलतापूर्वक पूर्ण हुए। अतिथियों की आरामदायक व्यवस्था और वैदिक विधानों की निरंतरता इस ऐतिहासिक ध्वजारोहण कार्यक्रम को विशिष्ट और गरिमामय बना रही है।

ट्रंप और ममदानी के मुलाकात पर शशि थरूर ने कांग्रेस को आईना दिखाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और न्यूयॉर्क शहर के मेयर जोहरान मामदानी के बीच हुई मुलाकात पर अपनी राय दी है। न्यूयॉर्क मेयर चुनाव से पहले ट्रंप और ममदानी दोनों ने एक-दूसरे पर खूब निशाना साधा था, लेकिन व्हाइट हाउस में शुक्रवार को हुई उनकी मुलाकात सौहार्दपूर्ण रही। मुलाकात के एक वीडियो क्लिप पर प्रतिक्रिया देकर कांग्रेस नेता थरूर ने कहा कि लोकतंत्र को इसतरह काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि वह भारत में इस तरह का माहौल देखना पसंद करेंगे।

कांग्रेस नेता थरूर ने लिखा, चुनावों में अपने दृष्टिकोण के लिए जोश के साथ लड़ें। बिना किसी अलंकारिक रोक के विरोध किया। लेकिन एक बार जब चुनाव खत्म हुआ और जनता अपना फैसला सुना चुकी हो, तब उस राष्ट्र के सामान्य हित में एक-दूसरे के साथ सहयोग करना सीखें। जनता की सेवा करने के लिए आप दोनों प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि वह भारत में भी इसतरह की कोशिश के लिए प्रयास कर रहे हैं।

ट्रंप ने कहा कि मुलाकात बहुत ही उत्पादक रही और उम्मीद जाहिर की कि न्यूयॉर्क को एक महान मेयर मिलेगा। ट्रंप ने ममदानी की प्रशंसा कर कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि डेमोक्रेट नेता अच्छा काम करेगा और कुछ रूढ़िवादी लोगों को आश्चर्यचकित करेगा। जब एक रिपोर्टर ने ममदानी से पूछा कि क्या इसकी पुष्टि करेंगे, कि ट्रंप फासीवादी हैं, तब अमेरिकी राष्ट्रपति ने मजाकिया लहजे में कहा कि मेयर हां में जवाब दे सकते हैं। ट्रंप ने कहा, यह ठीक है। आप कह सकते हैं। यह समझाने से आसान है। मुझे कोई आपत्ति नहीं है।

बता दें कि थरूर की कुछ टिप्पणियों ने अतीत में कांग्रेस पार्टी के भीतर हलचल मचा दी थी। थरूर ने कहा था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का रामनाथ गोयनका व्याख्यान आर्थिक दृष्टिकोण और सांस्कृतिक आह्वान दोनों के रूप में कार्य करता है। उन्होंने कहा कि बुखार और खांसी से जूझने के बावजूद उन्हें भाषण के दौरान दर्शकों में शामिल होकर खुशी हुई। उनके इस बयान पर कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित ने उन्हें पाखंडी कहा, जबकि सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि उन्हें पीएम के भाषण में प्रशंसा के योग्य कुछ भी नहीं मिला।

यूपी में डिजिटल नक्शे तैयार करने के लिए अगले साल से ड्रोन सर्वेक्षण

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तरप्रदेश राज्य के नगरीय निकाय क्षेत्रों की भूमि के सटीक व डिजिटल नक्शे तैयार करने के लिए अगले साल से ड्रोन सर्वेक्षण का कार्य शुरू होगा। पायलट प्रोजेक्ट (प्रायोगिक परियोजना) के तौर पर अनूप शहर में चल रहे सर्वेक्षण के पूरा होने के बाद अन्य नगरीय निकायों के लिए सर्वेक्षण की कार्ययोजना तैयार होगी। सर्वेक्षण के बाद संबंधित नगरीय निकाय क्षेत्रों में स्थित औद्योगिक क्षेत्र, बाजार, रिहायशी क्षेत्र, सड़क, रेल ट्रैक, तालाब, नदी व हरित क्षेत्र की सटीक जानकारी मिलेगी। इसके आधार पर राजस्व रिकार्ड के डिजिटल नक्शे तैयार किए जाएंगे।

केंद्रीय भूमि संसाधन विभाग के डिजिटल इंडिया भूमि रिकार्ड आधुनिकीकरण कार्यक्रम (डीआइएलआरएमपी) के तहत यूपी के ग्रामीण क्षेत्रों का सर्वेक्षण पूरा करने के बाद शहरी क्षेत्रों में सर्वेक्षण होना है। डीआइएलआरएमपी के तहत केंद्र सरकार हर प्रकार की भूमि का रिकार्ड तैयार करा रही है। इस रिकार्ड के तैयार होने के बाद सभी रिहायशी कालोनियों के भी नक्शे तैयार किए जाएंगे। अभी तक टैक्स प्रणाली के मद्देनजर शहरी क्षेत्रों के नक्शे तैयार किए गए हैं।

ड्रोन सर्वेक्षण के बाद सभी शहरों का नक्शा तैयार किया जाएगा, इससे भूमि के मालिकाना अधिकार को लेकर स्पष्टता आएगी। साथ ही भूमि की खरीद व बिक्री में धोखाधड़ी पर रोक लगेगी। एकीकृत भूमि सूचना प्रबंधन प्रणाली विकसित करने के लिए किए सभी शहरों व कालोनियों के नक्शों की जियो-रेफरेंसिंग (वास्तविक दुनिया के भौगोलिक निर्देशांकों को डिजिटल मानचित्र या छवि के साथ जोड़ने की प्रक्रिया) पूरी की जाएगी।

राजस्व विभाग ने पहले चरण के सर्वेक्षण के लिए टांडा, नवाबगंज, चित्रकूट धाम, गोरखपुर, हरदोई, झांसी, चुनार, पूरनपुर व तिलहर के नगरीय निकायों का चयन किया गया है।

पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर 18 फरवरी से अनूप शहर में सर्वेक्षण किया जा रहा है। इस सर्वेक्षण के समाप्त होने के बाद अन्य नगरीय निकाय क्षेत्रों के सर्वेक्षण की कार्ययोजना तैयार की जाएगी। चूंकि अनूप शहर की आबादी करीब 46 हजार है और 10 हजार मकान हैं इसलिए पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर इसका चयन किया गया है।